VPL
वर्ष 11 अंक 64
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, शनिवार
13 दिसंबर 2025
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in
DELHIN/ 2015 / 65411
डाक पंजीयन सं. -DL(S)-17/3531/2018-20

03 दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 1984 के सिख विरोधी दंगे के पीड़ितों के...
06 तालिबान से व्यावहारिक रिश्ते : साहसिक क़दम या जोखिम?
11 सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारी से भारत ने अंडर-19 एशिया कप में यूएई को 234 रन..

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल का निधन

लातूर, (भाषा) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र में उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया।

परिवार के सूत्रों ने बताया कि पाटिल कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने अपने आवास 'देवघर' पर अंतिम सांस ली। वह 90 वर्ष के थे। उन्होंने बताया कि पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

पाटिल के परिवार में बेटा शैलेश पाटिल, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। उनकी बहू अर्चना ने पिछले साल भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लातूर शहर से कांग्रेस के अमित देशमुख के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन वह हार गयी थीं। पाटिल अपने अंतिम दिनों तक कांग्रेस और नेहरू–गांधी परिवार के प्रति वफादार रहे। पांच दशकों से अधिक के सार्वजनिक जीवन में उन्होंने कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और मंत्रिस्तरीय पदों पर कार्य किया।

वर्ष 2008 में केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में पाटिल को भारी जनाक्रोश और मीडिया आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि 26 नवंबर की रात जब मुंबई भारी हथियारों से लैस पाकिस्तान-प्रशिक्षित दस आतंकियों के अभूतपूर्व हमलों से जूझ रही थी, वे तीन अलग-अलग परिधानों में नज़र आए थे।

इन आलोचनाओं पर अपना बचाव करते हुए उन्होंने कहा था कि लोगों को नीतियों की आलोचना करनी चाहिए, कपड़ों की नहीं। मुंबई हमलों की भयावहता ने पाटिल के राजनीतिक करियर पर गहरा प्रभाव डाला और केंद्रीय मंत्रिमंडल में उनकी स्थिति को लगभग अस्थिर बना दिया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने 30 नवंबर, 2008 को इस्तीफा दे दिया।

सभी दलों की ओर से पाटिल के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की गईं, जो कांग्रेस नेता के प्रति व्यापक सम्मान को दर्शाती हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कई अन्य लोगों ने पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पाटिल का जन्म 12 अक्टूबर, 1935 को हुआ था और उन्होंने 1966 और 1970 के बीच लातूर नगर परिषद प्रमुख के रूप में अपना राजनीतिक सफर शुरू किया और इसके बाद दो कार्यकाल के लिए विधायक चुने गए। वह 1977 से 1979 के बीच महाराष्ट्र विधानसभा में उपाध्यक्ष और अध्यक्ष समेत कई अहम पदों पर रहे।

उन्होंने लातूर लोकसभा सीट से सात बार जीत हासिल की और 1991 से 1996 तक लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रहे। 2004 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा की रूपताई पाटिल निलंगेकर से हार का सामना करना पड़ा। वह राज्यसभा सदस्य भी रहे।

कांग्रेस नेता ने रक्षा, वाणिज्य और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों का कार्यभार संभाला। वह पंजाब के राज्यपाल भी रहे और उन्होंने 2010 से 2015 तक चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने 2022 में एक पुस्तक के विमोचन के कार्यक्रम में यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया था कि ''जिहाद'' की अवधारणा न केवल इस्लाम में बल्कि भगवद् गीता और ईसाई धर्म में भी मौजूद है।

मार्च 2025 में उन्होंने अपने परिवार के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। मोदी ने पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि वह समाज के कल्याण में योगदान देने के लिए बेहद उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा, ''पिछले कई वर्षों में मेरी उनसे कई बार बातचीत हुई, हाल में कुछ महीने पहले वह मेरे आवास पर आए थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ओम शांति।''

पाटिल को एक प्रतिष्ठित सांसद और राजनेता बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनका निधन बेहद दुखद है। फडणवीस ने कहा कि पाटिल ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपनी अनुकरणीय सार्वजनिक सेवा से एक अमिट छाप छोड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई नवोन्मेषी संसदीय प्रथाओं की शुरुआत की और उनका समर्थन किया, जिससे उन्हें राजनीतिक हलकों में सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, ''अपनी ईमानदारी, गहन ज्ञान और दृढ़ नेतृत्व के लिए विख्यात पाटिल का भारतीय राजनीति में एक प्रतिष्ठित स्थान था। उनके निधन से देश के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व में एक रिक्ति उत्पन्न हो गई है।''

शरद पवार ने कहा कि पाटिल ने महाराष्ट्र और राष्ट्र दोनों की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा को जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से जोड़ा।

राकांपा (शप) प्रमुख ने कहा, ''पाटिल ने जिस भी पद पर कार्य किया, उनका काम हमेशा आम आदमी के लिए न्याय को दर्शाता रहा।''

पड़ोसी नांदेड़ जिले के निवासी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पाटिल को ''पिता तुल्य एक मार्गदर्शक'' बताया। उन्होंने कहा, ''शिवराज पाटिल का निधन मेरे लिए एक बहुत बड़ी व्यक्तिगत क्षति है। उनका (मेरे पिता) डॉ. शंकरराव चव्हाण के साथ भाई जैसा रिश्ता था और कई वर्षों से हमारे परिवारों के बीच गहरा संबंध रहा है।''

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि पाटिल के निधन से देश ने एक सुसंस्कृत और विद्वान व्यक्तित्व को खो दिया है। उन्होंने कांग्रेस नेता को ''सादगी और नैतिक आचरण का प्रतीक'' बताया।

लोकसभा अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पाटिल की पहलों पर प्रकाश डालते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने सदन के आधुनिकीकरण और कम्प्यूटरीकरण पर जोर दिया। पवार ने एक बयान में कहा, ''उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी उनके कार्यकाल के दौरान ही शुरू किया गया था।''

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पाटिल ने अपने दशकों लंबे करियर के दौरान अपने गृह राज्य महाराष्ट्र से लेकर केंद्र तक विभिन्न संवैधानिक पदों पर कार्य किया। शिंदे ने कहा कि उनके निधन से देश ने एक अनुभवी, सुसंस्कृत नेता को खो दिया है, जिन्होंने राजनीति और सामाजिक कार्य को कुशलतापूर्वक संयोजित किया।

राकांपा (शप) सांसद सुप्रिया सुले ने पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से हमने एक ऐसे नेता को खो दिया है जिनके पास संसद का व्यापक अनुभव था।

लातूर के विधायक अमित देशमुख ने भी पाटिल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि पाटिल अपने गरिमापूर्ण आचरण के लिए पहचाने जाते थे और उन्होंने कभी सार्वजनिक भाषणों या निजी बातचीत में व्यक्तिगत हमले नहीं किए। पार्टी के नेता ने बताया कि पाटिल अपनी व्यापक विद्वत्ता, गहन अध्ययन और प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए भी जाने जाते थे। मराठी, अंग्रेजी और हिंदी पर उनकी पकड़ और संवैधानिक मामलों की असाधारण समझ ने उन्हें अपने समय के एक बेहद सम्मानित सांसद के रूप में पहचान दिलायी।

आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 23 अन्य घायल

चिंतूरु (आंध्र प्रदेश), (भाषा) आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और खलासी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। बरदार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। बस पलट गई... और वहीं फंस गई।'' उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है।

अधिकारी के अनुसार, संभवतः घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। पुलिस ने बताया कि बस

ऊंचाई वाले घाट मार्ग से नीचे गिर गई और नीचे स्थित सड़क पर उल्टी पड़ी हुई थी। दुर्घटना 'चाइना वॉल' के पास हुई, जिसे वाहनों को सड़क से गिरने से रोकने के लिए बनाया गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''अनुमान है कि मृतकों की संख्या और नहीं बढ़ेगी और चारों गंभीर रूप से घायल व्यक्ति पहले से बेहतर हैं।'

एसपी ने बताया कि बस में चित्तूर क्षेत्र के लोग सवार थे, जो अरकु की यात्रा के बाद तेलंगाना जिले के भद्राचलम स्थित श्री राम मंदिर जा रहे थे। मोथुगुडेम थाने ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 (लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने से मृत्यु का कारण बनने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया है। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने दुर्घटना के संबंध में अधिकारियों से बात की और घायलों को दिए जा रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने नायडू को सूचित किया कि घायल व्यक्तियों को बेहतर इलाज के लिए चिंतूरु अस्पताल और अन्य अस्पतालों में भेजा गया है।

आगरा में 'क्रिप्टो करेंसी' के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

आगरा (उप्र), (भाषा) आगरा में साइबर थाना पुलिस ने 'क्रिप्टो करेंसी' में निवेश के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

अपर पुलिस उपायुक्त (एसीपी) आदित्य ने बताया कि आरोप की पहचान अजय के तौर पर हुई है और उसने अब तक 1500 लोगों से कथित तौर पर ठगी की है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने क्रिप्टो करेंसी की तरह ही एक वेबसाइड बनवाई और लोगों की रकम कई गुना करने का झांसा देकर निवेश कराया। उन्होंने बताया कि आरोप है कि वह लोगों से ठगी करने के लिए बड़े बड़े होटलों में सेमिनार आयोजित करता था। उन्होंने बताया कि आरोपी सेमिनार में कथित तौर पर कुछ लोगों के रुपये कई गुना करके वापस करना भी दिखाता था जिससे लोग झांसे में आकर लाखों रुपये निवेश करते थे। उन्होंने बताया कि आरोप है कि वेबसाइड पर सभी का डाटा रहता था जिसमें रकम कई गुना दिखायी जाती और लोगों का भरोसा बना रहता था।

वायु प्रदूषण पर संसद में विस्तृत चर्चा हो, व्यवस्थित योजना सामने रखें प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

नयी दिल्ली, (भाषा) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण का विषय शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस समस्या से निपटने के लिए हर शहर के लिए एक व्यवस्थित योजना सामने रखनी चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह विषय कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में उठा था और सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

राहुल गांधी ने कहा, ''हमारे अधिकतर प्रमुख शहरों पर जहरीली हवा की चादर पसरी हुई है। लाखों बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं, उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है और लोगों को कैंसर हो रहा है। वृद्ध लोगों को सांस लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि यह एक ऐसा मुद्दा

है जिस पर सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी। यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। सदन में हर कोई इस बात से सहमत है कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को जो नुकसान हो रहा है, वह ऐसी चीज़ है जिस पर हमें सहयोग करना चाहिए।''

उनका कहना था कि सरकार को देश के शहरों में वायु प्रदूषण से छुटकारा पाने के लिए एक योजना विकसित करनी चाहिए और विपक्ष को योजना विकसित करने में सरकार के साथ सहयोग करके खुशी होगी।

राहुल गांधी ने कहा, ''इस मुद्दे पर हम देश को दिखा सकते हैं कि हम किसी महत्वपूर्ण चीज़ पर मिलकर काम कर सकते हैं। हमें इस पर संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और प्रधानमंत्री को प्रत्येक शहर के लिए एक व्यवस्थित योजना पेश करनी चाहिए, जो अगले 5 या 10 वर्षों में हमारे लोगों के लिए जीवन को आसान बना सके।''

बाद में राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने सदन में दिल्ली और दूसरे बड़े शहरों में बढ़ते प्रदूषण की बात की। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें सभी पार्टियां सहमत हो सकती हैं। प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, गंभीर बीमारियां हो रही हैं।''

उनका कहना था, ''इसलिए मैंने संसद में सुझाव दिया है कि हमें प्रदूषण पर चर्चा करनी चाहिए। इस बारे में विशेषज्ञों की राय लेकर, इस समस्या को मिलकर हल करना चाहिए।''

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपदा बन चुका है, जिसके खिलाफ़ एक तत्काल, व्यापक और निर्णायक राष्ट्रीय योजना की ज़रूरत है। यह राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि हम सबकी ज़िम्मेदारी है जिसके नियंत्रण, समाधान और हमारे लोगों के भविष्य की रक्षा के लिए हम प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।''

कांग्रेस महासचिव और लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने संवाददाताओं से कहा, ''हम सभी प्रदूषण के मुद्दे पर राहुल गांधी जी की बात से पूरी तरह सहमत हैं। प्रदूषण पर हमें चर्चा करनी चाहिए और एक कार्य योजना बनानी चाहिए।''--

असम के पूर्व विधायक समेत चार नेता कांग्रेस में शामिल, गोगोई ने कहा: हवा का रुख बदल रहा है

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शुक्रवार को चार नेताओं का पार्टी में स्वागत किया और कहा कि उनकी पार्टी से लोगों के निरंतर जुड़ने से स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में हवा का रुख बदल रहा है।

गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को यह सबक मिलेगा कि अंत में अहंकार की हार होती है। असम गण परिषद के दो नेताओं पूर्व विधायक बुबुल दास और अशोक कुमार प्रधानी ने कांग्रेस का दामन थामा। उनके अलावा चाय बागान क्षेत्र से जुड़े नेता गौतम धोनोवार तथा एक अन्य नेता लंकी तबकी कांग्रेस शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव और असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने संवाददाताओं को बताया, ''आज जिस तरह से अमस में हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा की सरकार चल रही है। वो चिंता का विषय है। माफिया राज, जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और असम को लूट रहे हैं। असम की पहचान को खत्म कर रहे हैं।'' सिंह ने कहा, ''इसी से पीड़ित होकर चार वरिष्ठ नेता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। बुबुल दास जी, अशोक कुमार राय प्रधानी जी, गौतम धानोवार जी डॉ. लंकी

तकबी का मैं कांग्रेस में बहुत-बहुत स्वागत करता हूं।'' गोगोई ने कहा, ''हर महीने कई वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। ये झलक है कि असम में हवा का रुख बदल रहा है। हर वर्ग और समाज से लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।''

उन्होंने दावा किया, ''असम का युवा बेरोजगारी से त्रस्त है। हमें इसमें परिवर्तन लाना है, तो उद्योग पर ध्यान देना होगा। उद्योग से ही हम बेरोजगारी की समस्या को कम कर सकते हैं।

गोगोई ने कहा, ''असम में आदिवासियों की 13,000 एकड़ जमीन पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कब्जा हो गया है।''

'चुनावी मैदान' निष्पक्ष होता तो हम हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार नहीं हारते: गौरव गोगोई

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को दावा किया कि यदि "चुनावी मैदान" निष्पक्ष होता तो उनकी पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेरफेर और निर्वाचन आयोग के जरिये चुनाव जीते गए। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता ने एक सवाल के जवाब में कहा, "2024 में मोदी जी ने 400 पार का सपना देखा। उस चुनावी रण में मोदी जी को काफी क्षति हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे देखेंगे तो पता चलेगा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार तय थी।" उनका कहना था, "अगर चुनाव निष्पक्ष होता और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होता तो हम हरियाणा, महाराष्ट्र जीतते। इसके बाद जो माहौल बनता उसमें बिहार भी जीतते। फिर केंद्र सरकार एक भी दिन नहीं टिकती।"गोगोई ने दावा किया कि इसके बाद भाजपा के मन में खौफ हुआ और हथकंडे अपनाए गए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अनुपयोगी हो चुके 71 कानूनों को निरस्त करने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उन 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी, जिनकी उपयोगिता कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। अधिकारियों ने बताया कि निरस्त किए जाने वाले प्रस्तावित कानूनों में से कम से कम एक कानून ब्रिटिश काल का है।

एक अधिकारी ने बतया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों को रद्द करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है, जिनकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया, ''संसद द्वारा संशोधन पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाहित हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनावश्यक बोझ डालता है।

जुबिन गर्ग मौत: एसआईटी के आरोपपत्र में चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया

गुवाहाटी, (भाषा) गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को यहां की अदालत में दाखिल आरोपपत्र में उनके सचिव सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत सहित चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। वकीलों ने बताया कि जुबिन के बैंड के सदस्यों-शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत पर भी हत्या का आरोप लगाया गया है।

श्यामकानु महंत सिंगापुर में आयोजित किये गये नार्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (एनईआईआर)का मुख्य आयोजक था और इसी में हिस्सा लेने जुबिन द्विपीय देश गए थे। उनकी 19 सितंबर को समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी।

वकीलों ने बताया कि शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल 3,500 से अधिक पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया गया जिसमें जुबिन के रिश्ते के भाई और असम पुलिस के निलंबित अधिकारी संदीपन गर्ग के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। वकीलों ने बताया कि गायक के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य को बीएनएस की धारा 31सी के तहत आरोपी बनाया गया है। यह धारा सौंपे गए धन या संपत्ति का गबन कर आपराधिक विश्वासघात करने से जुड़ा है।

एसआईटी ने जुबिन की मौत के सिलसिले में अबतक सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के तहत 300 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किये गये हैं। असम सरकार ने जुबिन की

मौत की जांच के लिए विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एम पी गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था।

सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) भी जुबिन की मौत की जांच कर रहा है। एसपीएफ ने एक बयान में कहा था कि प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का संकेत नहीं मिला है तथा मामले की जांच में और तीन महीने तक का समय लग सकता है।

मुख्यमंत्री हिमंता हिमंत विश्व शर्मा ने कोकराझार में संवाददाताओं से कहा कि जुबिन की मौत के संबंध में राज्य की जनता से किया गया वादा एसआईटी ने 'निर्धारित समय सीमा से पहले' ही आरोपपत्र दाखिल करके पूरा कर दिया है। शर्मा ने कहा, ''हमने जुबिन को न्याय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी ली थी और एसआईटी द्वारा आज रिकॉर्ड समय में अदालत में आरोपपत्र दाखिल करके इसे पूरा किया गया।''

मुख्यमंत्री ने हाल में संपन्न विधानसभा सत्र में दावा किया था कि गर्ग की मौत 'स्पष्ट रूप से हत्या' थी।

इंडिगो के उड़ान व्यवधान की जांच के लिए बाहरी विमानन विशेषज्ञ नियुक्त

इंडिगो के मुख्यालय में दो सदस्यों को तैनात करने का फैसला

मुंबई, (भाषा) इंडिगो के निदेशक मंडल ने उड़ानों के परिचालन में हाल में आए व्यापक व्यवधानों के मूल कारणों का विश्लेषण करने के लिए शुक्रवार को एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ की नियुक्ति की घोषणा की। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि स्वतंत्र विमानन विशेषज्ञ जल्द से जल्द समीक्षा शुरू करेंगे और निदेशक मंडल को एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

निदेशक मंडल ने विमानन कंपनी की हालिया उड़ान संबंधी बाधाओं की व्यापक समीक्षा एवं मूल कारण का विश्लेषण करने के लिए 'एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी' की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बयान के अनुसार, ''चीफ एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी, परिचालन व्यवधान तथा इसके लिए जिम्मेदार कारकों की स्वतंत्र विशेषज्ञ समीक्षा एवं आकलन करेगी। इसका नेतृत्व अनुभवी विमानन विशेषज्ञ कैप्टन जॉन इल्सन कर रहे हैं।''

यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) इसिड्रे पोरक्वेरास नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा गठित चार-सदस्यीय समिति के समक्ष पूछताछ के लिए तलब किए गए हैं। डीजीसीए ने संयुक्त महानिदेशक संजय ब्राह्मणे, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान परिचालन निरीक्षक (एफओआई) कपिल मांगलिक और एफओआई लोकेश रामपाल की मौजूदगी वाली समिति को इंडिगो की उड़ानों के परिचालन में व्यापक व्यवधानों के मूल कारणों का पता लगाने का काम सौंपा है।

बयान के मुताबिक, ''इस समीक्षा का मकसद हाल ही में पैदा हुए परिचालन संबंधी व्यवधान के स्वतंत्र मूल कारण का विश्लेषण करना और सुधार के अवसरों की पहचान करना है।'' इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के निदेशक मंडल ने दो दिसंबर से शुरू हुए परिचालन संबंधी व्यवधान के मद्देनजर पहले ही एक संकट प्रबंधन समूह का गठन कर लिया है।

इन व्यवधानों की वजह से इंडिगो को करीब 5,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ी और सैकड़ों एयरलाइन देर से रवाना हुईं। इसकी वजह से देशभर के विभिन्न हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए।

इससे संबंधित एक घटनाक्रम में, डीजीसीए ने शुक्रवार को गुरुग्राम स्थित विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधानों के आरोप में चार उड़ान परिचालन निरीक्षकों (एफओआई) को निलंबित कर दिया।

सरकार ने सत्र 2026 के लिए कोपरा का एमएसपी 445 रुपये बढ़ाया

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारियल उत्पादकों की आय बढ़ाने के मकसद से शुक्रवार को विपणन सत्र 2026 के लिए मिलिंग कोपरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 445 रुपये बढ़ाकर 12,027 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने इस विपणन सत्र के लिए बॉल कोपरा का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 12,500 रुपये प्रति क्विंटल तय किया।

इन प्रस्तावों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने मंजूरी दी। यह जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। वैष्णव ने कहा कि एमएसपी वृद्धि का उद्देश्य नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों को बेहतर दाम सुनिश्चित करना और कोपरा उत्पादन को बढ़ावा देना है। मिलिंग और बॉल कोपरा दोनों के लिए एमएसपी का निर्धारण 'उचित एवं औसत गुणवत्ता' के आधार पर कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिश पर किया गया है। वैष्णव ने कहा कि एमएसपी पर किसानों से उपज खरीदने वाला नैफेड और उपभोक्ता सहकारी समितियों का केंद्रीय संगठन एनसीसीएफ मूल्य समर्थन योजना के तहत कोपरा खरीद के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों के रूप में काम करते रहेंगे। इससे किसानों को बाजार में कीमत गिरने की स्थिति में भी आश्वासन मिलेगा।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, बढ़ा हुआ एमएसपी किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा, ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। वर्ष 2014 के बाद से सरकार ने कोपरा के लिए एमएसपी को लगातार बढ़ाया है। मिलिंग कोपरा का एमएसपी 2014 में प्रति क्विंटल 5,250 रुपये था, जो 2026 के लिए बढ़कर 12,027 रुपये प्रति क्विंटल हो चुका है जो 129 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, बॉल कोपरा का एमएसपी इस दौरान 5,500 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 12,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो 127 प्रतिशत की वृद्धि है। सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में घोषणा की थी कि सभी अनिवार्य फसलों के लिए एमएसपी औसत उत्पादन लागत का न्यूनतम 1.5 गुना तय किया जाएगा, ताकि किसानों को उचित लाभ मिल सके। भारत में कोपरा की विपणन अवधि आमतौर पर जनवरी से अप्रैल तक रहती है। इस दौरान कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल उत्पादन में अहम योगदान देते हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र के नए नियम अधिसूचित, एक ही पट्टे पर होंगे सभी काम

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। जिससे तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और कारोबारी सुगमता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक नियामकीय ढांचा लागू हो गया है। यह कदम हाल ही में पारित तेलक्षेत्र (नियमन एवं विकास) संशोधन अधिनियम, 2025 के तहत उठाया गया है।

नए नियम कई लाइसेंसों की जरूरत वाली पुरानी प्रणाली को हटाकर एकल पेट्रोलियम पट्टा व्यवस्था लेकर आए हैं। इसके दायरे में शेल समेत सभी हाइड्रोकार्बन उत्पादों के अन्वेषण, विकास और उत्पादन को रखा गया है। पट्टे की अवधि अधिकतम 30 वर्ष तक होगी और इसे तेल-क्षेत्र के पूरे आर्थिक जीवनकाल तक बढ़ाया जा सकेगा। उल्लंघन पर आपराधिक दंड के प्रावधान हटा दिए गए हैं और उनके स्थान पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है जबकि बार-बार उल्लंघन पर 10 लाख रुपये रोजाना का जुर्माना लगेगा। इसके अलावा, परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए पट्टाधारक को बुनियादी ढांचा साझा करने की छूट भी होगी।

पर्यावरणीय प्रावधानों के तहत अतिरिक्त गैस को जलाकर छोड़ने की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी के लिए समयबद्ध योजना बनाना अनिवार्य किया गया है।

पेट्रोलियम पट्टे के लिए आवेदनों का निपटारा अब 180 दिनों में किया जाएगा जबकि विवादों का निपटारा त्वरित व्यवस्था और विदेशी निवेशकों के लिए तटस्थ मध्यस्थता स्थल के माध्यम से किया जा सकेगा।

पेट्रोलियम उद्योग सुरक्षा निदेशालय को समुद्री क्षेत्र में होने वाले तेल एवं गैस उत्खनन की सुरक्षा, ऑडिट और मानक निर्धारण के लिए सक्षम प्राधिकरण घोषित किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नए नियम जारी होने को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा, ₹पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 2025 ने व्यवसाय और संचालन में आसानी प्रदान की है। अब पट्टाधारक एक ही पट्टे के तहत खनिज तेल से जुड़ी सभी गतिविधियां संचालित कर सकते हैं और कार्बन-कटौती एवं समग्र ऊर्जा परियोजनाओं को लागू कर सकते हैं।

पट्टाधारक को अपनी ढांचागत क्षमता की वार्षिक रिपोर्ट सरकार को सौंपनी होगी और नियमों के तहत उन्हें सहमति से संयुक्त रूप से सुविधाएं विकसित या साझा करने की अनुमति दी गई है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने इस पर कहा, ₹यह नियम भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार है।

खाने का सामान महंगा होने से नवंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंची

नयी दिल्ली, (भाषा) खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अक्टूबर में यह 0.25 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी। सरकारी आंकड़ों से शुक्रवार को यह जानकारी मिली।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में लगातार दसवें महीने आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य के नीचे रही। यह लगातार दूसरा महीना है जब खुदरा मुद्रास्फीति एक प्रतिशत से भी कम रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति में 3.91 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि अक्टूबर में यह गिरावट 5.02 प्रतिशत थी।

नवंबर में कुल (हेडलाइन) और खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस एवं मछली, मसाले, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई।

ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति नवंबर में 2.32 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में 1.98 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि कुछ सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी और तुलनात्मक आधार सामान्य होते रहने से अगली खुदरा मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत को पार कर सकती है। उन्होंने कहा, ₹वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के बदलते परिदृश्य के साथ आगामी केंद्रीय बजट में घोषित होने वाले वित्तीय उपाय भी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक के फैसलों की राह दिखाएंगे। हमारा मत है कि फरवरी 2026 में एमपीसी नीतिगत ब्याज दर को स्थिर रखेगी।₹

उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के महासचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रंजीत मेहता ने कहा कि अगले दो तिमाहियों में मुद्रास्फीति खाद्य कीमतों में स्थिरता, जीएसटी दरों के संतुलन, बिजली की उचित कीमतें और आरबीआई की रणनीतिक मौद्रिक नीतियों के कारण प्रबंधन-योग्य दायरे में रहेगी।

कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, ₹मुद्रास्फीति के आगे चलकर बढ़ने का अनुमान है लेकिन अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही तक यह अपेक्षाकृत नियंत्रित ही रहेगी। आरबीआई ने अगले कदम आंकड़ों के आधार पर ही उठाने का संकेत दिया है, लिहाजा रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की संभावना बनी हुई है। हालांकि भारद्वाज ने कहा कि ब्याज दर में कटौती का दौर अब समाप्ति की ओर है, और इसके बाद लंबी अवधि के लिए दर में स्थिरता बनी रहेगी। मुद्रास्फीति कम होने से आरबीआई इस साल रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत अंक की कटौती कर चुका है। आरबीआई ने दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को भी 2.6 प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया।

लंबे और स्थिर करियर वाली हमारी पीढ़ी आखिरी: चंडोक

मुंबई, (भाषा) प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष पुनीत चंडोक ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) नौकरियां नहीं छीन पाएगी, बल्कि असली खतरा उन लोगों के लिए है जो नई चीजें सीखने से इनकार करते हैं। उन्होंने कहा कि नई प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने से कार्यों का विभाजन होगा। चंडोक ने कहा, हमारी पीढ़ी आखिरी है जो स्थिर और लंबी अवधि वाले करियर का आनंद लेगी।

माइक्रोसॉफ्ट एआई टूर के दौरान अपने संबोधन में चंडोक ने कहा, ₹क्या एआई नौकरियां छीन लेगा? मेरा मानना है कि नहीं। एआई नौकरियां नहीं छीन पाएगा। यह नौकरियों का विश्लेषण करेगा और उन्हें अलग-अलग हिस्सों में बांट देगा।

बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 450 अंक उछला, निफ्टी 26,000 पार

मुंबई, (भाषा) सकारात्मक वैश्विक संकेतों और धातु शेयरों में लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन चढ़कर बंद हुआ। सेंसेक्स में 449 अंकों की तेजी रही जबकि निफ्टी एक बार फिर 26,000 के स्तर के पार पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 449.53 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,267.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.69 अंक चढ़कर 85,320.82 तक पहुंच गया था।

एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी 148.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत मजबूत होकर 26,046.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति और भारती एयरटेल के शेयर चढ़कर बंद हुए। दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में कटौती किए जाने के बाद वैश्विक निवेशकों की जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इससे रुपये में गिरावट जारी रहने और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद तरलता में सुधार की उम्मीद बनी और घरेलू बाजारों को सहारा मिला। नायर ने कहा कि व्यापक बाजार सूचकांकों में हाल की गिरावट के बाद एक बार फिर खरीदारी की प्रवृत्ति देखी जा रही है। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 1.14 प्रतिशत उछल गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 0.65 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड में सर्वाधिक 2.58 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ जिंस खंड में 1.84 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.47 प्रतिशत और सेवा खंड में 1.34 प्रतिशत की बढ़त रही। सिर्फ एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान) खंड में गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,593 शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,593 शेयरों में गिरावट रही और 170 अन्य अपरिवर्तित रहे।

नालंदा का राजगीर: ब्रह्मकुंड से जरासंध अखाड़ा तक इतिहास की जीवंत यात्रा

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

बिहार के नालंदा जनपद में राजगीर आकर्षक पर्यटन स्थल है। महाभारत कालीन स्थल भी यहां है। ब्रह्मकुंड, जरासंध का अखाड़ा और शिव मंदिर ऊंची पहाड़ी पर स्थित हैं। पहले ब्रह्म कुंड है। यहां गर्म पानी का निरंतर प्रवाह होता है। इसके बाद सैकड़ों सीढ़ी के बाद जरासंध का अखाड़ा है। जरासंध ने निन्यानबे राजाओं को कैद कर लिया था। भगवान श्री कृष्ण के कहने पर भीम ने जरासंध से युद्ध किया था। भीम ने ही जरासंध का वध किया था। इस स्थल के भी बहुत ऊंचाई पर पर्वत शिखर पर सोमनाथ सिद्धनाथ महादेव मंदिर है। इसकी स्थापना जरासंध ने की थी। बृहद्रथ के बाद उनके पुत्र जरासंध मगध के सम्राट बने थे।

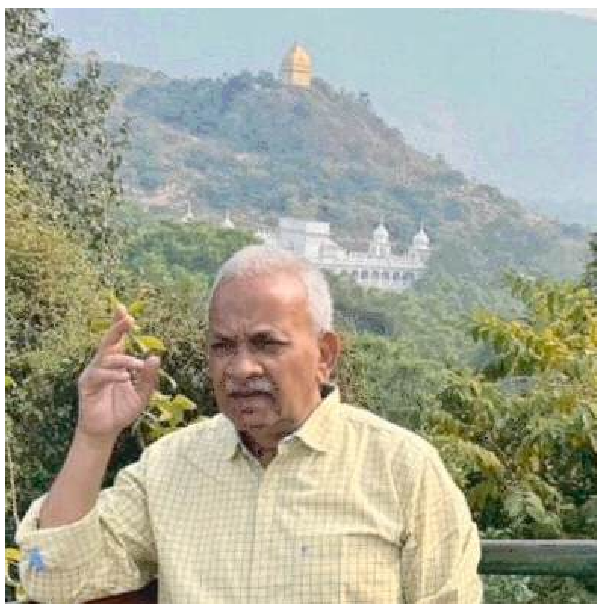

अंबेडकर अकादमी ने स्थापित किए सफलता के नये कीर्तिमान

50 छात्रों में 24 ने प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर मुख्य परीक्षा में किया प्रवेश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गाजियाबाद, हाल ही में आयोजित उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उ.प्र. सिविल सेवा परीक्षा (प्रारंभिक) -2025 के घोषित परिणामों में मिशन पे बैंक टू सोसाइटी गाजियाबाद द्वारा संचालित आवासीय बाबा साहेब अंबेडकर अकादमी मसौता साजियाबाद, के प्रतिभागी छात्रों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। इस संस्थान में अध्ध्यनरत ५० छात्रों में से २४ प्रतिभागियों ने प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर मुख्य परीक्षा के लिए अहर्ता हासिल की।

मिशन पे बैक टू सोसाइटी के चेयरमैन पूर्व ब्यूरोक्रेट जे सी. आदर्श ने बताया की इस संस्थान की स्थापना 25 दिसंबर 2015 को बाबा साहेब अंबेडकर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर वंचित समाज को अपना योगदान प्रदान करने के कर्तव्यों के तहत समाज के कुछ गणमान्य साथियों के साथ की थी। अब तक इस अकादमी से लगभग 119 से अधिक प्रतिभागी विभिन्न सरकार सेवाओं में परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की सेवा कर रहें हैं।

समिति के वरिष्ठ सदस्य भगवान सिंह ने अकैडमी के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए परिसर की सुविधाओं के विषय में बताते हुए बताया की संस्थान द्वारा मसौता स्थित अंबेडकर अकादमी के साथ विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में 4 केंद्र संचालित किए जा रहे हैं इनमें मसौता स्थित अकादमी में वर्तमान में 50 अभ्यर्थियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध है। लगभग 1.5 एकड़ वर्ग क्षेत्र में फैली इस अकादमी का रखरखाव और पुष्प वृक्ष की हरीतिमा से सज्जित सुंदर परिसर के शांत वातावरण में अध्ययन हेतु प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराती है। संस्थान में छात्रों का प्रवेश, संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर कमजोर सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के बहुजन विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर चयन किया जाता है। अकादमी में प्रवेश उपरांत उन्हें अनुशासित तरीके से व्यक्तित्व विकास के साथ योग्य संकाय के मार्गदर्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।

संस्थान के प्रशासनिक प्रभारी ओमवीर सिंह ने बताया चयनित प्रतिभागियों को आवास के साथ-साथ अच्छी फैकल्टी द्वारा दिशा निर्देश प्रदान किए जाते हैं। यह उल्लेखनीय है कि यहाँ पर आवास एवं फैकल्टी द्वारा कोचिंग की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाती साथ ही आधुनिक डिजिटल पुस्तकालय एवं निर्वाध चौबीस घंटे इंटरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। आदर्शजी के नेतृत्व में हमारे समिति के सदस्यों विशेषकर हुकुम सिंह, डा. राजकुमार, डालचंद, देवमणि भारतीय, डा. बी बी सिंह, उदय प्रकाश, हा प्रमोद कुमार मेहरा, हा बी बी सागर प्रो. रामचंद्र, आर के देव, जे पी सिंह आर पी सिंह इत्यादि बहुत से सरकारी सेवारत एवं सेवा निवृत्त अधिकारियों तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े बुद्धिजीवी वर्ग का तन मन धन से सक्रिय सहयोग मिल रहा हैं। चुके हैं। उन्होनें आशातीत सफलता का सारा श्रेय अपने साथी समिति के सदस्यों यहाँ की फैकल्टी के कठोर परिश्रम, सहायक स्टाफ एवं विद्यार्थियों की लगन को दिया ।

फैकल्टी के रूप में सेवा निवृत्त वरिष्ठ आई आर एस अधिकारी आरिफ गौरी, अन्य फैकल्टी के रूप में के आर सुमन एवं सत्येन्द्र कुमार है। डा. अंबेडकर अकादमी वर्तमान समय में वांछित वर्ग के लिए, समाज के प्रबुद्ध वर्ग द्वारा किए गए सफल प्रयासों का एक उत्तम उदाहरण हैं। अकादमी के चेयरमैन जे सी आदर्श ने परीक्षा परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए अपने समिति सदस्यों, फैकल्टी के सदस्यों और समिति को सहायता और समर्थन देने वाले सामाजिक सरोकारों से जुड़े सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा हमारा उद्देश्य शिक्षा फैलायें चहूँ ओर चलों गाँव की ओर के आधार पर अधिक से अधिक सिक्षा का प्रसार कप समाज को सशक्त बनाना है।

सोयाबीन तिलहन में सुधार, सोयाबीन तेल में गिरावट

नयी दिल्ली, (भाषा) कमजोर हाजिर दाम के कारण किसानों की कम बिकवाली से एक ओर जहां सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार दिखा वहीं आयातकों की लागत से कम दाम पर सोयाबीन डीगम तेल की बिकवाली करने से सोयाबीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों के अनुसार, बिकवाल होने के बावजूद बाजार में सुस्त कामकाज के बीच लिवाली कमजोर रहने से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। मलेशिया एक्सचेंज में दोपहर गिरावट का रुख था और शिकागो एक्सचेंज में भी मामूली गिरावट है।

सूत्रों ने कहा कि आयातक बैंकों का भुगतान करने के लिए आयात की लागत से छह से सात प्रतिशत नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम की बिक्री कर रहे हैं। इस वजह से सभी तेल-तिलहन कीमतों पर दवाब है। इस कारण सोयाबीन तेलों के दाम में गिरावट रही। उन्होंने कहा कि हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी कम होने के कारण किसानों की बिकवाली घटी है। आवक की इस कमी के बीच सोयाबीन तिलहन के दाम में पिछले बंद भाव से सुधार तो आया है। लेकिन इसका दाम अभी भी एमएसपी से काफी कम (18-20 प्रतिशत नीचे) बना हुआ है।

न्यायालय ने मुनंबम भूमि मामले में केरल उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि मुनंबम की जमीन को वक्फ घोषित करना ''केरल वक्फ बोर्ड की जमीन हड़पने की रणनीति'' है।

उच्चतम न्यायालय ने विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

हालांकि, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने विवादित क्षेत्र के स्वामित्व का पता लगाने के लिए एक जांच आयोग की नियुक्ति के सरकारी आदेश को बरकरार रखने वाले उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक नहीं लगाई है। यह विवाद एर्णाकुलम जिले के चेराई और मुनंबम गांवों से संबंधित है, जहां के निवासियों ने आरोप लगाया है कि वक्फ बोर्ड उनके पंजीकृत दस्तावेजों और भूमि कर भुगतान रसीदों के बावजूद अवैध रूप से उनकी जमीन और संपत्तियों पर दावा कर रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने केरल सरकार को नोटिस जारी कर मुनंबम में स्थित 404 एकड़ भूमि पर उच्च न्यायालय के 10 अक्टूबर के आदेश को चुनौती देने वाली केरल वक्फ संरक्षण वेदी की याचिका पर सरकार से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि उच्च न्यायालय ने वक्फ न्यायाधिकरण द्वारा

निपटाए जाने वाले मुद्दों में हस्तक्षेप करके गलत टिप्पणियां की हैं, और वक्फ विलेख की वैधता पर टिप्पणी अनुचित थी क्योंकि यह मुद्दा विचाराधीन नहीं था। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष मामला राज्य द्वारा वक्फ विलेख की वैधता और भूमि की प्रकृति की पड़ताल के लिए गठित जांच आयोग को चुनौती है, ये दोनों मुद्दे पूरी तरह से वक्फ न्यायाधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

केरल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि संबंधित वक्फ के मुतवल्ली ने न तो उच्च न्यायालय का रुख किया और न ही जांच आयोग के गठन से उन्हें कोई आपत्ति है। उन्होंने कहा कि जांच आयोग पहले ही राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप चुका है। अहमदी ने कहा कि वक्फ के मुतवल्ली ने विपक्षी पक्षों (स्थानीय निवासियों) का साथ दिया है।

स्थानीय निवासियों की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि ये लोग गरीब मछुआरे हैं और जांच आयोग को चुनौती देना निरर्थक हो गया है क्योंकि रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी गई है।

उन्होंने कहा कि इन गरीब स्थानीय लोगों की बात कभी नहीं सुनी गई और 2019 में अचानक उनकी संपत्तियों को वक्फ घोषित कर दिया गया।

अन्य स्थानीय निवासियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने कहा कि पहले से ही एक दीवानी अदालत का फैसला है जिसमें कहा गया है कि यह जमीन वक्फ भूमि नहीं है।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय भूमि के स्वरूप के प्रश्न पर विचार करने के लिए उपयुक्त मंच नहीं है, क्योंकि मामला न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि उच्च न्यायालय ने अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर कार्य किया है।'' न्यायमूर्ति भुइयां ने पूछा कि क्या इन मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए उच्च न्यायालय उपयुक्त मंच है? पीठ ने 27 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए नोटिस जारी किया। पीठ ने संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का भी आदेश दिया।

मंत्रिमंडल ने परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी को अनुमति देने संबंधी प्रस्तावित विधेयक पर अपनी मुहर लगा दी। इसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को पूरा करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'शांति' (सस्टेनबल हारनेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक को मंजूरी दी गयी । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में अपने बजट भाषण में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोलने की योजनाओं की घोषणा की थी। सीतारामण ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ परमाणु ऊर्जा मिशन की भी घोषणा की, और 2033 तक स्वदेश में ही विकसित पांच एसएमआर को परिचालन में लाने का लक्ष्य रखा है।

ठाकुर ने सदन में ई-सिगरेट पीने के लिए तृणमूल सांसद के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखित शिकायत सौंपकर सदन के अंदर कथित तौर पर ई-सिगरेट पीने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ठाकुर ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में तृणमूल सांसद का नाम लिये बिना यह मुद्दा उठाया था।

अपनी शिकायत में भाजपा सांसद ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद को सदन की कार्यवाही के दौरान खुलेआम इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।''

उन्होंने यह भी कहा कि सदन में मौजूद कई सदस्यों को यह कृत्य ''स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था''।

ठाकुर ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के ''पवित्र स्थान'' लोकसभा कक्ष के भीतर प्रतिबंधित पदार्थ और निषिद्ध उपकरण का ''खुलेआम उपयोग'' न केवल

संसदीय मर्यादा और अनुशासन का घोर उल्लंघन है, बल्कि संसद द्वारा बनाये गये कानूनों के तहत एक संज्ञेय अपराध भी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सरकार और संसद ने तंबाकू और निकोटीन उत्पादों के सभी रूपों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है, इस तरह का आचरण न केवल सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि एक बेहद गलत मिसाल कायम करता है और देश के युवाओं को एक खतरनाक संदेश देता है।

भाजपा सांसद ने अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में कहा, ''इसलिए, मैं आपसे विनम्र निवेदन करता हूं कि वह नियमों और कानून के इस गंभीर उल्लंघन का तत्काल संज्ञान लें एवं सदन की उचित समिति या प्रणाली के माध्यम से घटना की जांच का निर्देश दें।''

उन्होंने बिरला से लोकसभा की कार्य प्रक्रिया एवं संचालन नियमों के अनुसार संबंधित सदस्य के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का भी आग्रह किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अध्यक्ष से अनुरोध किया, ''कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और इसे रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए, ताकि सदन की गरिमा और मर्यादा बनी रहे।''

बिरला ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में ठाकुर द्वारा यह मुद्दा उठाने पर कहा था कि यदि इस मामले में लिखित शिकायत दर्ज की जाती है, तो वह कार्रवाई करेंगे।

देश में कुछ साल पहले ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 1984 के सिख विरोधी दंगे के पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के 36 सदस्यों को शुक्रवार को नियुक्ति पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि हालांकि कोई भी सरकारी सहायता पीड़ितों के आघात को मिटा नहीं सकती, फिर भी उनका प्रशासन उन्हें सम्मान और न्याय के साथ सहायता प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद थे।

गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए 1984 में हिंसा से जुड़ी अपने बचपन की यादों को साझा किया। गुप्ता ने कहा, ''जब 1984 में दंगे हुए थे, तब मैं लगभग 10 साल की थी। हर कोई डरा हुआ था। लोग अपनी पहचान छिपा रहे थे। हम सबने वो भयानक दृश्य देखे हैं।''

गुप्ता ने कहा कि उन दृश्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, ''कोई भी सहायता उन दिनों के

दर्द को पूरी तरह से कम नहीं कर सकती, लेकिन सरकार को पीड़ितों के साथ खड़ा होना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने दंगों से संबंधित कानूनी कार्यवाही में हुई प्रगति का श्रेय केंद्र सरकार को दिया। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एसआईटी गठित किए जाने के बाद ही मामले दोबारा खुले और दोषियों को जेल भेजा जाने लगा।''

गुप्ता ने कहा कि वह खुद को पीड़ितों को उनका हक दिलाने में मदद करने वाला एक माध्यम मात्र मानती हैं। उन्होंने कहा, '' हम सिर्फ दिल्ली के उन परिवारों के दर्द को कम करना चाहते हैं, जो लंबे समय से इस दर्द को झेल रहे हैं। हम इन परिवारों के लिए पूरी ईमानदारी से काम करना चाहते हैं।''

सिरसा ने काफी समय से लंबित पुनर्वास उपायों को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि पीड़ित परिवारों ने 1984 के दंगों का दर्द दशकों तक सहा है, और यह कदम कुछ हद तक उनके घावों पर मरहम लगाने का काम करेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अनुपयोगी हो चुके 71 कानूनों को निरस्त करने की मंजूरी दी

नयी दिसंबर, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उन 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी जिनकी उपयोगिता कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। अधिकारियों ने बताया कि निरस्त किए जाने वाले प्रस्तावित कानूनों में से कम से कम एक कानून ब्रिटिश काल का है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों को रद्द करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है जिनकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया, ''संसद द्वारा संशोधन पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाहित हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनावश्यक बोझ डालता है।'' अब तक 1,562 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया जा चुका है।

करूर भगदड़ : न्यायालय का जांच आयोग को निलंबित करने के आदेश में संशोधन से इनकार

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय आयोग और एसआईटी को निलंबित करने संबंधी अपने आदेश में शुक्रवार को संशोधन करने से इनकार कर दिया जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी।

शीर्ष अदालत ने इसी के साथ तमिलनाडु सरकार की ओर से इस संबंध में दाखिल याचिका को खारिज करते हुए कहा, ''हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो।'' न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा दायर रिपोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ''उच्च न्यायालय में कुछ गड़बड़ चल रही है। उच्च न्यायालय में जो हो रहा है वह सही नहीं है।''

शीर्ष अदालत ने 13 अक्टूबर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करूर भगदड़ की जांच कराने का आदेश दिया। भगदड़ की घटना 27 सितंबर को अभिनेता-राजनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली के दौरान हुई थी। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि इस घटना ने राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया है और निष्पक्ष और तटस्थ जांच की हकदार है।

टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच का अनुरोध करते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष

अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया और इसकी निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया। इसी के साथ विशेष जांच टीम (एसआईटी) और एक सदस्यीय जांच आयोग की नियुक्ति के निर्देशों को निलंबित कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार की भी आलोचना की थी, जिन्होंने घटना से संबंधित याचिकाओं पर विचार किया, एसआईटी जांच का आदेश दिया और टीवीके और उसके सदस्यों को मामले में पक्षकार बनाए बिना उनके खिलाफ टिप्पणियां कीं।

न्यायालय ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने कहा कि राज्य की ओर से गठित आयोग सीबीआई जांच में हस्तक्षेप नहीं करेगा और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सिफारिशें देने तक ही सीमित रहेगा।

पीठ ने विल्सन को आयोग की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना का अवलोकर करने का निर्देश देते हुए कहा, ''हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो।''

पीठ ने याचिका पर कोई नोटिस जारी नहीं किया और न ही 13 अक्टूबर के अपने अंतरिम आदेश को रद्द किया। न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा कि उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल ने एक रिपोर्ट दाखिल की है और टिप्पणी की है, ''उच्च न्यायालय में कुछ गड़बड़ चल रही है। उच्च न्यायालय में जो हो रहा है वह सही नहीं है। हमने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट देखी है। हम इस पर कार्रवाई करेंगे।''

पीठ ने कहा कि उसने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा भेजी गई उस रिपोर्ट का अवलोकन किया है जिसमें बताया गया है कि जनसभाओं के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुरोध करने वाली एक रिट याचिका को आपराधिक रिट याचिका के रूप में कैसे पंजीकृत किया गया था।

विल्सन और राज्य की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट की एक प्रति मुहैया कराने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहेंगे।

दिल्ली पुलिस ने 11 साल से फरार हत्या के आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने हत्या के एक मामले में 11 वर्षों से फरार एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, कई राज्यों में समन्वित छापेमारी के बाद आरोपी लखन सिंह (43) को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ा गया।

उन्होंने बताया, ''वह रनहोला थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में लंबे समय से फरार था।''

पुलिस ने कहा कि लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान एक टीम ने रनहोला में हुई हत्या के इस अनसुलझे मामले पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें सिंह एक दशक से अधिक समय से फरार था।

अधिकारियों ने कहा, ''21 नवंबर 2014 को खेड़ी बाबा पुल के पास नाले के किनारे 40-45 वर्ष के एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था, जिसके चेहरे, सिर के पिछले हिस्से और शरीर पर गंभीर चोटें थीं। बाद में उसकी पहचान राकेश के रूप में

हुई।'' जांच के दौरान लखन सिंह का नाम मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया, लेकिन हत्या के तुरंत बाद वह कथित तौर पर फरार हो गया और वर्षों तक उसका कोई सुराग नहीं मिला।

पुलिस को बाद में सूचना मिली कि सिंह उत्तर प्रदेश में छिपा हुआ है।

इसके बाद 10 दिसंबर को कासगंज में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि 28 सितंबर 2015 को एक स्थानीय अदालत ने सिंह को 'भगोड़ा अपराधी' घोषित किया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए वह 11 साल तक राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच स्थान बदलता रहा।

विचाराधीन मामलों में आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से कोई फर्क नहीं पड़ता: न्यायालय

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि खासतौर पर विचाराधीन मामलों पर आधे-अधूरे सच और अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से जनता की सोच प्रभावित होती है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह मामलों की रिपोर्टिंग से प्रभावित नहीं होता और किसी प्रचार या कोई विमर्श बनाए जाने से न्यायालय को कोई फर्क नहीं पड़ता। शीर्ष अदालत ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कुछ लोगों को बांग्लादेश प्रत्यर्पित किए जाने में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं होने का आरोप लगा है।

सुनवाई के दौरान अदालत को जानकारी दी गई कि गर्भवती महिला सुनाली खातून और उसका आठ साल का बेटा भारत लौट आए हैं। फिलहाल दोनों को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में खातून के पिता के घर पर चिकित्सा सुविधा मिल रही है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत,

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार की अपील पर सुनवाई के लिए छह जनवरी की तारीख तय की।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कुछ व्यक्तियों को बांग्लादेश भेजे जाने के मामले में उचित प्रक्रिया न अपनाए जाने के आरोप लगने के बाद उन्हें भारत वापस लाने का निर्देश दिया था।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मुद्दे पर एक अंग्रेज़ी समाचार पत्र में प्रकाशित खबर पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, ''मैं इसे तूल नहीं देना चाहतालेकिन मुझे लगता है कि किसी खास तरह का विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है,'' ताकि मामले के नतीजे को प्रभावित किया जा सके। मेहता ने कहा कि उन्हें यकीन है कि अदालत ऐसी किसी भी खबर से प्रभावित नहीं होगी, लेकिन इससे यह संदेह पैदा होता है कि किसी खास तरह का विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, ''हम पूरी तरह से प्रचार और दिखावटी प्रचार से मुक्त हैं। किसी भी विमर्श या दृष्टिकोण का व्यक्तियों के जीवन पर असर नहीं पड़ना चाहिए।''

प्रधान न्यायाधीश ने मेहता को इन चीजों को नजरअंदाज करने की सलाह देते हुए कहा, ''विचाराधीन मामलों पर अधूरी और गलत जानकारी पर आधारित टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि आधे-अधूरे और तोड़ मरोड़कर तथ्य पेश किए जा रहे हैं।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह बताना ठीक है कि किसी मामले की सुनवाई होने वाली है। लेकिन यदि आप अपनी राय जबरदस्ती थोपते हैं, तो यह समस्या है। असली समस्या यह है कि आधा-अधूरा सच और गलत जानकारी पर आधारित राय जनता की सोच को प्रभावित करती है।''

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हाल के समय में ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में मीडिया की भूमिका का उल्लेख किया और कहा कि प्रवासन के मुद्दे पर दुनियाभर में चर्चा हो रही है, और इस पर सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर टिप्पणियां और सार्वजनिक चर्चा होती रहती है। सिब्बल ने कहा, ''लोग अमेरिका और ब्रिटेन में प्रवासन पर अपनी राय लिखते हैं। जब तक आपके इरादे जाहिर नहीं हो जाते, यह आपत्तिजनक नहीं माना जाता।''

दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी के लिए ऐप तैयार करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के कई मामलों में इस्तेमाल किए गए 'रिमोट-एक्सेस' मोबाइल एप्लिकेशन को कथित तौर पर तैयार करने और ठगों को उपलब्ध कराने वाले एक व्यक्ति को झारखंड के जामताड़ा इलाके से हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, उमेश कुमार राजक (26) को पांच दिसंबर को देवघर से हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई दिल्ली के एक निवासी से 1.2 लाख रुपये की साइबर ठगी की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच के आधार पर की गई।

पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वाल्सन ने बताया, ''मिंटो रोड निवासी शिकायतकर्ता को 29 जुलाई को एक व्यक्ति ने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताकर फोन किया और चेतावनी दी कि उसका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। इसके बाद उसने 'कस्टमर सपोर्ट' नाम की एक एपीके फाइल भेजकर उसे फोन में इंस्टॉल करने को कहा।'' डीसीपी के अनुसार, फाइल इंस्टॉल होने के बाद ठगों ने पीड़ित के मोबाइल फोन का 'रिमोट एक्सेस' हासिल कर लिया, जिससे उन्होंने डिजिटल भुगतान ऐप के माध्यम से पीड़ित के खाते से रुपये अंतरित कर लिये। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच में पता चला कि यह ऐप एक एफयूडी (पूरी तरह से पता न चलने वाला) 'कस्टमर सपोर्ट' एपीके था। यह ऐसा ऐप है जिसे साइबर अपराधी सुरक्षा जांच से बचने और मोबाइल फोन पर पूरा नियंत्रण पाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। पुलिस ने बताया कि जामताड़ा निवासी राजक विभिन्न क्षेत्रों के ठगों को यह ऐप करीब 15,000 रुपये प्रति फाइल की दर से उपलब्ध कराता था।

दिल्ली सरकार ने निजी विद्यालयों की फीस के विनियमन का नया कानून अधिसूचित किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार ने दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 अधिसूचित करते हुए निजी विद्यालयों में शुल्क विनियमन के लिए एक नयी व्यवस्था लागू की है।

विधानसभा से पारित होने के चार महीने बाद इस कानून को उपराज्यपाल वी के सक्सेना की मंजूरी के बाद बुधवार को अधिसूचित किया गया। इस अधिनियम में अनुमत शुल्क मदों एवं लेखांकन प्रथाओं पर विस्तृत प्रावधान हैं और अतिरिक्त शुल्कों पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह कानून 'कैपिटेशन फीस' और कानून के तहत अनुमोदित राशि से अधिक किसी भी प्रकार के शुल्क के संग्रह पर भी रोक लगाता है।

अधिसूचना में कहा गया है कि स्कूलों को शुल्क के घटकों को स्पष्ट रूप से प्रकट करना होगा और प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग-अलग खाते बनाए रखने होंगे।

इस अधिनियम के तहत, निजी गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों को केवल पंजीकरण, प्रवेश शुल्क, शिक्षण शुल्क, वार्षिक शुल्क और विकास शुल्क जैसे विशिष्ट मदों के तहत मदवार शुल्क लगाने की अनुमति होगी।

पंजीकरण शुल्क 25 रुपये, प्रवेश शुल्क 200 रुपये और सुरक्षा जमा राशि 500 रुपये निर्धारित की गई है, जो ब्याज के साथ वापसी योग्य होगी। विकास शुल्क वार्षिक ट्यूशन शुल्क के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। कानून में यह भी अनिवार्य है कि उपयोगकर्ता-आधारित सभी सेवा शुल्क सख्ती से लाभ-हानि रहित आधार पर ही लिये जाने चाहिए। ये शुल्क उन विद्यार्थियों पर नहीं लगाए जा सकते जो सेवा का उपयोग नहीं करते हैं।

अधिनियम में स्पष्ट रूप से अनुमत न किया गया कोई भी शुल्क 'अनुचित शुल्क मांग' माना जाएगा। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 'कैपिटेशन फीस' लेना सख्त रुप से निषिद्ध है। अधिनियम के तहत विद्यालयों को पारदर्शी लेखा मानकों का पालन करना होगा, अचल संपत्तियों की पंजी बनाए रखना होगा और कर्मचारियों के लाभों के लिए उचित प्रावधान सुनिश्चित करना होगा।

इसमें कहा गया है कि विद्यार्थियों से एकत्रित किसी भी धनराशि को विद्यालय की प्रबंध समिति या ट्रस्ट समेत किसी अन्य कानूनी संस्था को हस्तांतरित करना भी प्रतिबंधित है। अधिशेष धनराशि या तो वापस की जानी चाहिए या भविष्य के शुल्कों में समायोजित की जानी चाहिए।

देश में मिला बुनियादी ढांचे के विस्तार से आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा : शेखावत

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में सड़कों और अन्य यात्रा संबंधी बुनियादी ढांचे के विस्तार ने आध्यात्मिक पर्यटन को ''बढ़ावा'' दिया है।

शेखावत ने अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दशक में चार लेन वाली सड़कों और अन्य राजमार्गों की लंबाई में हुई वृद्धि से संबंधित कुछ आंकड़े भी साझा किए।

संस्कृति और पर्यटन मंत्रालयों का प्रभार संभाल रहे शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में चार लेन वाले एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई ''18,000 किलोमीटर से थोड़ी अधिक'' थी। उन्होंने कहा, ''आज हम गर्व से कह सकते हैं कि एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई ढाई गुना बढ़ गयी है और यह लगभग 48,200 किलोमीटर तक फैल गया है।''

मंत्री ने कहा कि इस अवधि में 'हाई-स्पीड कॉरिडोर' के नेटवर्क में 8.5 गुना वृद्धि हुई है।

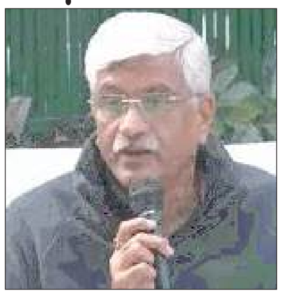

शेखावत ने कहा कि सड़क अवसंरचना में वृद्धि और अन्य यात्रा संबंधी अवसंरचनाओं के संवर्धन ने आध्यात्मिक पर्यटन को ''बढ़ावा'' दिया है। उन्होंने देश के प्रमुख तीर्थस्थलों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों के निर्माण और विस्तार का जिक्र किया।

शेखावत ने चार धाम यात्रा, पंचकोसी यात्रा का भी जिक्र किया और बताया कि सड़क अवसंरचना में सुधार से अधिक लोगों को यात्रा करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात के बेट द्वारका में स्थित सुदर्शन सेतु ने संपर्क को बेहतर बना दिया है।

रोड़वेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मंडी धनौरा। ड्यूटी कर घर लौट रहे बाईक सवार युवक की बस से टक्कर हो गई। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। निकटवर्ती जनपद बिजनौर के थाना हीमपुर दीपा के गांव झाल निवासी गौरव कुमार पुत्र सूबे सिंह उम्र करीब 24 वर्ष गजरौला की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। शुक्रवार को गौरव अपनी बाईक पर सवार होकर फैक्ट्री से ड्यूटी कर अपने घर वापस लौट रहा था। जैसे ही गौरव की बाईक थाना क्षेत्र के गांव पत्थरकुटी के पास पहुंची तो चांदपुर दिशा की और से आ रही तेज रफ्तार रोड़वेज बस ने उसकी बाईक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गौरव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर मारकर रोड़वेज बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। और बस में आपके कब्जे में लेकर युवक के शव को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले आई। वहीं युवक की मौत की सूचना पाकर उसके परिजन भी रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है। मृतक युवक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

हीरा इंटरनेशनल स्कूल भविष्य उन्मुख शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

धनौरा। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क संस्था द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित आईसीओएसए कॉन्क्लेव 2025 में हीरा इंटरनेशनल स्कूल को भविष्य उन्मुख शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान विद्यालय द्वारा आधुनिक शिक्षा मॉडल, तकनीकी उन्नयन और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देता है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कपिल कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लेकर यह सम्मान प्राप्त किया।

इस भव्य आयोजन में देशभर से आए शिक्षाविदों, नीति निमार्ताओं, स्कूल प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार, आधुनिक कौशल विकास और भविष्य उन्मुख शिक्षण को प्रोत्साहित करना था। समारोह में कुल 85 विद्यालयों, प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन, उन्नत शिक्षण वातावरण, बेहतर सीखने के परिणाम तथा नई तकनीकों को अपनाने में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने शिक्षा क्षेत्र में बदलते वैश्विक परिवेश, डिजिटल लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल-आधारित शिक्षा और छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने जैसे विषयों पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा को नवाचार, तकनीक और वास्तविक जीवन कौशल के साथ जोड़ने से ही नए युग की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है।

हीरा इंटरनेशनल स्कूल को मिला यह सम्मान विद्यालय के निरंतर प्रगतिशील प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण कुमार अग्रवाल और प्रबंधक सुबोध कुमार गुप्ता ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे विद्यालय परिवार की एकजुटता और समर्पण की देन है। प्रधानाचार्य भगवान सिंह, शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने प्रबंधन को बधाई देते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति और उत्कृष्टता की कामना की।

रहपुरा रोड पर कलेक्शन एजेंटों से लूट का खुलासा, चार अभियुक्त गिरफ्तार

नकदी-टैबलेट व असलहा बरामद चार दिन के अंदर पुलिस ने किया घटना का खुलासा

नेशनल एक्सप्रेस/ब्यूरो पवन त्रिपाठी

बरेली। थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में 8 दिसंबर 2025 को हुई कलेक्शन एजेंटों से बड़ी लूट का पुलिस ने 12 दिसंबर को खुलासा कर दिया। गिरफ्तार चार अभियुक्तों के कब्जे से 80,000 रुपये नकद, एक सैमसंग टैबलेट, एक देशी तमंचा (315 बोर), दो जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

घटना के विवरण के अनुसार पीड़ित लालाराम पुत्र प्रेमराज निवासी ग्राम हरदुआ थाना मिलक (रामपुर) अपने साथी सुनील कुमार के साथ समूह लोन कलेक्शन कर रहे थे। शाम करीब 5:45 बजे सृजन स्कूल से लगभग 200 मीटर आगे रहपुरा रोड पर पीछे से आई दो अज्ञात मोटरसाइकिलों पर सवार बदमाशों ने हमला कर उनका बैग छीन लिया। बैग में करीब 1,20,000 रुपये, दो मोबाइल और एक सैमसंग टैबलेट रखे थे। घटना के बाद थाना फतेहगंज पश्चिमी में मामला पंजीकृत कराया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम ने 12 दिसंबर को दोपहर 1 बजे रहपुरा अंडरपास के पास रबर फैक्ट्री के मैदान से चार अभियुक्तों को दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम हैं – अंकित पुत्र नेत्रपाल (रफियाबाद), रन सिंह पुत्र डालचंद (रहपुरा जागीर), गोविंद उर्फ. जहरीला पुत्र दयाराम (रहपुरा जागीर) और मोनू पुत्र हरपाल (रहपुरा जागीर)। मौके से एक अदद मोटरसाइकिल भी बरामद की गई।

कठोर पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 08.12.2025 को अपने साथियों अजय गंगवार व भूपेंद्र गुर्जर के साथ मिलकर उक्त लूट को अंजाम दिया था। मोनू व सुमित (पुत्र नामालूम) ने कलेक्शन एजेंटों की सूचना अजय व उवैश को दी थी; गोविंद ने रैकी की और बाकी अभियुक्तों ने लूट को अंजाम दिया।

आरोपियों ने यह भी बताया कि लूट का बँटवारा किया गया – अंकित को 18,000, गोविंद को ?12,000, रन सिंह को ?15,000, उवैश को ?20,000, मोनू को ?5,000 और भूपेंद्र को 7,000 दिए गए। शेष रकम व एक मोबाइल अजय ने अपने पास रखा था। अभियुक्तों ने कहा कि वे आत्मरक्षा के लिये तमंचा व कारतूस साथ रखते थे।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है।

अखिल भारत महासभा ने मद्रास हाई कोर्ट के जज के समर्थन में कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। अखिल भारत महासभा के मंडल उपाध्यक्ष पंकज पाठक के नेतृत्व में संगठन के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहाँ उन्होंने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट के जज जी. आर. स्वामीनाथन द्वारा भगवान मुरुगन (शिव) के प्राचीन मंदिर में जोत जलाने तथा संबंधित स्थल को मंदिर की संपत्ति घोषित करने के आदेश का स्वागत किया गया। पंकज पाठक ने कहा कि इस निर्णय के बाद कर्नाटक सरकार और कुछ सांसदों द्वारा जज स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग लाने हेतु लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र सौंपा गया है, जो सनातन विरोधी और संविधान विरोधी कदम है।

महासभा का कहना है कि जज स्वामीनाथन ने अपने न्यायिक कार्यों में कोई त्रुटि नहीं की है तथा उनका निर्णय पूर्णतः विधि और न्याय के अनुरूप है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि महाभियोग की पहल न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है और यह संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।

संगठन ने मांग की है कि कर्नाटक सरकार महाभियोग प्रस्ताव को तत्काल वापस ले तथा जज स्वामीनाथन के खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई न की जाए। साथ ही केंद्र सरकार से न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप रोकने की अपील की गई।

ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से सरकार को भेजने व आवश्यक कार्रवाई करने की मांग भी की गई।

रफ्तार का कहर: मोटर साइकिल सवार का कॉल बनी एम्बुलेंस

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली।थाना फरीदपुर क्षेत्र के गांव नगरिया विक्रम निवासी 35 वर्षीय छोटेलालकी सड़क हादसे में मौत हो गई।

मृतक के बहनोई दर्शनलाल ने बताया कि 6 दिसंबर को छोटेलाल अपनी बहन कमला के घर नगरिया कला जा रहे थे। इसी दौरान नैनीताल रोड, सेकंड फायर स्कूल के सामने तेज रफ्तार में आ रही एक एम्बुलेंस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही छोटेलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बीती रात उनकी मृत्यु हो गई। अचानक मिली मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और टक्कर मारने वाली एम्बुलेंस को भी सीज कर लिया। चालक की तलाश के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। मृतक की पत्नी ओमबत्ती का रो-रोकर बुरा हाल है। छोटेलाल अपने पीछे पांच बच्चों को छोड़ गए। परिवार के अनुसार, वे टेम्पो (टुकटुक) चलाकर घर का पालन-पोषण करते थे।

बरेली में मंदिर-दरगाह श्री बाबा पीर रतननाथ जी को बचाने की अपील

- सेवादारों ने मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन मंत्री व सांसद को सौंपा

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। मंदिर दरगाह श्री बावापीर स्तननाथ जी संस्था से जुड़े सेवादारों ने सोमवार (8 दिसंबर) को उत्तर प्रदेश सरकार के वन राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार और सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार को शहदाना कॉलोनी स्थित मंदिर-दरगाह श्री बाबा पीर रतननाथ जी पेशावर वाले को बचाने के लिए करुण अपील के साथ ज्ञापन सौंपा।

सेवादारों ने बताया कि यह स्थान आदि गुरु गोरखनाथ जी के परम शिष्य श्री श्री 1008 बाबा पीर रतननाथ जी महाराज से जुड़ा हुआ सनातन धर्म का प्राचीन पौराणिक स्थल है, जिसकी स्थापना झंडेवालान, नई दिल्ली में हिंदू रीति-रिवाज के साथ की गई थी।

1365 वर्ष पुरानी परंपरा, काबुल से दिल्ली तक की यात्रा: संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि लगभग 1365 वर्ष पूर्व नेपाल के दांग देश (वर्तमान रतनपुर मठ) में राजा परीक्षित के पुत्र आदि गुरु गोरक्षनाथ जी के परम शिष्य बाबा पीर रतननाथ जी ने सनातन धर्म के प्रचार के लिए खुरासान और काबुल (अफगानिस्तान) में नाथ सम्प्रदाय का केंद्र स्थापित किया। कहा जाता है कि उन्होंने लगभग 700 वर्ष तक पृथ्वी पर रहकर सनातन धर्म की रक्षा की और पौराणिक मान्यता के अनुसार मोहम्मद साहब से शास्त्रार्थ भी किया।

शिवपुरी प्रस्थान से पूर्व उन्होंने अपनी समस्त गद्दी एक अविवाहित ब्राह्मण को सौंप दी।

वर्तमान में 39वें ईश्वरीय स्वरूप श्री श्री 1008 बाबा लक्ष्मण दास स्वामी जी महाराज गादी पर विराजमान हैं। यहां प्रतिदिन प्रातःकालीन आरतियाँ,राम नाम का सत्संग सायंकालीन भगवती आरती निःशुल्क लंगर गरीबों, अपाहिजों व कोढ़ियों को कंबल और भोजन वितरण,निःशुल्क मेडिकल कैंप,गौशाला संचालन व गौ सेवा निरंतर चलती है।सेवक परिवार देशझ्रविदेश–जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, लंदन, अमेरिका, कनाडा–से जुड़कर सेवा में भाग लेते हैं। अफगानिस्तान व पाकिस्तान में भी इनके स्थान आज भी पूजाझ्रअर्चना से जीवंत हैं।

प्रशासन पर तोड़ फोड़ का आरोप

सेवादारों ने आरोप लगाया कि प्रशासन इस स्थान को अतिक्रमण बताते हुए ।तोड़फोड़ कर रहा है ।बिजलीझ्रपानी का कनेक्शन काट दिया गया,,तुलसी वाटिका को क्षति पहुँचाई गई,,लंगर ग्रह तोड़ा गया सेवादारों ने कहा ह्लहम अपने ऊपर कष्ट सह सकते हैं, पर भगवान को कष्ट सहने नहीं देख सकते ।ह्व उन्होंने अफगानिस्तान में मंदिर संभालने वाले पुजारी राकेश शर्मा का उदाहरण देते हुए बताया कि तालिबान शासन के समय भी उन्होंने मंदिर नहीं छोड़ा और सेवा जारी रखी।

मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री तक मामला पहुंचाने का आश्वासन

ज्ञापन सौंपने पहुंचे गुलशन आनंद के नेतृत्व मेंप्रतिनिधिमंडल को मंत्री व सांसद ने आश्वासन दिया कि यह मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,और गृहमंत्री अमित शाह तक शीघ्र ही पहुंचाया जाएगा।

कलयुग में जीवन देने वाले पिता की भक्षक बन चुकी औलादें

वृद्ध पिता से अमानवीय व्यवहार, गला दबाने का आरोप, एसएसपी कार्यालय में गुहार

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के गांव रहपुरा चौधरी निवासी 70 वर्षीय मुकदद्दर बेग ने एसएसपी कार्यालय पहुँचकर अपने बड़े बेटे शाकिर बेग व उसके परिवार पर अमानवीय प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

वृद्ध ने शिकायत पत्र में बताया कि वह बीमार रहता है और उसके छह बेटे हैं, जिनके पास वह बारी-बारी से रहता है। करीब छह माह पूर्व वह अपने बड़े पुत्र शाकिर बेग के घर रह रहा था, जहाँ शाकिर, उसकी पत्नी रेहाना, बेटी लइवा और बेटे इब्राहिम व साजिल उसके साथ लगातार दुर्व्यवहार करते थे। कई बार उसे खाना तक नहीं दिया जाता था और उस पर समस्त जमीन अपने नाम करने का दबाव बनाया जाता था। मुकदद्दर बेग का आरोप है कि इंकार करने पर परिवारवालों ने उसे कुत्ते के सामने पड़ी झूठी रोटी खाने को मजबूर किया यहाँ तक कि एक दिन गले में रस्सी बांधकर उसे कुत्ते के पास बांध दिया गया। जब प्रताड़ना असहनीय हो गई तो 30 अप्रैल 2025 को वह अपने अन्य बेटों के पास चला गया। रिश्तेदारों और बेटों ने उसे सलाह दी कि उसकी अपनी पैतृक संपत्ति है, इसलिए किसी पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं। वृद्ध बताते हैं कि इलाज व जरूरतों के लिए पांच बेटों की सहमति से उन्होंने 31 मई 2025 को एक अनुबंध कर कुछ रुपये ले लिए, जिससे उन्होंने अपना इलाज कराया। परंतु शाकिर बेग और उसकी पत्नी इस बात से नाराज होकर लगातार गाली-गलौज और धमकियाँ देते रहे। सामाजिक मयार्दा के कारण वह चुपचाप सहते रहे।शिकायत में कहा गया कि 8 दिसंबर को शाकिर बेग, उसकी पत्नी रिहाना, बेटी लइवा और दोनों बेटे, उस समय जब मुकदद्दर अपने छोटे बेटे शारिक बेग के घर रह रहे थे, वहाँ पहुँच गए। आरोप है कि शाकिर ने जान से मारने की नीयत से उनके गले पर पैर रखकर गला दबाया और बुरी तरह मारपीट की। छोटे बेटे शारिक ने बचाने की कोशिश की तो उसे भी पीटा गया।

शाकिर बेग ने धमकी दी कि अगर जमीन उसके नाम नहीं की गई तो वह ऐसा कांड करेगा कि ह्लपूरा जिला हिल जाएगाह्व और मुकदद्दर व उसके सभी बेटे झूठे मामलों में जेल भेजे जाएँगे।

मुकदद्दर ने बताया कि शाकिर ह्लसरकस किस्म का व्यक्ति हैह्व और पहले भी कई वारदात कर चुका है। उसके खिलाफ थाने में शिकायतें दर्ज हैं और उसी ने कुछ समय पहले अपनी पत्नी व बेटी के माध्यम से छोटे बेटे पर झूठा मुकदमा भी लगवाया था। बेहद भयभीत वृद्ध ने कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार शाकिर बेग होगा। उन्होंने एसएसपी से सुरक्षा व न्याय की गुहार लगाई है।

एथलेटिक्स खिलाड़ियों को बांटी गई किट, युवाओं को प्रोत्साहित किया

खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं : डीएम

खिलाड़ियों से मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ खेल भावना को बनाए रखने की अपील

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा।भारत सरकार की एक जनपद, एक खेल योजना के तहत मालीखेड़ा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में जनपद अमरोहा के रजिस्टर्ड एथलेटिक्स खिलाड़ियों को एथलेटिक्स किट का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अमरोहा के युवा खिलाड़ी नियमित अभ्यास के जरिए अपनी प्रतिभा निखार रहे हैं।

स्टेडियम में बेहतर प्रशिक्षण मिलने से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है और भविष्य में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ खेल भावना को बनाए रखने की अपील की।

जिलाधिकारी ने कहा कि खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं और प्रशासन उनकी हर संभव मदद के लिए तत्पर है।

कार्यक्रम में जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी सहित संबंधित स्टाफ मौजूद रहा।

गांवों में पेयजल पाइपलाइन के बाद सड़कें बदहाल, सांसद कंवर सिंह ने उठाया मुद्दा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। लोकसभा अमरोहा के सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के समक्ष ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि लोकसभा क्षेत्र के लगभग 125 गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन डाली गई है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई। सांसद तंवर ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़कों को गहरा नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर सड़कें टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। विद्यालय जाने वाले बच्चों, किसानों और आम नागरिकों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर इन रास्तों से गुजरना पड़ता है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाए ताकि क्षतिग्रस्त सड़कों की जल्द से जल्द मरम्मत कराई जा सके और ग्रामीणों को राहत मिल सके। सांसद ने कहा कि पेयजल आपूर्ति की योजना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके बाद बुनियादी सुविधाओं की बहाली भी उतनी ही आवश्यक है। ग्रामीणों ने भी उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द कदम उठाकर उन्हें बदहाल सड़कों से निजात दिलाएगी।

दुर्गा मंदिर की सेवा में समर्पित कनिशा सैनी, दादी की धरोहर को दे रही नई दिशा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। नगर के मोहल्ला दुर्गा कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर की स्थापना की कहानी बेहद प्रेरक है। लगभग 70 वर्ष पूर्व बाबू राम सैनी की पत्नी शांति देवी ने अपनी जमीन दान देकर इस मंदिर का निर्माण कराया था। उनकी आस्था और सेवा भाव के कारण मंदिर क्षेत्र में धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया।

शांति देवी के बाद उनके सुपुत्र रमेश कुमार सैनी ने मंदिर की देखरेख की और इसकी व्यवस्था को आगे बढ़ाया। वर्ष 2022 में रमेश कुमार के निधन के बाद उनकी पुत्री कनिशा सैनी ने मंदिर की जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में वह दुर्गा मंदिर अमरोहा की प्रबंधक हैं और नियमित रूप से मंदिर की व्यवस्था तथा रखरखाव का कार्य देख रही हैं।

कनिशा सैनी ने बताया कि उनकी दादी शांति देवी ने मंदिर निर्माण के लिए अपनी पूरी जमीन दान में दी थी। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में भगवान की सेवा को सर्वोपरि माना जाता है और वह इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दुर्गा मंदिर के पुजारी ने बताया कि शांति देवी के सेवा भाव और कनिशा सैनी की सक्रिय भूमिका से मंदिर की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भी व्यवस्था को लेकर संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं। कनिशा सैनी द्वारा संभाली गई यह जिम्मेदारी पारिवारिक परंपरा और धार्मिक सेवा का उदाहरण है। उनकी पहल से यह संदेश मिलता है कि धार्मिक धरोहरों को आगे बढ़ाना समाज के लिए प्रेरक कार्य है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने मंत्री गुलाब देवी को सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चन्दौसी । (सम्भल) ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देशन में मंडल अध्यक्ष अरुण गोस्वामी, जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा के नेतृत्व में मीडिया कर्मियों ने मुख्यमंत्री के नाम संभल जिले की विधानसभा चंदौसी की विधायक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग कि राज्य मंत्री श्रीमती गुलाब देवी को पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में पत्रकारों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की मांग की।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम यह ज्ञापन ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की समस्याओं और अधिकारों को लेकर दिया गया। पत्रकारों ने बताया कि वे संसाधनों की कमी, असुरक्षा और प्रशासनिक उपेक्षा के कारण लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा, मान्यता और प्रशासनिक सहयोग के संबंध में कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। हालांकि, इन आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं हो रहा है, जिससे ग्रामीण पत्रकारों को न केवल समाचार संकलन में बाधाएं आती हैं, बल्कि उन्हें अनावश्यक उत्पीड़न का भी सामना करनापड़ता है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से कई मांगें उठाई गई हैं। इनमें पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े शासनादेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करना, मान्यता प्रक्रिया को सरल बनाना, समाचार संकलन के दौरान होने वाली घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करना और जिला स्तर पर पत्रकारों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, राज्य स्तरीय समितियों और बैठकों में ग्रामीण पत्रकारों को उचित प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई है।पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपते समय संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, अरुण गोस्वामी मंडल अध्यक्ष,आलोक शर्मा , महेश राघव , विनय राठौर ,नवल किशोर गुप्ता मनीष शर्मा उपस्थित रहे ।

अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन को पकड़ा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

सम्भल । सुबह तहसील व जनपद सम्भल के ग्राम शाहपुरडसर में खनन निरीक्षक शिवम कुमार एवं क्षेत्रीय अधिकारी बरेली द्वारा साधारण मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ कर मढ़न पुलिस चौकी थाना असमोली में सुपुर्द किया गया एवं ग्राम एहरोलमाफी में मिट्टी का अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन को पकड़ा गया। उक्त मशीनों द्वारा बिना विनियमन शुल्क जमा किए हुए एक भट्टे में मिट्टी का खनन कर ईट पलोथन का कार्य किया जा रहा था। खनन निरीक्षक द्वारा जेसीबी को पकड़ कर थाना असमोली में सुपुर्द किया गया। खनन निरीक्षक द्वारा बताया गया कि शासन की प्राथमिकता पूरे प्रदेश में अवैध खनन व परिवहन न होने देना है। जिलाधिकारी महोदय जनपद सम्भल द्वारा समय समय पर दिए गए निर्देश के क्रम में क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन व परिवहन बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

आज चंदौसी न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार आगामी 13 दिसंबर 2025 को चंदौसी स्थित संभल न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत का शुभारंभ माननीय न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल, प्रशासनिक न्यायमूर्ति संभल, उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा सुबह 10 बजे दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा।कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के लंबित वादों को आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे आम जनमानस को शीघ्र व सरल न्याय मिल सके। न्यायालय प्रशासन के अनुसार लोक अदालत में मुकदमों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष बेंचों का गठन किया गया है। आयोजन के प्रभारी अधिकारी ने सभी पत्रकार बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे कार्यक्रम के छायाचित्र एवं समाचार कवरेज हेतु समय से पहुंचकर सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मीडिया की सहभागिता ऐसे जनहितकारी आयोजनों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में पत्रकारों सहित सभी आम नागरिकों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

पंवासा एवं बहजोई में दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

- ग्राम स्वराज और जैम पोर्टल एकीकरण पर दिया गया विशेष जोर

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

संभल। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पीएफएमएस, ई-ग्राम स्वराज एवं जैम पोर्टल के एकीकरण विषय पर विकासखंड पंवासा तथा बहजोई के पंचायत सहायकों और सचिवों के लिए संयुक्त दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन डीपीआरसी संभल के सीनियर फैकल्टी डॉ. नवनीत शेखर सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री बंटी, श्री सौरभ कुमार, श्री संजय, शिवानी, शहनाज, मेहनाज तथा अन्य प्रशिक्षकों ने विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीय डीपीआरओ सी पी सिंह संभल द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके बाद प्रशिक्षण सत्रों की शुरूआत हुई।दो दिवसीय प्रशिक्षण में पंचायत स्तर पर कार्य प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित और डिजिटल रूप से सक्षम बनाने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने पोर्टल इंटीग्रेशन, डेटा प्रबंधन, योजना मॉनिटरिंग एवं पारदर्शी खरीद प्रक्रिया से संबंधित सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया।यह प्रशिक्षण ग्रामीण प्रशासन को अधिक दक्ष, तकनीक-अनुकूल और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सफाई कर्मचारियों की दिशा-दशा पर हुई चर्चा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। नगर आगमन पर प्रांतीय अध्यक्ष मानिक लाल नागर ने कर्मचारी नेता अमर काका की बहन की शादी में शिरकत की तथा वर-वधु को आशीर्वाद दिया इसके उपरांत शहर के वरिष्ठ नेता प्रेम बाबू वाल्मीकि प्रांतीय उपाध्यक्ष,राजेंद्र सहदेव बिलारी प्रांतीय प्रमुखमहामंत्री,सुनील लस्करी प्रांतीय संगठन मंत्री,अजय कुमार राजवर चंदौसी प्रांतीय,प्रवक्ता,सहित वरिष्ठ समाजसेवी अमित भारती,अमित साहू,नीरज पाराशर,अनिल लश्करी,श्याम साहू, विजय वीर सिंह,कुकू चौधरी,मुकेश भारती,जितेंद्र प्रेमी,विनय विकल एडवोकेट,कपिल भारती,जितेंद्र भारती,आदि से भेंट की तथा सफाई कर्मचारियों की दिशा दशा पर भी चर्चा की बुधवाजार होटल अतिथि में विशेष बैठक का आयोजन हुआ जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष माणिक लाज नगर जी ने वरिष्ठ नेता राजेंद्र सहदेव, प्रेम बाबू ,सुनील लस्करी ,अजय राजवर, को प्रांतीय कोर कमेटी का सदस्य घोषित किया तथा स्थानीय स्तर पर संगठन की चर्चा करते हुए संगठन में फेरबदल किया और मुरादाबाद की जिला व नगर इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया।

प्रदेश प्रमुख महामंत्री राजेंद्र सहदेव जी ने कहा कि संगठन चरैवेति चरैवेति के सिद्धांत पर कार्य करता है मुख्य धारा में बने रहना सभी के लिए आवश्यक है निरंतर चलते रहने के लिए फेर-बदल संगठन की साधारण सी प्रक्रिया है इससे परेशान होने की किसी को कोई आवश्यकता नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता अजय कुमार राजवर ने कहा कि मुरादाबाद मंडल में मुरादाबाद जिला संगठन के रूप में महत्वपूर्ण जिला ये सबसे अधिक मजबूत होगा तभी मंडल मजबूत होगा सभी जिलों की इकाइयां मुरादाबाद में घटित घटनाओं पर निगाहें रखती हैं अतः मुरादाबाद से इतिहास बने ऐसी हम सभी आशाएं करते हैं ।चन्दौसी कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अजय कुमार राजवर, विशाल वाल्मीकि,अनिल राधे गुड्डू, कैलाश चटवाल,राजू अनजान, संजय राजौरी,मनोज भारती,पंकज,सुमन भारती आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

वार्ड में खुले मेन होल, दे रहे हादसों को दावत

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता /चंदौसी। नगर में करीब 5 मेनहोलों से अधिक खुले होने से हादसा का खतरा बना हुआ है। इन मेनहोलों के ऊपर से जाल गायब हो गए अथवा टूट गए हैं। ठंड के मौसम में कोहरा भी आ रहा है , जिससे रास्तों में खुले मेनहोल नजर नहीं आते। जो हादसों का बड़ा कारण बनते हैं। नगर पालिका अपनी जिम्मेदारी से पीछा हटती नजर आ रही है। इन खुले मेनहोलों के जाल को ढका नहीं जा सका है। मोहल्ला नखासा सुल्तान मार्केट के मोड़ पर मेनहोल का जाल टूट गया है । टूटे मेनहोल पर लोहे का जाल लगा रखा है, जिससे और भी खतरा बना हुआ है ।

डीएम-एसपी ने दीपा सराय चौकी का फीता काटकर किया उद्घाटन

संभल। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के क्रम में और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने एवं जनता की सुरक्षा हेतु थाना नखासा की नवीन पुलिस चौकी दीपा सराय का लोकार्पण/उद्घाटन जिलाधिकारी संभल राजेन्द्र पैंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की उपस्थिति में विधिवत पूजा अर्चना के साथ मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्थानीय बच्ची द्वारा फीता काटकर कराया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) जनपद सम्भल कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार व अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विष्णु इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण शिविर का समापन

नेशनल एक्सप्रेस/बरेली : विष्णु इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण का शिविर लगाया गया जो की आज संपन्न हुआ जिसमें लगभग 50-60विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा श्री हरी लाल शर्मा (विशेष कार्य अधिकारी) जिला स्काउट संस्था बरेली , ने स्काउट को प्रशिक्षित किया एवं स्काउट के महत्व के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया तथा स्काउट ने प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर स्काउट की टोली बनाकर विभिन्न प्रकार के टेंट बनाए और समाज को यह संदेश दिया कि हम विषम परिस्थिति में भी किस तरह से रहकर अपना भोजन और स्वच्छता , आपदा के समयअन्य लोगो की सहायता किस तरह से करते है।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री देवेंद्र कुमार जी नेस्काउट का मनोबल बढ़ाया और उनके द्वारा किए गए कार्य का निरीक्षण कर कार्यों की सराहना की ।शिविर का संचालन स्काउट प्रभारी श्री सुशील कुमार शर्मा ने किया इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक गण उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने थाना क्षेत्र में हुई चोरियों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। नवनियुक्त प्रभारी निरीक्षक चंदौसी अनुज कुमार तोमर से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के एक प्रतिनिधि मंडल ने भेंट कर एक ज्ञापन सोपा ज्ञापन के माध्यम से प्रभारी निरीक्षक को अवगत कराया की पूर्व में चंदौसी में ताबड़तोड़ चोरी की वारदात हुई जिससे नगरवासियों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है चूंकि चंदौसी एक व्यापारिक केंद्र है और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी चंदौसी में आते हैं और खरीदारी करते हैं इसलिए ऐसी वारदातें नगर में आने वाले लोगों को भय लगा रहता है व्यापार मंडल ने मांग करते हुए कहा कि शीघ्र ही आपके नेतृत्व में टीम गठित कर चोरी का खुलासा किया जाए।

इसके अलावा सर्दी का मौसम है घने कोहरे और सर्दी की वजह से चोरों द्वारा चोरी व अन्य घटनाओं की वारदातों को अंजाम दिया जाता है ऐसे में नगर में रात्रि पुलिस गश्त बढ़ाई जाए प्रभारी निरीक्षक ने समस्याओं के समाधान का निस्तारण करने का आश्वासन दिया प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ,युवा प्रदेश उपाध्यक्ष शाह आलम मंसूरी ,जिला महामंत्री प्रभात कृष्णा ,युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता ,उमेश वार्ष्णेय, विक्रांत लाल ,सुशील अग्रवाल, वसीम कुरेशी, मोहित सक्सेना ,सद्दाम हुसैन, आदि व्यापारी शामिल रहे ।

एसपी रेलवे ने नफर अभियुक्त को पकड़ने पर जीआरपी प्रभारी को किया सम्मानित

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदोसी। एसपी रेलवे मुरादाबाद ने थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत प्रताप सिहं थाना जीआरपी चन्दौसी के द्वारा अनुभाग में अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत दिनांक 17.11.2025 को मय टीम के गश्त के दौरान एक नफर अभियुक्त एहसान पुल जुम्मा को मय 14 अदद चोरी के मोबाईल (अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए) व 11000 रुपए नगद व एक अदद अवैध चाकू के गिरफ्तार कर जेल भेजने का सराहनीय कार्य किया गया। जिसकी स्टेशन परिसर पर मौजूद यानियों के द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी । मै आशान्वित हूँ कि आप भविष्य में भी इसी प्रकार अपने कार्य कौशल से दिये गये उत्तरदायित्वों का सम्यक निर्वहन करते रहेंगे । मैं प्रभारी निरीक्षक अजीत प्रताप सिहं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

महिला आयोग ने नगरीय एवं ग्रामीण आवासीय कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का किया निरीक्षण

भोजन की गुणवत्ता को बेहतर रखने के दिए सख्त निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली/अध्यक्ष उ0प्र0 राज्य महिला आयोग डॉ0 बबीता सिंह चौहान ने आज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नगरीय एवं ग्रामीण का निरीक्षण किया।

अध्यक्ष ने प्रभारी वॉर्डन को सभी छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। छात्राओं की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें आगे बढ़ने एवं बेहतर पढ़ाई करके अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त महोदया द्वारा बेंडिंग मशीन के बारे में पूछताछ की गई, जिसमें प्रभारी वॉर्डन द्वारा बताया गया कि बेंडिंग मशीन छात्रावास में लगी हुई है। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों को भी चेक किया गया, जिसे ससमय रिफिल कराने के निर्देश दिए गए। रसोई घर का निरीक्षण किया गया एवं भोजन की गुणवत्ता को बेहतर रखने के निर्देश दिए गए। विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 विनीता, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, प्रभारी वार्डन नगरीय सफिया जुबैरी, प्रभारी वार्डन ग्रामीण प्रभा, लेखाकार साहिबा रानी व शालिनी सक्सेना, अध्यापिका उपस्थित रही।

ऑनलाइन रेटिंग के नाम पर साइबर ठगों ने युवक से लाखों हड़पे

नेशनल एक्सप्रेस/बरेली। ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर साइबर ठगों द्वारा बड़ी रकम हड़पने का मामला सामने आया है। मढीनाथ निवासी शिवम यादव ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर से मैसेज आया, जिसमें रेटिंग करके पैसे कमाने का लालच दिया गया। शुरू-शुरू में मामूली रेटिंग कराई गई, जिससे उसका विश्वास बढ़ गया।

इसके बाद ठगों ने उसे टेलीग्राम पर सुपर ग्रुप नाम के ग्रुप में जोड़ दिया और पैसे लगाकर रेटिंग करने को कहा। विश्वास में आकर शिवम ने अपने बैंक खातों से कुल 6,10,100 की राशि ठगों के बताए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दी।

रकम भेजने के बाद ठगों ने पैसे वापस नहीं किए। कई बार संपर्क करने के प्रयास निष्फल हुए। आखिरकार पीड़ित ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम आयोजित, जनमानस को मिलेट्स अपनाने का आह्वान

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। उत्तर प्रदेश अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम राज्य सेक्टर के तहत अन्न रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, पल्या मिठनपुर, चंदौसी संभल में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह ह्यरिकह्न रहे।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने लोगों से मिलेट्स को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिलेट्स पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत हैं और इनका नियमित उपयोग बीमारियों से बचाव में सहायक है। साथ ही उन्होंने जनमानस से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि अन्न के प्रति जागरूकता तो बढ़ी है, लेकिन दैनिक उपयोग में अब भी इसकी कमी है। उन्होंने जनपद के प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट संचालकों और मिठाई व्यवसायियों से मिलेट्स आधारित व्यंजन और उत्पाद अपने मेन्यू में शामिल करने का आग्रह किया। जिलाधिकारी ने बताया कि पीएम विद्यालय और सम्भल विद्यालय द्वारा इस दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि धान और गेहूं की तुलना में मिलेट्स में विटामिन, फाइबर सहित अनेक पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जी.आई.) होने के कारण मिलेट्स स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभप्रद हैं।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हमारे पूर्वज मिलेट्स का सेवन करते थे, जिससे वे अधिक स्वस्थ रहते थे। उन्होंने किसानों को रासायनिक उर्वरकों का कम उपयोग कर मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी को मिलेट्स अपनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने बाजरा, ज्वार, रागी/मडुआ, सावां, कोदो, काकुन, कुटकी, चेना, कुट्टू व रामदाना जैसे अन्नों के गुणों की जानकारी दी और कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसायटी के सचिव मेंहदी रत्ता ने मिलेट्स आधारित उत्पादों, रेसिपी और स्वास्थ्य लाभों पर विस्तृत चर्चा की तथा बताया कि मिलेट्स डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, एनीमिया और कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में सहायक हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार व डॉ. ज्योति स्वरूप द्वारा तकनीकी सत्र में मिलेट्स की उत्पादन तकनीक, उपयोगिता, पोषक तत्वों तथा मूल्य संवर्धन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम स्थल पर मिठाई व्यवसायियों द्वारा मिलेट्स से बने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिलाधिकारी ने इन उत्कृष्ट प्रयासों के लिए उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किए और मिलेट्स आधारित व्यंजनों को बढ़ावा देने की अपील की।

संपादकीय

वंदे मातरम : संपूर्णता, गरिमा और संवैधानिक मान्यता की पुकार

क्या हमारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम आज भी अपने वास्तविक, संपूर्ण और गरिमामयी स्वरूप में हमारे सामने है? क्या उसे उसी रूप में पुनर्स्थापित किया जा सकता है, जैसा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था? यह प्रश्न केवल साहित्य या संगीत का नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना, इतिहास और संवैधानिक विमर्श का भी है। इन दिनों संसद में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई चर्चा ने इसी प्रश्न को फिर से जीवंत कर दिया है। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि आजाद भारत के इतिहास में राष्ट्रगीत के साथ अधूरा न्याय हुआ है।वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। यह वह गीत था, जिसने लाखों स्वतंत्रता सेनानियों को ऊर्जा दी—हिंदू ही नहीं, मुसलमान, सिख और ईसाई सेनानी भी इसकी प्रेरणा से संघर्ष करते रहे। उर्दू अखबारों में इसकी स्तुति छपती थी। महात्मा गांधी ने इसे एकता, समर्पण और त्याग का प्रतीक कहा था। यह गीत किसी धर्म का नहीं, बल्कि राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता था। इसी ऐतिहासिक संदर्भ में यह प्रश्न तीखा हो जाता है कि क्या इसे किसी समुदाय पर थोपा गया? क्या इसे गाना बाध्यकारी होना चाहिए? या क्या 1937 में इसके छंदों की काट-छांट वास्तव में राष्ट्रगीत के साथ विश्वासघात था?इतिहास बताता है कि जिन्ना और मुस्लिम लीग ने इसे धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया था और तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने उस दबाव में आकर इसके कुछ अंश हटा दिए। यह कदम भारत की राष्ट्रीय एकता के गीत को खंडित करने वाला था। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में इसी संदर्भ को याद दिलाते हुए कहा कि उसी समय विभाजन का बीज बोया गया। लेकिन क्या आज, 2025 में उस ऐतिहासिक गलती को सुधारने का समय आ गया है?भारत आज एक मजबूत, आत्मविश्वासी और वैश्विक शक्ति के रूप में खड़ा है। ऐसे में यह सवाल और सशक्त होकर उठता है कि क्या वंदे मातरम को उसके मूल छह छंदों में पुनर्स्थापित कर संवैधानिक मान्यता दी जा सकती है? संविधान सभा ने इसे राष्ट्रगीत घोषित किया, लेकिन केवल दो छंदों को मान्यता दी। बाकी छंद इतिहास के पन्नों में दबे रह गए। क्या अब यह आवश्यक नहीं हो गया है कि संसद संविधान संशोधन लाकर राष्ट्रगीत को संपूर्णता में पुनर्जीवित करे?गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा के सभापति को भेजे पत्र में उल्लेख किया कि कौन से सांसद धार्मिक कारणों से वंदे मातरम का विरोध करते हैं। उनका तर्क यह है कि गीत में देवी-देवताओं और कमल का उल्लेख है, जिसे वे धार्मिक रूप से स्वीकार नहीं कर सकते। लेकिन इस प्रश्न का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि क्या राष्ट्रीय प्रतीकों को धार्मिक नज़रिए से देखा जाना चाहिए? क्या धर्म की निजी व्याख्याओं के आधार पर राष्ट्रगीत को चुनौती दी जा सकती है?दरअसल, वंदे मातरम को धर्म से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए—ठीक वैसे ही जैसे हम तिरंगे को देखते हैं, जो भारत के हर समुदाय, हर भाषा, हर आस्था का राष्ट्रीय ध्वज है। अनुच्छेद 19 हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है और अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार। लेकिन राष्ट्रगीत का महत्व इन दोनों अधिकारों से परे, राष्ट्रीय एकता और गौरव से जुड़ा है। यह किसी देवी की पूजा नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति सम्मान का प्रतीक है।आज के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है—क्या भारत सरकार वंदे मातरम की संपूर्ण गरिमा बहाल कर सकती है? क्या संसद मिलकर इसका पूर्ण स्वरूप स्वीकार कर इसे फिर से राष्ट्रगीत के रूप में स्थापित कर सकती है? जिस ऐतिहासिक अन्याय का जिक्र प्रधानमंत्री ने किया, क्या उसका समाधान अब संभव है?78 वर्षों की स्वतंत्रता के बाद भारत को अब विभाजनवादी बहसों से आगे बढ़ना चाहिए। वंदे मातरम पर हुए पुराने विवाद आज के भारत में अप्रासंगिक हो चुके हैं। यह गीत हमारे स्वाधीनता संघर्ष का इतिहास है, हमारी आत्मा है, हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।इसलिए आज का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य यही होना चाहिए कि वंदे मातरम को उसकी संपूर्णता के साथ स्वीकार कर, उसे संवैधानिक रूप से स्थापित किया जाए—ताकि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, एकता और राष्ट्रीय सम्मान का अटूट प्रतीक बना रहे।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

ललित गर्ग

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है।

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है।

इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं।

इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं।

मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है।

अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है।

यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है।

भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

इतिहास में आज का दिन

13 दिसंबर इतिहास के पन्नों में एक ऐसा दिन है, जिसने विश्व और भारत दोनों को कई महत्वपूर्ण घटनाएँ, राजनीतिक मोड़, साहित्यिक उपलब्धियाँ और बदलते दौर की झलकें दीं। यह तिथि कभी क्रांति का प्रतीक बनी, तो कभी संघर्ष, नेतृत्व, खोज और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की साक्षी रही।सबसे पहले आज के दिन की सबसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक घटनाओं पर नज़र डालें, तो पता चलता है कि 1642 को प्रसिद्ध डच यात्री एबल तस्मान ने न्यूज़ीलैंड की खोज की थी। यह वह क्षण था, जिसने विश्व मानचित्र पर एक नए भूभाग को स्थापित किया और समुद्री अन्वेषण के इतिहास में बड़ा बदलाव लाया। इसी तरह 1937 को जापानी सेना ने चीन के नानकिंग शहर पर कब्ज़ा कर इतिहास के सबसे भीषण नरसंहारों में से एक को अंजाम दिया। इस घटना ने विश्व राजनीति और मानवाधिकारों की समझ को गहराई से प्रभावित किया।

भारत के इतिहास में भी 13 दिसंबर की तिथि महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 1946 में संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। यह वह क्षण था, जिसने भारत के संविधान निर्माण की प्रक्रिया को वह नेतृत्व प्रदान किया, जिसने अंततः दुनिया के सबसे बड़े और सर्वोत्तम लोकतांत्रिक संविधान को आकार दिया। इसी दिन जवाहर लाल नेहरू ने ₹उद्देश्य प्रस्ताव₹ भी पेश किया था, जिसने भारतीय गणराज्य की नींव को दार्शनिक रूप से परिभाषित किया।आज के दिन का महत्व साहित्य, संस्कृति और समाज सुधार से भी जुड़ा है। 1903 में जन्मे प्रसिद्ध हिन्दी कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' आधुनिक भारत की आवाज़ बनकर उभरे। उनकी रचनाओं ने राष्ट्रीय चेतना को गढ़ा और साहित्य में अद्वितीय स्थान बनाया। इसके अतिरिक्त 1886 को जन्मे कवि श्यामसिंह 'शिव' भी हिन्दी साहित्य की प्रमुख धारा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर माने जाते हैं।13 दिसंबर राजनीति के पन्नों में भी विशेष स्थान रखता है। 2001 में इस दिन भारतीय संसद पर आतंकी हमला हुआ—एक ऐसा हमला जिसने पूरे देश को हिला दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में कई बड़े बदलावों का आधार बना।दूसरी ओर खेल जगत में भी आज का दिन उल्लेखनीय है। 1989 में जन्मे भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट इतिहास में कई अविस्मरणीय क्षण रचे, आज ही के दिन जन्मे थे। उनकी बल्लेबाजी, जुझारूपन और चुनौतियों से जूझने की क्षमता ने उन्हें दुनिया के सबसे प्रेरक खिलाड़ियों में शामिल किया।13 दिसंबर दुनिया को याद दिलाता है कि इतिहास केवल जीत और हार की कहानी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के विकास, संघर्ष, विचारों, नेतृत्व, सौंदर्य और त्रासदी का मिश्रण है। हर वर्ष यह तिथि हमें नए दृष्टिकोण से इतिहास को समझने और भविष्य की दिशा तय करने का अवसर प्रदान करती है।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

तालिबान से व्यावहारिक रिश्ते : साहसिक क़दम या जोखिम ?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने तालिबान शासन से 'व्यावहारिक जुड़ाव' की ज़रूरत जताई है। बेशक, भारत का यह बयान अफगानिस्तान के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। इसका मतलब यह है कि मानवीय संकट को कम किया जाए और क्षेत्र में शांति स्थापित हो। याद रहे कि इसी बयान में भारत ने पाकिस्तान के हवाई हमलों में खोस्त, पक्तिका और कंधार प्रांतों में निर्दोष महिलाओं, बच्चों और क्रिकेटरों के मारे जाने की निंदा भी की है।आइए, तनिक इस बयान की पृष्ठभूमि को समझें। 2021 में अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में आ गया। 'इस्लामी अमीरात' की स्थापना हुई। महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन शुरू हो गया। भारत ने तब तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी। काबुल में दूतावास बंद कर दिया। तालिबान को आतंकवाद का साथी माना। लेकिन भारत को हकीकत के आगे मजबूर होना पड़ा। अफगानिस्तान में भुखमरी, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं ने 2.5 करोड़ लोगों को संकट में डाल दिया, तो भारत ने चुपचाप मदद भेजी। उसने 2 लाख टन गेहूँ और दवाइयाँ भेजने के अलावा सड़कें भी बनाईं। 2025 में यह जुड़ाव और बढ़ गया। जनवरी में विदेश सचिव विक्रम मिस्री की दुबई में तालिबान विदेश मंत्री से बात हुई। अक्टूबर में काबुल दूतावास फिर खुल गया। नवंबर में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यात्रा हुई। लेकिन इसी दौरान पाकिस्तान की हरकतें बढ़ गईं। दिसंबर 2024 से हवाई हमले शुरू हो गए। टीटीपी के बहाने अफगान सीमा पर बमबारी की गई। अक्टूबर 2025 में काबुल विस्फोटों का इल्जाम तालिबान पर लगा। नवंबर में कंधार के स्पिन बोल्डक में पाँच अफगान मारे गए। भारत का संयुक्त राष्ट्र बयान इसी तनाव की देन है। इस बयान के मायने गहरे हैं। एक तरफ, यह भारत की कूटनीतिक समझदारी को रेखांकित करता है। 'व्यावहारिक जुड़ाव' से तालिबान को मान्यता दिए बिना मदद पहुँचाई जा सकती है। इसमें मानवीय सहायता, विकास कार्य और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग शामिल है। यह अमेरिका, यूरोप, रूस जैसे देशों के लिए नजीर बन सकता है। वे भी अफगानिस्तान को अलग-थलग करने की नीति से तंग आ चुके हैं। लेकिन दूसरी तरफ, कई सवाल खड़े हो जाते हैं। क्या यह तालिबान को हवा देगा? वह तो महिलाओं की पढ़ाई और काम करने पर रोक लगाता है। भारत को यह भी देखना होगा कि काबुल में हिंदू-सिखों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। पाकिस्तान और तालिबान की दुश्मनी भी अपनी जगह है ही। ऐसे में भारत को क्षेत्रीय संतुलन का भी ख़याल रखना होगा। सयाने बता रहे हैं कि भारत के बयान से क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी है। यदि अफगानिस्तान स्थिर हुआ तो भारत-पाक तनाव भी कम हो सकता है। इस्लामाबाद का अफगान कार्ड कमजोर पड़ जाएगा। लेकिन, पाक हमलों ने तालिबान-पाक रिश्ते खराब कर दिए हैं। टीटीपी जैसे गुटों को फायदा हो रहा है। वैश्विक पटल पर संयुक्त राष्ट्र को एकजुट नीति बनाने का मौका मिला है। तालिबान को 'सुधार' के बदले राहत दी जा सकती है। इससे भारत को भी फायदा होगा। चाबहार बंदरगाह से व्यापार बढ़ेगा। आतंक की जड़ें कमजोर होंगी। लेकिन खतरे भी मौजूद हैं। यदि तालिबान ने वादे तोड़े और आईएसआईएस-के से साठगाँठ जारी रखी, तो भारत की साख डगमगा सकती है। फिलहाल, भारत के बयान को इस बात का संकेत माना जा सकता है कि तालिबान यदि महिलाओं के अधिकारों की बहाली और आतंकमुक्ति की ओर कदम बढ़ाए, तो भारत पुल का काम कर सकता है। वैश्विक नजरिए से, यह बहुपक्षीयता की जीत होगी। अंत में, भारत का यह बयान साहस का प्रतीक है। यह व्यावहारिकता और नैतिकता का मेल दर्शाता है। लेकिन सब कुछ तालिबान की मंशा और क्षेत्रीय सहयोग पर टिका है। काबुल सुनेगा या नहीं? समय बताएगा।

मेक्सिको का शॉकः भारत के निर्यात पर टैरिफ़ की आग

प्रो. आरके जैन

10 दिसंबर 2025, यह तारीख एशियाई व्यापार इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गई है। मेक्सिको की सीनेट ने तेजी से उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसकी कल्पना पहले असंभव लग रही थी—गैर-एफटीए एशियाई देशों से आयात पर ऊंची टैरिफ दीवार। यह नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा और 1,400 से अधिक उत्पादों को प्रभावित करेगा, जिसमें अधिकांश पर टैरिफ 35 प्रतिशत तक होगी, जबकि कुछ प्रमुख सेक्टरों (जैसे ऑटोमोबाइल, कुछ ऑटो पार्ट्स, स्टील और टेक्सटाइल) पर यह 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, मशीनरी, स्टील और प्लास्टिक—ये सभी प्रमुख सेक्टर इस नए बदलाव की चपेट में हैं।

भारत के लिए इस फैसले की मार सबसे गहरी है। न कोई एफटीए, न कोई प्राथमिकता आधारित सुरक्षा—भारत मेक्सिको की नजर में पूरी तरह असुरक्षित खड़ा है। 2024–25 में भारत ने मेक्सिको को लगभग 5.3–5.7 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें अकेले ऑटोमोबाइल सेक्टर की हिस्सेदारी लगभग 1 बिलियन डॉलर तक पहुंचती है। मेक्सिको भारत का तीसरा सबसे बड़ा कार निर्यात बाजार है। अब वोल्क्सवैगन, ह्युंडई, मारुति और निसान जैसी कंपनियों के वाहनों पर लगने वाली ड्यूटी वर्तमान 20 प्रतिशत से बढ़कर कुछ मामलों में 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है (हालांकि अधिकांश उत्पादों पर 35 प्रतिशत की सीमा)।

यह सिर्फ आंकड़ों का मामला नहीं—यह रोजगार, सप्लाई चेन, निवेश और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर मंडराता गहरा संकट है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है: क्या यह हार का संकेत है, या भारत के लिए रणनीति बदलकर व्यापार के नए युग की शुरुआत करने का मौका? सच्चाई यह है कि मेक्सिको का यह फैसला अचानक नहीं उभरा। इसके पीछे अमेरिकी दबाव की छाया साफ दिखती है। डोनाल्ड ट्रंप की वापसी और यूएसएमसीए (यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट) की नज़दीकी समीक्षा ने मेक्सिको को उस मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहाँ अमेरिका की नाराज़गी मोल लेना उसके लिए महंगा पड़ सकता है। चीन से आने वाले लगभग 130 बिलियन डॉलर के आयात पर अमेरिकी चेतावनियाँ लंबे समय से जारी थीं। निशाना भले चीन था, लेकिन प्रभाव की आग की लपटें भारत तक भी पहुँच गईं—अनचाही, लेकिन बेहद तीखी। मेक्सिको की सरकार इस फैसले को घरेलू उद्योगों की ढाल बताने की कोशिश कर रही है, लेकिन असल इरादा कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है—अमेरिका को साधने का। चीन को रोकने की अमेरिकी मुहिम में अब भारत जैसे देशों के हित भी अनचाहे नुकसान झेल रहे हैं। भारतीय ऑटो उद्योग पहले ही एसआईएएम (सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफ़ैक्चरर्स) के ज़रिये मौजूदा स्थिति बनाए रखने की मांग उठा चुका था, पर अब टैरिफ़ की इस लहर को थाम पाना लगभग नामुमकिन हो गया है। नुकसान का स्वरूप वाकई गंभीर है। ऑटो निर्यात में लगभग 1 बिलियन डॉलर की चोट का अनुमान है, जबकि कुल निर्यात में 2026 में 15-25 प्रतिशत तक की गिरावट संभव है (हालिया ट्रेंड्स के आधार पर)। गुजरात, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के ऑटो क्लस्टर्स पर इसका सीधा, भारी असर दिखेगा। टेक्सटाइल सेक्टर में 35 प्रतिशत तक की टैरिफ सूरत और कोयंबटूर जैसे केंद्रों को प्रभावित करेगी। स्टील और प्लास्टिक में जेएसडब्ल्यू जैसी कंपनियां लगभग 300 मिलियन डॉलर तक का कारोबार गंवा सकती हैं। अनुमान है कि 2026 में कुल निर्यात 15 से 25 प्रतिशत तक गिर सकता है—एक ऐसा झटका जो पूरे व्यापार ढांचे को हिला देगा।

दूसरी ओर, मेक्सिको भी इस निर्णय से पूरी तरह सुरक्षित नहीं। इतने भारी टैरिफ़ वहां की उत्पादन लागत को 10–15 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं और घरेलू महंगाई का जोखिम भी तेज़ी से उभर सकता है। फिर भी भारत के लिए यह संकट अवसर का एक नया दरवाजा खोल सकता है। इतिहास गवाही देता है कि बड़े झटकों ने कई बार भारत को मजबूत बनाया है। 2018 में अमेरिकी स्टील टैरिफ के बाद भारत ने अपनी क्षमताएं बढ़ाईं और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई गति पकड़ी। आज पीएलआई स्कीमों के कारण ऑटो क्षेत्र में रिकॉर्ड निवेश हो चुका है।

अब भारत के सामने स्पष्ट राह है—डिप्लोमेसी और व्यापारिक रणनीति को नए सिरे से धार देना। भारत–मेक्सिको एफटीए को अब शीर्ष प्राथमिकता बनाना होगा। यदि पूर्ण एफटीए तुरंत संभव न हो, तो कम से कम पीटीए (प्रीफ़रेन्शियल ट्रेड एग्रीमेंट) के ज़रिये कुछ महत्वपूर्ण सेक्टरों को राहत दी जा सकती है। लैटिन अमेरिका में फिलहाल भारत का व्यापार केवल 4 प्रतिशत है—इसे दोगुना करने का समय आ चुका है।

बाज़ार विविधीकरण आज भारत की सबसे तत्काल और निर्णायक जरूरत बन चुका है। मेक्सिको पर निर्भर निर्यात का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, आसियान, ब्राज़ील और चिली जैसे उभरते बाज़ारों में सहज रूप से स्थानांतरित किया जा सकता है। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि नए अवसरों के लिए दरवाजे भी खुलेंगे। चीनी सप्लाई चेन से बाहर निकलने की कोशिश कर रही वैश्विक कंपनियों—फॉक्सकॉन, एप्पल और कई अन्य—को भारत में और बड़े, तेज़ और स्थायी निवेश अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। ईवी, सोलर, सेमीकंडक्टर और हाई-टेक कंपोनेंट्स में भारत अगले दशक की सबसे तेज़ उभरती शक्ति बन सकता है। पीएलआई स्कीम को अब ऑटो कंपोनेंट्स से आगे बढ़ाकर ईवी पार्ट्स, बैटरी सिस्टम और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स की दिशा में और मजबूत आधार दिया जा सकता है। निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सब्सिडी, टैक्स रिफंड और फास्ट-ट्रैक मंजूरी तंत्र बेहद आवश्यक हैं। और यदि जरूरत पड़े, तो भारत डब्ल्यूटीओ के मंच पर भी इस टैरिफ को चुनौती दे सकता है, क्योंकि यह संरक्षणवाद की चरम सीमा को दर्शाता है।

इसके बावजूद भविष्य में अवसरों की संभावनाएं कहीं अधिक उज्ज्वल दिखती हैं। लैटिन अमेरिका में 200 से अधिक भारतीय कंपनियां पहले से काम कर रही हैं—आईटी, फार्मा और ऑटो उद्योगों में लगभग 4 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ। यदि भारत सुविचारित रणनीति अपनाता है, तो 2030 तक भारत–मेक्सिको व्यापार 20 बिलियन डॉलर के पार पहुँच सकता है। वैकल्पिक बाजारों में 10 प्रतिशत वृद्धि ही लगभग 500 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त लाभ दे सकती है। यह टैरिफ़ तूफ़ान भारत को रोकने नहीं, बल्कि जगाने आया है। वही राष्ट्र बड़ी छलांग लगाते हैं, जो संकट की राख में अवसरों की चिंगारी पहचान लेते हैं। भारत के पास नवाचार, आर्थिक कूटनीति और वैश्विक साझेदारी—तीनों की सशक्त शक्ति मौजूद है। इस चुनौती का सीधा सामना करके भारत न सिर्फ मेक्सिको की बाधा को पीछे छोड़ेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार की नई धुरी बनकर उभरेगा।

12 दिन में 2 करोड राजस्व जुटाया, 2900 वाहनो पर हुई कार्यवाही

कानपुर नगर आरटीओ प्रवर्तन टीम ने शासन से मिले 5 करोड के राजस्व लक्ष्य के अनुरूप काम करते हुए 12 दिनो में 2 करोड का राजस्व एकत्र किया। अभी बचे हुए दिनो में बाकी का लक्ष्य पूरा करने की कवायद प्रवर्तन टीम की रहेगी।

आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि मण्डल स्तर पर विभाग को प्रति माह राजस्व का लक्ष्य दिया जाता है। शासन के निर्देशानुसार प्रवर्तन टीम ने एक दिसम्बर से मण्डल स्तरीय अभियान शुरू किया और 12 दिसम्बर, 2025 तक मिले लक्ष्य के अनुरूप 2 करोड का राजस्व एकत्र कर लगभग 2900 छोटे बडे वाहनो पर कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि अभी अन्य दिन शेष है जिसमें लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 15 दिसम्बर, 2025 से मण्डल के अधिकारी जिनमें उप परिवहन आयुक्त आर.आर. सोनी, आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह, व आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव मण्डल के जनपदो में जाकर समीक्षा और जागरूकता तथा रोड सेफ्टी और सडक दुर्घटनाओ को लेकर स्कूल संचालको, बस एसोसिएशन व ट्रक एसोसिएशन के साथ बैठक कर समन्वय बनायेंगे और दुर्घटनाओ में कमी लाने के लिए उन्हें जागरूक करेंगे।

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक

नेशनल एक्सप्रेस उत्कर्ष सिंह

कानपुर देहात जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष, कलेक्ट्रेट कानपुर देहात में संपन्न हुई। बैठक में अधिशासी अभियंता, जल निगम द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की वर्तमान कार्य प्रगति का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने परियोजनाओं से संबंधित समस्त आंकड़ों, प्रगति स्तर, बाधाओं और शेष कार्यों का बारीकी से विश्लेषण करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्यदायी संस्थाएँ समयबद्ध तरीके से कार्यों को पूर्ण करें तथा पेयजल उपलब्धता में किसी भी प्रकार की देरी न होने दें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण जनता के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसके लक्ष्य पूर्ण न होने पर आमजन प्रभावित होते हैं, इसलिए प्रगति में तेजी लाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जनपद स्तर पर नियमित जलापूर्ति पेयजल योजनाओं की समीक्षा प्रस्तुत की गई। जनपद में कुल 504 योजनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिनमें से अब तक 375 योजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं जबकि 129 योजनाएँ विभिन्न कारणों से शेष हैं। संस्था-वार प्रगति की चर्चा करते हुए बताया गया कि आईएचपी प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित 122 में से 121 योजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं और केवल 01 योजना शेष है, जिसे त्वरित गति से पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। जीवीपीआर इंजी0 प्राइवेट लिमिटेड को 186 परियोजनाएँ सौंपी गई थीं, जिनमें से 160 पूरी हो चुकी हैं और 26 योजनाएँ लंबित हैं। वी0एस0ए0-एस0सी0एल0 प्राइवेट लिमिटेड को 167 परियोजनाओं में से 75 परियोजनाएँ पूर्ण करने में सफलता मिली है, जबकि 92 परियोजनाएँ अभी लंबित हैं, जो अपेक्षा से काफी कम प्रगति है। इसी प्रकार वी0टी0एल0 प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत कुल 29 परियोजनाओं में से 19 पूरी हो चुकी हैं और 10 पर कार्य जारी है। जिलाधिकारी ने जिन एजेंसियों की प्रगति धीमी है, उनसे कारण पूछते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी समीक्षा में उल्लेखनीय प्रगति अनिवार्य रूप से देखनी चाहिए। ओवरहेड टैंक आधारित पेयजल योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि कुल 504 योजनाओं के सापेक्ष केवल 144 योजनाएँ पूर्ण हुई हैं तथा 360 योजनाएँ अभी लंबित हैं। IHP द्वारा 42, GVPR द्वारा 93, VSA–SCL द्वारा 7 और VTL द्वारा 2 OHT योजनाएँ पूर्ण की गई हैं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि ओएचटी निर्माण एवं परीक्षण कार्यों की दैनिक समीक्षा की जाए तथा जहां भी तकनीकी, सामग्री या मानव संसाधन संबंधी अवरोध हो, उन्हें तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी की परियोजनाओं में सबसे अधिक लंबित कार्य हैं, इसलिए इसे प्राथमिकता देकर पूर्ण किया जाए। डिस्ट्रिब्यूशन लाइन बिछाने की प्रगति काफी असंतोषप्रद बताई गई।

नशीली दवाओं के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, अग्रवाल ब्रदर्स पर कसा शिकंजा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर में नशीली दवाओं के करोड़ों के स्टॉक की बरामदगी के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स के गोदाम और दुकान से भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं मिलने के बाद फर्म के फरार संचालक विनोद अग्रवाल पर एनडीपीएस एक्ट की कड़ी धाराएं लागू कर दी गई हैं। कमिश्नरी पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है, जिससे आरोपी अब देश छोड़कर नहीं भाग सकेगा। अवैध मेडिकल स्टोर्स का बड़ा नेटवर्क उजागर।जांच में सामने आया है कि विनोद अग्रवाल ने अपने नौकरों, रिश्तेदारों, दोस्तों और करीबी परिचितों के नाम पर शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध मेडिकल स्टोर्स का बड़ा नेटवर्क तैयार कर रखा था। इन दुकानों के जरिए नशीली दवाओं का अवैध कारोबार चल रहा था। इस नेटवर्क में सबसे बड़ा नाम माया फार्मा के संचालक मुलायम सिंह का सामने आया है। माया फार्मा की जांच के दौरान 1.81 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई थीं, जिनकी खरीद अग्रवाल ब्रदर्स से की गई थी।एफएसडीए की जांच में 12 फर्में चिह्नित।नशीली कफ सिरप और अन्य दवाओं की सप्लाई जांच में प्रदेश की 12 फर्में इस सिंडिकेट से जुड़ी मिली हैं। सभी मेडिकल स्टोर्स और उनके संचालकों की भूमिका का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है, और साक्ष्यों के आधार पर आगे कार्रवाई तय की जाएगी।

भ्रष्ट पुलिसकर्मियों, दलालों और वसूलीबाजों पर शिकंजा कसने के लिए कमिश्नरी पुलिस का बड़ा कदम

कानपुर कमिश्नरी पुलिस ने शहर में फैले दलाली, अवैध वसूली और भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए शुक्रवार से 21 दिन का विशेष अभियान 'ऑपरेशन-500' शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत भ्रष्ट पुलिसकर्मियों, दलालों, वसूलीबाजों, कारखासों और प्रशासनिक कर्मचारियों तक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इसके लिए शिकायत दर्ज कराने हेतु व्हाट्सएप नंबर 7839863274 जारी किया है। शहर में बढ़ती शिकायतों के बाद कार्रवाई तेज।पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि अधिकारियों के पास दलालों, वसूलीबाजों, धमकी देने वालों और झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों की बड़ी संख्या में शिकायतें पहुंच रही थीं, जिनमें कई मामले पुलिसकर्मियों से भी जुड़े थे। इस स्थिति को देखते हुए 500 घंटे का यह विशेष अभियान शुरू किया गया है।

अभियान में एक विशेष जांच टीम गठित की गई है, जिसमें सोशल मीडिया की निगरानी करने वाले पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान मिलने वाली सभी शिकायतों और सूचनाओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पिछले कमिश्नर भी चला चुके थे अभियान।पूर्व पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने भी वसूलीबाजों, यूट्यूबर और दलालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया था, जिसमें कई आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की गई थी और कुछ अब भी जेल में हैं। यह कार्रवाइयाँ नौबस्ता, कल्याणपुर, रावतपुर, काकादेव और रेलबाजार थाना क्षेत्रों में की गई थीं।साफ-सुथरी छवि वाले पुलिसकर्मियों पर जिम्मेदारी।

केडीए की कार्रवाई से मचा हड़कंप, गरीब परिवारों ने लगाई गुहार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर।एक ओर गरीब समाज अपने सिर पर छत बचाने की जद्दोजहद में लगा है, तो दूसरी ओर केडीए नियमों के तहत सरकारी जमीन को मुक्त कराने के लिए सख्त कार्रवाई को मजबूर है। आने वाले चार दिन इन परिवारों के भविष्य और केडीए की अगली कार्रवाई के लिए बेहद अहम रहने वाले हैं।जूही कला योजना के अंतर्गत डब्ल्यू-वन ब्लॉक, केशवनगर की 80 करोड़ से अधिक कीमत वाली जमीन पर दशकों से बने अवैध कब्जों को हटाने गुरुवार को केडीए का प्रवर्तन दस्ता भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा। विशेष कार्याधिकारी बृजेंद्र उपाध्याय, सत शुक्ला, डॉ. रवि प्रताप सिंह और अजय कुमार के नेतृत्व में जोन-3 प्रभारी अधिशासी अभियंता माधवी कुशवाहा, अतुल राय, सहायक अभियंता दिनेश कुमार गुप्ता तथा प्रवर्तन टीम ने कार्रवाई शुरू की।जैसे ही बुल्डोजर ने एक अवैध मकान की बाउंड्री तोड़ी, वहां रहने वाले दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग दस्ते के सामने बैठ गए और कार्रवाई रोकने की गुहार लगाने लगे। उनका कहना था कि वे 40–50 वर्षों से यहां रह रहे हैं और करीब 75 परिवारों के 500 से अधिक लोग इसी बस्ती में रहते हैं। कई परिवारों की कई पीढ़ी भी यहीं पली-बढ़ी है।ठंड में बेघर न करने की भावुक अपील पर अधिकारियों ने एक घंटे की बातचीत के बाद चार दिन की मोहलत दी। केडीए अधिकारियों ने कब्जेदारों को किश्तों पर फ्लैट लेने का प्रस्ताव दिया, लेकिन अधिकांश ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से असमर्थता जताई। कुछ महिलाओं ने प्रार्थनापत्र पर अंगूठा लगाया तो कई ने इनकार भी कर दिया।केडीए ने अवैध बिजली कनेक्शन काट दिए हैं और अधिकारियों द्वारा स्पष्ट चेतावनी भी दी गई है कि सिर्फ चार दिन में कब्जा न खाली किया गया तो मकान बलपूर्वक ध्वस्त किए जाएंगे।

भूतपूर्व सेवारत सैनिकों एवं उनके आश्रितों की जिला स्तरीय समस्याओं के निराकरण हेतु "जिला सैनिक वन्धु की बैठक संपन्न

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात,जनपद कानपुर देहात में सैनिक बंधु बैठक का आयोजन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, विंग कमान्डर अंकित सक्सेना द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय - कानपुर देहात में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य जनपद में निवासरत सेवारत एवं भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु एक समर्पित संवाद मंच प्रदान करना था। बैठक में सैनिकों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा उपयोगी सुझाव दिये गए। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) द्वारा प्रशासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी साझा की गई एवं यह आश्वासन दिया गया कि जिला प्रशासन सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हितों की रक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा उपस्थित सैनिकों को पुनर्वास योजनाओं एवं कल्याणकारी नीतियों/ योजनाओ की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सैनिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रशासन एवं सैनिक कल्याण विभाग के मध्य समन्वय को और अधिक सुदृढ़ एवं क्रियाशील बनाया जाएगा। बैठक में सी०ओ० राजीव सिरोही पुलिस विभाग से से एवं हॉरिय कैप्टेन राम स्वरूप पाल, अध्यक्ष, पूर्व सैनिक संगठन, कानपुर देहात, पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुई।

विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने सबसे ज्यादा अभियुक्तगणों को कराई सजा

कानपुर देहात जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति के अंतर्गत कानपुर देहात में 10 मुकदमे में सजा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें पाक्सो कोर्ट में विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने सबसे ज्यादा मिशन शक्ति के अंतर्गत अभियुक्त गणों को सजा कराई है। उन्होंने 2,35,500 का जुर्माना और 08 आठ मुकदमों में सजा कराई है, स्पेशल पाक्सो एक्ट में ADJ 13 शरद त्रिपाठी जज की कोर्ट में कार्य कर रहे विशेष लोग अभियोजक ने मेहनत लगन व निष्ठा से मिशन शक्ति के अंतर्गत अधिक से अधिक अभियुक्त गुणो को सजा कराई और अधिक से अधिक जुर्माना भी उन पर लगाया गया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षता मे महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस

कानपुर देहात जनपद कानपुर देहात में दिनांक 12.12.2025 को डॉ0 अर्चना मजूमदार, मा0 सदस्या, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा मा0 सदस्या को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात, औरैया, इटावा ,कन्नौज से लगभग 48 शिकायतें प्राप्त हुई। राष्ट्रीय महिला आयोग की मा0 सदस्या के समक्ष शिकायतकर्ती सम्बन्धित विवेचक के साथ उपस्थित हुई। मा0 सदस्या द्वारा लम्बित शिकायती प्रार्थनापत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया साथ ही आशा बहुओं, स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न योजनाओं की महिला लाभार्थियों के साथ वार्ता की गयी। वार्ता दौरान मा0 सदस्या द्वारा कहा गया कि बालिकाओं का कम उम्र में विवाह होने पर उनका शैक्षिक, मानसिक व शारीरिक विकास रूक जाता है तथा बालिकायें शिक्षा से वंचित रह जाती है। इस संबंध में मा0 सदस्या द्वारा सम्बन्धित लोगों से बालिकाओं के शैक्षिक, सामाजिक, स्वास्थ्य, के सभी पहलुओं को सशक्त बनाना जिसमें शिक्षा तक पहुच तथा सुरक्षा तथा बेहतर स्वास्थ्य और वित्तीय स्वतन्त्रता शमिल हो आदि विषय पर अपने क्षेत्र में लोंगों को जागरूक करने हेतु कहा गया। जनसुनवाई दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एके सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी सिकन्दरा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, थानाध्यक्ष, महिला थाना तथा जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी, सेन्टर मैनेजर वन स्टाप सेन्टर, जिला मिशन कॉर्डिनेटर व अन्य कार्मिकगण उपस्थित रहे।

मेष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृष : आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी।

मिथुनः विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

कर्क : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी रूक्षता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

कन्या : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्घि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

तुला : खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्घि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

धनु : धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

मकर : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

कुम्भ : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार- दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें।

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे।

केआईटी कॉलेज में परीक्षा केंद्र बदलने पर छात्रों का आक्रोश चरम पर, दूसरे दिन भी विरोध जारी रहा

नेशनल एक्सप्रेस उत्कर्ष सिंह

कानपुर।महाराजपुर थाना क्षेत्र स्थित कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में परीक्षा केंद्र अचानक बदलने के खिलाफ छात्रों का विरोध तीसरे दिन भी थमता नजर नहीं आया। बीटेक, बीसीए और एमबीए के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को कॉलेज परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि परीक्षाओं में मात्र दस दिन शेष हैं, ऐसे में नए सेंटर पर जाने से उन्हें भारी परेशानी होगी।छात्र संघ बहाली मोर्चा ने छात्रहित की लड़ाई लड़ी और एक उचित परिणाम तक लाया , बहाली मोर्चा को छात्रों ने धन्यवाद किया बहाली मोर्चा का , प्रदर्शन के दौरान छात्र नेता अभिजीत राय , अनस शाहू, गौरांग पाण्डेय , अमन यादव, आयुष तिवारी समेत सैकड़ों छात्र मौजूद रहे। छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन ने पूरे सत्र आश्वस्त किया था कि परीक्षाएं कॉलेज परिसर में ही आयोजित होंगी, लेकिन अचानक विश्वविद्यालय केंद्र बदलने की सूचना जारी कर दी गई। छात्रों के अनुसार, प्रवेश के समय भी इस बदलाव की जानकारी नहीं दी गई थी। दूर-दराज़ से आने वाले छात्रों के लिए नए केंद्र पर पहुंचना मुश्किल होगा। प्रदर्शन बढ़ने पर महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार पुलिस बल के साथ कॉलेज पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। छात्रों ने बताया कि उन्हें निलंबन और अभिभावकों से शिकायत की धमकियां भी दी जा रही हैं, जिससे आक्रोश और बढ़ गया है। विद्यार्थियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

वहीं कॉलेज के डायरेक्टर विजय वात्स्येन ने छात्रों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि परीक्षा केंद्र बदलने की जानकारी पूर्व में ही दी जा चुकी थी। उनका कहना है कि जून 2024 में विश्वविद्यालय द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट कर दिया गया था कि परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केंद्रों पर ही होंगी।उधर, छात्रों के समर्थन में छात्र बहाली मोर्चा के कानपुर से छात्र नेता अभिजीत रॉय भी अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि छात्रों के हित में आवाज़ उठाना आवश्यक है और जब तक छात्रों को उनका अधिकार नहीं मिलता, विरोध जारी रहेगा।

कानपुर की हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने को सांसद रमेश अवस्थी की पहल

कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने आज प्रातः दिल्ली में केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से शिष्टाचार भेंट कर कानपुर की हवाई सेवाओं को सुदृढ़ करने की मांग रखी। सांसद अवस्थी ने बताया कि उन्होंने दिल्ली की एक और फ्लाइट शुरू किए जाने के साथ-साथ अहमदाबाद, कोलकाता और मुंबई के लिए नियमित उड़ानें कानपुर एयरपोर्ट से संचालित करने का अनुरोध किया है। रमेश अवस्थी ने बैठक के दौरान कहा कि कानपुर गंगा तट पर स्थित एक प्रमुख व्यावसायिक नगरी है। बड़े महानगरों से सीधी उड़ानें शुरू होने से शहर के औद्योगिक व आर्थिक विकास को बड़ी गति मिलेगी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने सांसद की मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए आश्वस्त किया कि बहुत जल्द विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर इन प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में सजी देसी सेहत की मिठास

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

कानपुर नगर।कलेक्ट्रेट प्रांगण में आयोजित लड्डू बाज़ार उत्सव का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया। सर्दियों के मौसम में सेहत से जुड़ी पारंपरिक मिठास को समर्पित इस आयोजन में सोंठ, अलसी–मेथी, कच्ची हल्दी और मिलेट्स से बने लड्डू विशेष आकर्षण के रूप में सामने आए। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत की सर्वश्रेष्ठ और स्वास्थ्यवर्धक रेसिपी बड़े होटलों में नहीं, बल्कि घरों की रसोई में विकसित हुई हैं। उन्होंने कहा कि जनपद की अनेक महिलाएं छोटे स्तर पर घरेलू उद्योग संचालित कर रही हैं, जो शुद्ध, ताज़ा और पौष्टिक उत्पाद तैयार कर रही हैं। ऐसे आयोजनों से इन प्रयासों को पहचान मिलने के साथ-साथ उन्हें बाज़ार से भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि लड्डू बाज़ार उत्सव के माध्यम से मानस उद्योग सहित कई स्थानीय महिला उद्यमी और संस्थान जुड़े हैं, जो मौसम के अनुरूप ऐसे पारंपरिक लड्डू तैयार कर रहे हैं, जो सामान्य बाज़ार में आसानी से उपलब्ध नहीं होते। जिलाधिकारी ने कहा कि घरों में बनने वाली पारंपरिक मिठाइयाँ स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभकारी होती हैं, जबकि खुले बाज़ार में कई बार पुराने उत्पाद दोबारा गर्म कर बेचे जाते हैं, जो स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं होते। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में इस प्रकार का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादों को स्थायी मंच मिल सके और आमजन को शुद्ध, ताज़ा एवं स्वास्थ्यकारी खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। उत्सव में सोंठ, अलसी–मेथी और कच्ची हल्दी के लड्डू, शुगर-फ्री गजक तथा मिलेट्स आधारित लड्डू और स्नैक्स प्रदर्शित किए गए। आयोजन में स्थानीय महिला उद्यमियों और लघु उद्योगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। साकेत नगर की चिंकी अग्रवाल ने बताया कि वे पिछले चार वर्षों से घर पर तैयार किए गए पारंपरिक लड्डुओं का निर्माण कर रही हैं, जिनमें बेसन, तिल, अलसी, बाजरा और सोंठ जैसे घटक शामिल हैं। मंधना क्षेत्र से जुड़े माधव फूड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि हेमंत तिवारी ने बताया कि उनके स्टार्टअप के माध्यम से मिलेट्स आधारित लड्डू, कच्ची हल्दी के लड्डू और बिना गुड़-चीनी के तिल के लड्डू तैयार किए जा रहे हैं। डॉ. ज्योति चौहान ने बताया कि एमएसएमई से जुड़े प्रशिक्षण के बाद वे मिलेट्स आधारित उत्पादों का निर्माण कर रही हैं, जिनमें ज्वार, बाजरा, रागी और अलसी के लड्डू के साथ रागी नमकीन और अलसी से बना बुकनू शामिल है।

ऑटो के लिए रूट निर्धारण, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का पुरजोर विरोध शुरू

जिला प्रशासन की स्थिति पर नजर, कुछ लोगों पर जिला प्रशासन की नजर

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। जनपद में ऑटो, ई रिक्शा के रजिस्ट्रेशन और रूट निर्धारण को लेकर शुरू हुई प्रक्रिया का जनपद भर में पुरजोर विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार को महानगर में इस विरोध का असर देखने को मिला। ऑटो और ई रिक्शा चालकों ने हड़ताल कर दी। इससे लोगों को आवागमन में बहुत परेशानी का सामना करना पडा। इसका कुछ लोगों ने जमकर लाभ उठाया और सवारियों से ओने पौने किराया वसूला। परिस्थिति पर जिला प्रशासन की नजर है। जिला प्रशासन ऐसे लोगों को चिन्हित कर रहा है जिनके कई ऑटो और ई रिक्शा संचालित हैं। रूट पर उनका आधिपत्य है। अधिकारियों का मानना है कि ऐसे लोग इस प्रक्रिया का ज्यादा विरोध कर रहे हैं और वह उन ऑटो और ई रिक्शा चालकों को भी उकसा रहे हैं और हड़ताल में शामिल होने के लिए बाध्य कर रहे हैं जो इस प्रक्रिया के विरोध में नहीं है। फिलहाल ऑटो और ई रिक्शा चालक रजिस्ट्रेशन शुल्क को लेकर विरोध जता रहे हैं। वहीं रूट निर्धारण पर भी आपत्ति है। अखिल भारतीय समता फाऊंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही एवं उपाध्यक्ष चित्रसेन मौर्य ने ई रिक्शा चालकों से नगर निगम द्वारा जबरन तानाशाही टैक्स वसूला जा रहा है। उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन का रेलवे ग्राउंड पहुंचकर समर्थन किया और वादा किया कि वसूली का हर संभव विरोध किया जाएगा। इस मौके पर शिवचरण मौर्य, असलम खान, रवि कुमार ठाकुर, राघवेंद्र विकास कुमार अनिरुद्ध सचिन कुमार अनुज कुमार चित्रसेन मौर्य कन्हैयालाल सुभाष बाबू भूरा राजपूत किशोर कुमार आदि सैकड़ो की संख्या में मौजूद रहे। अराजकता कर रहे लोगों पर प्रशासन की नजर मथुरा में ई रिक्शा चालकों की नाराज़गी अब सड़क पर खुलकर दिखाई देने लगी है। शहर में हड़ताल जैसा माहौल बन गया है। कई ई रिक्शा चालक उन ऑटो रिक्शाओं को भी जबरन रोकते नज़र आए जो सड़कों पर चल रहे थे। इससे आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ महीनों पहले पीएसए डिजिटल नाम की कंपनी ने हज़ारों ई रिक्शा चालकों से बेहतर सुविधाओं और स्मार्ट सर्विस के नाम पर बड़ी रकम वसूली थी, जिसके बाद कंपनी अचानक गायब हो गई। तब से चालक अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन मामला अब और बिगड़ता नजर आ रहा है। प्रदर्शनकारियों द्वारा चल रहे ऑटो रिक्शा को रोकने की घटनाओं से शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा सकती है। यात्रियों, छात्रों और स्थानीय लोगों के लिए रास्ता तय करना मुश्किल होता जा रहा है, जबकि पुलिस और प्रशासन स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं। अभी ई रिक्शा चालकों के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा कई निर्णय लिये गये हैं। जितने भी ई रिक्शा चल रहे हैं उनका रजिस्ट्रेशन कराया जाए और इसके बाद रूट वितरण किया जाए। इसके बाद ऑटो, ई रिक्शा अपने रूट पर चलेंगे। जो ऑटो रिक्शा जिनके नम्बर नहीं हैं और जो टाइम बोर्ड हो चुके हैं उन्हें बाहर किया जाए। श्रद्धालुओं की नगरी है, काफी श्रद्धालु आते हैं। कहीं कोई कार्यक्रम होता है तो बडी संख्या में ऑटो पहुंच जाते हैं।

ठगों पर लगेगा अंकुश, गोवर्धन के पलसों के समीप बनेगा साइबर थाना

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। जनपद के राजस्थान और हरियाणा के मेवात क्षेत्र से सटे गांवों में टटलू और ऑनलाइन साइबर ठगी पर अंकुश लगाने को गोवर्धन क्षेत्र के गांव पलसों के समीप साइबर थाना बनाने को जमीन चिन्हित कर ली गई है फिलहाल मथुरा स्थित रांची बांगर में साइबर थाना संचालित है। गुरुवार को मथुरा पुलिस ने बॉर्डर के चार गांवों में संघन चैकिंग अभियान चलाया था। करीब तीन दर्जन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इतने बडे पैमाने पर चलाये गये ऑपरेशन के बाद अब लोगों का ध्यान इस ओर गया है। राजस्थान की सीमा से सटे इन गांवों में ठगी का लम्बे समय से धंध चलता रहा है। अब यह साइबर ठगों का ठिकाना बन गया है। गोवर्धन बरसाना कोसीकलां क्षेत्र के हरियाणा के मेवात और राजस्थान से सीमा से सटा हुआ है। साइबर अपराध करने वाले तत्वों की गोवर्धन, बरसाना कोसीकलां और शेरगढ़ क्षेत्र में पैंठ बनी रही है। बताते चलें कि इन क्षेत्र में पिछले करीब कई दशक से लोगों को सोने की ईद सस्ते में बेचे से लेकर ऑनलाइन साइबर ठगी का करने वाले शातिरों के संपर्क मेवात के ठगी करने वालों से हैं। टटलू और ऑनलाइन साइबर ठगी करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाने को शासन ने गंभीरता से लेते हुए टटलूओं पर और ऑनलाइन साइबर ठगी करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में साइबर थाना स्वीकृत किया था।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से हटाये 58836 मतदाता

मथुरा। मथुरा जनपद की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची का वेरिफिकेशन का पूरा हो गया है। अब जपनद की मतदाता सूची से 58836 मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। इनका कोई भी रिकार्ड जांच के दौरान नहीं मिला। संदेहात्मक 231128 मतदाताओं में से 172283 मतदाताओं के नाम सत्यापन के दौरान वेरीफाई हो गए हैं। जनपद में विगत दिनों जिले की 495 ग्राम पंचायतों में बीएलओ के माध्यम से घर घर जाकर वर्ष 2003 की मतदाता सूची के आधार पर ग्राम पंचायत, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य चुनाव के लिए मतदाता सूची का सत्यापन कराया गया है।

SIR कार्य के संबंध में निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

कपिल छाबड़ा

मुरादाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की विधानसभा वार प्रगति एवं अन्य जरूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 13 दिसम्बर को प्रत्येक बीएलओ अपने बूथ पर उपस्थित रहेंगे और राजनीतिक दलों द्वारा नामित बीएलए का सहयोग प्राप्त करते हुए मतदाता सूची के अनुसार एएसडी एब्सेंट, सिफ्टेड, डूब्लीकेट नामों का पुनः सत्यापन किया जाएगा ताकि यदि त्रुटिवश किसी मतदाता का नाम शामिल होने से छूट रहा हो तो निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए नाम शामिल कर लिया जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि एएसडी एब्सेंट, सिफ्टेड, डूब्लीकेट मतदाताओं के रूप में चिन्हित नामों की सूची बूथ पर मौजूद बीएलओ के पास उपलब्ध रहेगी साथ ही मुरादाबाद की आधिकारिक वेबसाइट moradabad.nic.in पर भी आमजन की सुविधा और जानकारी के लिए उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि आयोग स्तर से स्पष्ट निर्देश हैं कि वास्तविक मतदाता का नाम किसी भी दशा में नहीं छूटना चाहिए साथ ही नियमानुसार प्रत्येक मतदाता का सत्यापन भी हो जाए। नए मतदाता के रूप में मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए भी बीएलओ से फार्म-6 प्राप्त किया जा सकता है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाता के परिजन भी नियमानुसार गणना पत्र भरकर जमा कर सकते हैं परंतु नए मतदाता के रूप में नाम शामिल कराने के लिए निर्धारित फार्म-6 को स्वयं आवेदक को भरकर जमा करना होगा। बैठक के दौरान उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एसआईआर को लेकर शंकाओं का समाधान भी किया और कहा कि राजनीतिक दल अपने बूथवार नामित बीएलए के माध्यम से एएसडी के रूप में चिन्हित नामों का पुनः सत्यापन कराने में सहयोग करें।

डीआईजी और एसएसपी ने पुलिस लाइन्स में की समीक्षा बैठक

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद।शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स सभागार में महिला सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता डीआईजी मुनिराज ने की, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, सभी राजपत्रित अधिकारी, जनपद के सभी थाना प्रभारी तथा मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान मिशन शक्ति केन्द्रों में संचालित रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक केंद्र पर दर्ज होने वाली शिकायतों का रिकॉर्ड स्पष्ट, अद्यतन एवं व्यवस्थित होना चाहिए, ताकि किसी भी मामले की मॉनिटरिंग और आगे की कार्रवाई में देरी न हो।डीआईजी मुनिराज ने महिला अपराधों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति दोहराते हुए कहा कि ऐसे मामलों में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कठोर निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि थानों में महिला शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया समयबद्ध हो और पीड़िताओं को त्वरित सहायता प्रदान की जाए।बैठक में यह भी तय किया गया कि विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112 तथा चाइल्डलाइन 1098 के बारे में जनजागरूकता अभियान को और तेज किया जाए। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

सर्द मौसम में पानी से न तोडें यारी, पड सकती है भारी

मथुरा। सर्द मौसम में पानी से यारी न तोडें। पानी पीने से तौबा करना आपको भारी पड़ सकता है। खास कर ऐसे लोग जिन्हें ब्लड प्रेशर की समस्या है वह एक दो घंटे बाद पानी पीते रहें। अन्य पेय पदार्थ भी इसमें मददगार साबित होते हैं। सर्द मौसम में ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ जाता है। जिला अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों में आम दिनों की तुलना में पहुंचने वाले ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या बढ गई। सर्दी के मौसम में ब्लड प्रेसर के मरीजों की संख्या जिला अस्पताल की ओपीडी में बढ गई है। जिला चिकित्सालय के सीएमएस डा.नीरज अग्रवाल ने बताया कि सर्दी का जो सितम हो रहा है इसमें सीनियर सिटीजन और बच्चों को खास कर घर से जरूरी काम के लिए भी न निकालें।

शुरू हुई अर्धवार्षिक परीक्षाएं,15 दिसंबर तक होंगी आयोजित

मुरादाबाद। बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित सभी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 10 दिसंबर से 15 दिसंबर तक अर्धवार्षिक परीक्षाओं का शुभारंभ हो गया है। जिलेभर के कक्षा 1 से 8 तक के छात्र इन परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। परीक्षाओं के लिए निर्धारित समय-सारणी के अनुसार बच्चों को हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन के साथ-साथ उर्दू और संस्कृत विषयों की परीक्षा देनी है।शहर के इंदिरा चौक स्थित कम्पोजिट विद्यालय कटार शहीद में भी परीक्षाएं पूर्ण अनुशासन और शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित की जा रही हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कौशिक ने बताया कि बच्चों में परीक्षाओं को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कक्षाओं में बैठने से लेकर प्रश्नपत्र वितरण तक सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से लागू हैं, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो।प्रधानाध्यापक ने यह भी बताया कि परीक्षाओं को नकल-विहीन और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। शिक्षकों की निगरानी में कक्षाओं में सीसीटीवी की मदद से भी परीक्षा प्रक्रिया पर निगाह रखी जा रही है।

शादी हॉल में चली कुर्सियां, मारपीट का वीडियो वायरल

मुरादाबाद। शहर के कोतवाली क्षेत्र स्थित फील खाने के पास बिस्मिल्लाह शादी हॉल में शादी समारोह के दौरान अचानक हड़कंप मच गया, जब कुछ दबंग किस्म के लोग हॉल में घुसकर मारपीट करने लगे और जमकर कुर्सियां चली। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले सभी युवक थाना नागफनी क्षेत्र के तहसील स्कूल चौकी निहारियों मोहल्ले के रहने वाले हैं। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हॉल में पहले किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद मामला अचानक इतना बढ़ गया कि दबंगों ने कुर्सियों व स्टेज के सामान से एक-दूसरे पर हमला करना शुरू कर दिया। मारपीट में एक दर्जन से अधिक लोग शामिल दिख रहे हैं। घटना का पूरा वीडियो वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है।

रामगंगा नदी में मरी मिली मछलियां, बढ़ते प्रदूषण पर उठे सवाल

मुरादाबाद ब्यूरो

मुरादाबाद। रामगंगा नदी में प्रदूषण का खतरा एक बार फिर गंभीर रूप में सामने आया है। शुक्रवार सुबह नदी के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में मृत मछलियां तैरती मिलीं, जिसे देख स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल फैल गया। कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर भी इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह टहलने गए लोगों ने सबसे पहले नदी किनारे बड़ी संख्या में मरी मछलियों को देखा। इसके बाद आसपास के क्षेत्रों के लोग भी मौके पर पहुंचे और प्रशासन को सूचना दी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से नदी में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले रसायनिक अपशिष्ट और नालों का गंदा पानी सीधे नदी में गिरने से स्थिति और बिगड़ती जा रही है।पर्यावरण प्रेमियों ने इसे गंभीर चेतावनी बताते हुए कहा कि नदी में घुलते रसायनों के कारण जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत जांच कर जिम्मेदार इकाइयों पर कार्रवाई की मांग की है।उधर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम की टीमें घटना की जांच में जुट गई हैं। नमूनों को परीक्षण के लिए लैब में भेजा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक नदी में गिर रहे प्रदूषित पानी पर सख्ती नहीं होगी, ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आती रहेंगी।

जाट महिला महासभा ने अभिनेता धर्मेंद्र को दी श्रद्धांजलि, कहा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत

नेशनल एक्सप्रेस

मुरादाबाद। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश जाट महिला महासभा की ओर से फिल्म जगत के दिग्गज और सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जाट महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्ष अंजू लोचब ने दिवंगत अभिनेता की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि धर्मेंद्र जी न केवल भारतीय सिनेमा के महान कलाकार थे, बल्कि जाट समाज की आन-बान-शान भी रहे हैं।अंजू लोचब ने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से निकलकर धर्मेंद्र जी ने मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में जो मुकाम हासिल किया, वह संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा की मिसाल है। उनका सरल स्वभाव, मित्रवत व्यवहार और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का गुण उन्हें आम जनमानस के और करीब लाता था। उन्होंने फिल्म जगत में एक्शन, रोमांस और देशभक्ति जैसी हर विधा में अमिट छाप छोड़ी और बड़े पर्दे पर उनका आगमन हमेशा दर्शकों के लिए उत्साह का पल होता था।महासभा सदस्यों ने कहा कि धर्मेंद्र जी का जीवनचरित्र आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मजबूत स्तंभ रहेगा। उन्होंने 'मेन ऑफ मासेस' की जो उपाधि प्राप्त की, वह उनकी लोकप्रियता और जनसरोकार को दर्शाती है। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि जाट समाज सदैव उनके योगदान और व्यक्तित्व पर गर्व करता रहेगा।

मुख्य आरोपी को मझोला थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र में हुए चर्चित प्रिंस चौहान हत्याकांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पहले ही पांच आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी पुलिस ने अब इस मामले के मुख्य आरोपी प्रशांत को भी गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया, जहां मेडिकल औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दे दिए।गौरतलब है कि बीते दिनों मझोला थाना क्षेत्र के चिड़िया टोला इलाके में रात्रि के समय युवक प्रिंस चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। वारदात के बाद मृतक के पिता ने सात नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत कराया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया और लगातार जांच जारी रखी।जांच के दौरान पुलिस पहले ही हत्या में शामिल पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। लेकिन मुख्य आरोपी प्रशांत फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। पुलिस की सक्रियता रंग लाई और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक,आरोपी से घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पूछताछ की जा रही है। वहीं प्रिंस चौहान के परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताते हुए मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी को राहत की बात बताया है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है, ताकि हत्या में शामिल अन्य संभावित सहयोगियों की भूमिका भी स्पष्ट की जा सके।

फील्ड ट्रायल में फेल हुआ बाजरा का बीज, मथुरा में 472 ठगे गये

मथुरा। बाजार की हाइब्रिड किस्मों से अच्छा उत्पादन मिलता है। इसी कड़ी में मथुरा जनपद में भी श्रीराम बायो सीट्स जेनेटिक्स लिमिटेड हैदराबाद की हाइब्रिड बायो 8145 किस्म का 50 कुंतल बीज मंगाया गया। इस बीज को जिन 472 किसानों ने लगाया उनकी फसल नहीं उगी। बीज की सैंपलिंग और नमूनों फेल होने के बाद जिला कृषि अधिकारी ने कंपनी के खिलाफ थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गत मई माह में जनपद के 10 ब्लाकों पर स्थित कृषि रक्षा इकाइयों के माध्यम से कंपनी के प्रतिनिधियों ने इस बीज को बेचा ।बीज विक्रय भी सरकारी अनुबंध के तहत ही हुआ। बीज की आपूर्ति राष्ट्रीय बीज निगम के माध्यम से की गई लेकिन 3 जून को ही विभाग के पास बीज के अंकुरित ना होने की शिकायत आने लगी। आनन- फानन में बीज की बिक्री रोकी जाती तब तक 28 कुंतल बिक चुका था। एक दर्जन किसानों की शिकायतों के आधार पर जिला कृषि अधिकारी ने जगह-जगह से बीज के नमूने लिए। इन्हें प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा गया तो जमाव में बीज का नमूना फेल आया। इससे किसानों की शिकायत पुष्ट हो गई।

अंतराज्यीय चोर से छह चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस टीम ने एक अंतर्जनपदीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से छह चोरी की मोटर साइकिल बरामद की गई हैं। थाना रिफाइनरी पुलिस ने मध्यरात्रि को एनएच 19 बाद रेलवे पुल के पास पुरानी बिल्डिंग के पास से मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान अभियुक्त सचिन पुत्र दशरथ निवासी साधन थाना अछनेरा जनपद आगरा को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। जिसकी निशानदेही पर अभियुक्त के कब्जे से 6 मोटरसाइकिल बरामद कीं। मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स जिसके सम्बन्ध में थाना रिफाइनरी पर तथा मोटरसाईकिल स्पलेन्डर प्लस रंग ब्लैक ग्रे जिसके सम्बन्ध में थाना सादाबाद जिला हाथरस में मुकदमा पंजीकृत है। मोटरसाइकिल स्पलेन्डर प्लस जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली मथुरा पर, मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स जिसके सम्बन्ध में थाना हाईवे मथुरा पर, मोटरसाइकिल स्पलेन्डर जिसके सम्बन्ध में थाना जगदीशपुरा आगरा पर, मोटरसाइकिल स्पलेन्डर जिसके सम्बन्ध में थाना चिकसाना भरतपुर, राजस्थान पर अभियोग पंजीकृत है तथा बरामद मोटरसाइकिल के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अजय वर्मा थाना रिफाइनरी, एसआई शलोकेन्द्र सिंह, एसआई शरोहित उज्ज्वल थाना रिफाइनरी, एसआई सावेज चौधरी रीवार्डेड टीम आदि पुलिसकर्मी शामिल थे।

विकास प्राधिकरण की सख्त कार्रवाई: 40 बीघा पर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, भविष्य में कड़ी चेतावनी

मुरादाबाद। उपाध्यक्ष अनुभव सिंह (आईएएस) के सख्त निर्देशों पर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने अवैध प्लाटिंग और अनधिकृत निर्माण कार्यों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। इस कार्रवाई में वाद संख्या 511/22 के तहत राजेंद्र सिंह, नेतराम, राशि दास और अनूप द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग को निशाना बनाया गया। जांच में करीब 40 बीघा भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग का खुलासा हुआ, जिसे टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को सुबह ही संदिग्ध स्थल का निरीक्षण शुरू किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपी भूमि मालिकों ने बिना किसी मानचित्र स्वीकृति के जमीन को छोटे-छोटे प्लॉटों में बांटकर बेचने की प्रक्रिया तेज कर दी थी। यह कार्य शहर के नियोजित विकास के लिए गंभीर खतरा बन चुका था। टीम ने न केवल प्लाटिंग की संरचनाओं को जमींदोज किया, बल्कि आगे की सभी गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया। उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने कहा, ₹शहर का सुव्यवस्थित विकास हमारी प्राथमिकता है।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
43
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते हैं।
7080333338 011-49065569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-561, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001
Instagram
facebook

धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी बची रहेगी सृष्टि : योगी आदित्यनाथ

बाराबंकी, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को किसानों से कहा कि धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी सृष्टि बची रहेगी।

बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर नामक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रबी सत्र की किसान पाठशाला की शुरुआत करते हुए कहा कि "धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी।" खेत पर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति, बहुफसली खेती, तकनीकी नवाचार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इसके लिए अनेक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नेशनल विजन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के जिस अभियान को आगे बढ़ाया है ये उसी कड़ी का हिस्सा है।

योगी ने कहा, " वे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) हमेशा कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र है लागत कम हो तथा उत्पादन ज्यादा हो। अन्नदाता किसान को समय पर बीज, खाद, सिंचाई की सुविधाएं तथा वैज्ञानिक पद्धतियों का सहयोग मिले तो ये संभव है।"

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों का सम्मान भी किया गया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी किसानों को चेक व स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर प्रदर्शनी में उन्नत किस्मों की फसलों, सब्जियों, कृषि यंत्रों और एफपीओ आधारित नवाचारों का अवलोकन भी किया गया, जबकि दौलतपुर की उन्नत खेती के मॉडल को प्रदेश के अन्य जनपदों के लिए प्रेरणा बताया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 25 करोड़ लोग निवास करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में राज्य ने समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उर्वर भूमि, पर्याप्त जल संसाधन और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण राज्य कृषि और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बना है।

योगी के अनुसार देश की कुल कृषि योग्य भूमि में उत्तर प्रदेश का हिस्सा 11 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय खाद्यान्न आपूर्ति में प्रदेश का योगदान 21 प्रतिशत है। सरकार ने किसानों को बीज से लेकर बाजार तक आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी सुनिश्चित की है। स्वॉइल हेल्थ कार्ड, फसल बीमा, गन्ना भुगतान, कृषि मंडियों के विस्तार तथा स्टोरेज और प्रोसेसिंग सुविधाओं ने किसानों को लाभ पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौ भौगोलिक जलवायु क्षेत्र हैं और इनके अनुरूप उन्नत बीज तथा तकनीक उपलब्ध कराने पर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से पहले की तुलना में आज रिकॉर्ड उत्पादन और पारदर्शी व्यवस्था ने प्रदेश की प्रगति को नयी दिशा दी है।

लखनऊ में सर्वाधिक 'रूफटॉप' सोलर प्रणाली स्थापित

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक छतों पर 62,271 सौर प्रणाली लगायी जा चुकी हैं। यह राज्य के किसी भी जिले से सबसे अधिक है।

एक सरकारी बयान के मुताबिक इसके साथ पूरे राज्य में तीन लाख से अधिक सौर प्रणाली लगायी जा चुकी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर लखनऊ जिला प्रशासन, यूपीनेडा और वितरण कंपनियों के सहयोग से 62,271 सौर प्रणाली लगाई जा चुकी हैं। बयान के अनुसार, लखनऊ की यह सफलता अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बन रही है और सौर ऊर्जा को घर-घर पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रही है। लखनऊ के बाद वाराणसी में छतों पर 26,208, कानपुर नगर में 18,562, बरेली में 12,952 और आगरा में 11,033 सौर प्रणाली स्थापित की जा चुकी हैं। प्रयागराज (9,719), रायबरेली (8,616), झांसी (7,674), बाराबंकी (6,477) और गोरखपुर (6,262) जैसे जिलों ने भी राज्य सरकार की योजना को मजबूती प्रदान की।

अखलाक मामले को वापस लेने के लिए उप्र सरकार की याचिका पर सुनवाई 18 दिसंबर को

नोएडा, (भाषा) उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर स्थित एक त्वरित अदालत ने दादरी में मोहम्मद अखलाक को 2015 में पीट-पीटकर मार डालने का मामला वापस लेने के लिए राज्य सरकार के आवेदन पर सुनवाई के वास्ते 18 दिसंबर की तारीख तय की है। अधिकारियों और पीड़ित परिवार के वकील ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप वापस लेने का अनुरोध किया है।

यह मामला जारचा पुलिस थानाक्षेत्र के बिसाहड़ा गांव में अखलाक के घर में गोमांस रखे होने की अफवाह को लेकर उसकी हत्या किये जाने से संबंधित है।

यह मामला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत के समक्ष आया, जहां अभियोजन पक्ष ने सूचित किया कि उसने राज्य के न्याय विभाग-5 (आपराधिक), लखनऊ द्वारा 26 अगस्त को जारी एक आदेश के अनुपालन में मामला वापस लेने की याचिका दायर की है।

पीड़ित परिवार के वकील यूसुफ सैफी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''अदालत ने मोहम्मद अखलाक को भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मार डालने के आरोपियों के खिलाफ मामला वापस लेने की अर्जी पर सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख तय की है।''

अधिकारियों के अनुसार, सरकार और अभियोजन के संयुक्त निदेशक के निर्देशों के बाद सहायक जिला सरकारी अधिवक्ता (आपराधिक) द्वारा मामला वापस लेने का आवेदन दायर किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, आवेदन में सामाजिक सद्भाव की बहाली को मामला वापस लेने का कारण बताया गया है।

गौतमबुद्ध नगर के दादरी क्षेत्र के बिसाहड़ा गांव निवासी 52-वर्षीय अखलाक को 28 सितंबर, 2015 को भीड़ ने कथित तौर पर घर में गोमांस रखे होने के संदेह में पीट-पीटकर मार डाला था।

इस मामले की सुनवाई यहां की एक त्वरित अदालत में चल रही है और फैसले का इंतजार है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष का प्रतिनिधि बनकर आए व्यक्ति को उपमुख्यमंत्री आवास से गिरफ्तार किया

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सरकारी आवास पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का प्रतिनिधि बनकर आए एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान दशरथ पाल के रूप में हुई है, जो गौतमबुद्ध नगर जिले के दादरी पुलिस थाने के तहत होड़ी बछेड़ा गांव का रहने वाला है।

पुलिस ने बताया कि उसने सचदेवा का प्रतिनिधि होने का दावा किया तथा वह कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बातचीत के दौरान मौर्य की टीम को शक हुआ और उन्होंने उस व्यक्ति से पूछताछ की तो पता चला कि वह किसी भी तरह से दिल्ली भाजपा अध्यक्ष से जुड़ा नहीं था।

मौर्य ने तुरंत सुरक्षाकर्मियों को उसे हिरासत में लेने का निर्देश दिया और उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि पाल ने कथित तौर पर नोएडा, बुलंदशहर, मेरठ और लखनऊ में धोखाधड़ी की थी।

मौर्य ने इस घटना के बारे में सचदेवा को भी सूचित किया और कहा कि सरकार की छवि खराब करने या जनता को गुमराह करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मौर्य ने कहा, ''जो लोग सरकार या संगठन की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, या लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे तत्वों को किसी भी स्तर पर बख्शा नहीं जाएगा।''

उन्होंने दोहराया कि सुशासन, पारदर्शिता और कानून व्यवस्था राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं बनी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ के गौतम पल्ली थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

बलिया में स्कूल वैन की चपेट में आने से दो साल की बच्ची की मौत

बलिया (उत्तर प्रदेश), (भाषा) उत्तर प्रदेश के बलिया में शुक्रवार सुबह एक स्कूल वैन की चपेट में आने से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मृतक की पहचान बुधिया पासवान के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, नारायणगढ़ गांव के पास एक निजी स्कूल के चार पहिया वाहन ने बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

रेवती थाने के प्रभारी राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची, वाहन को जब्त कर लिया गया और बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

सिंह ने बताया कि बच्ची के पिता आल्हा पासवान की शिकायत के आधार पर चालक राजेश यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन कब्जा करने वाले को ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार

- 50 से अधिक मुकदमों में जांच जारी

गोंडा।जिले में व्यापक पैमाने पर हुए जमीन घोटाले के संबंध में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन की कार्रवाई जारी है।इसी क्रम में फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीनों पर कब्जा करने के आरोप में राम कैलाश पांडेय को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने गोंडा के निबंधन कार्यालय सदर में अधिकारियों व कर्मचारियों की मिली भगत से छेड़छाड़ कर फर्जी अभिलेख तैयार किये थे।राम कैलाश पांडेय के खिलाफ लखनऊ के एस आई टी थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और फर्जीवाड़े सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

इस मामले की जांच लखनऊ एस आई टी व आर्थिक अपराध संगठन उत्तर प्रदेश द्वारा की जा रही है।इस मामले में विगत चार महीने में कई अन्य गिरफ्तारियां हुई हैं।इनमें 12 अगस्त को सरजू प्रसाद,7 अक्टूबर को मसरूर अहमद,9 अक्टूबर को शिव शरण पांडेय और 4 नवंबर को अंबिका प्रसाद शामिल हैं और अब फरार चल रहे राम कैलाश पांडेय को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।इस जमीन फर्जीवाड़े का खुलासा देवीपाटन मंडल के तत्कालीन पुलिस उपमहानिरीक्षक उपेंद्र अग्रवाल के कार्यकाल में हुआ था।

उन्होंने एक टीम गठित कर जांच कराई थी जिसमें 50 से अधिक जमीन घोटाले के मामले सामने आए थे।इन सभी मामलों को लेकर गोंडा के नगर कोतवाली में चार दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज किये गए थे।जिसकी जांच अब एस आई टी लखनऊ व आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन उत्तर प्रदेश को सौंप दी गई है

पीलीभीत में आधार-पैन दर्ज करते ही युवक के खाते से एक लाख गायब, साइबर ठगी की जांच में जुटी पुलिस

पीलीभीत (उप्र), (भाषा) उत्तर प्रदेश में पीलीभीत जिले के गजरौला थाना क्षेत्र में आधार-पैन दर्ज करते ही खाते से एक लाख रुपये गायब होने के बाद एक युवक ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

गजरौला थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) ब्रजवीर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात ठगों के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ठगों की पहचान के लिए जांच के दौरान साइबर पुलिस की भी मदद ले रही है।

पुलिस ने बताया कि युवक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि व्हाट्सऐप पर आए एक अनजान लिंक पर आधार और पैन नंबर जैसी निजी जानकारी दर्ज करने के कुछ दिनों बाद, उसके बैंक खाते से कुल एक लाख रुपये निकाल लिए गए।

पुलिस के अनुसार गजरौला थाना क्षेत्र के देवीपुरा गांव निवासी नीरज कुमार का सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की पीलीभीत शाखा में खाता है। पुलिस के अनुसार नीरज ने अपनी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उनके व्हाट्सऐप नंबर पर एक मित्र के नाम से एक लिंक आया था। पुलिस के अनुसार नीरज ने अपनी शिकायत में बताया कि भरोसा करके नीरज ने लिंक खोला और उसमें मांगी गई निजी जानकारी, जिसमें आधार और पैन नंबर भी शामिल थे, दर्ज कर दी।

पुलिस ने नीरज की शिकायत के हवाले से बताया कि जानकारी दर्ज करने के तीन दिन बाद नौ नवंबर को नीरज के मोबाइल पर खाते से रुपये निकलने के संदेश आने लगे।

लखनऊ में युवती ने फेसबुक पर 'लाइव' आकर फंदा लगाया, मौत

लखनऊ, (भाषा) लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय एक युवती ने फेसबुक पर 'लाइव' आकर कथित तौर पर फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

विभूति खंड थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि युवती मूलरूप से आंबेडकर नगर जिले की रहने वाली थी और लखनऊ में किराए के कमरे में रहती थी।

युवती ने आंबेडकर नगर जिले के एक स्थानीय पत्रकार के खिलाफ तथा सेना में कार्यरत एक व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज कराया था।

सेना के व्यक्ति पर आरोप था कि उसने शादी का झांसा देकर करीब पांच से सात महीने तक उसे धोखा दिया।

पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे युवती फेसबुक पर 'लाइव' आईं। इसकी सूचना मेटा ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि कमरा अंदर से बंद था, इसलिए दरवाजा तोड़ने में समय लगा।

युवती को तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि लाइव वीडियो में युवती को यह कहते सुना जा सकती है कि वह नाटक नहीं कर रही, बल्कि वास्तव में आत्महत्या कर लेगी।

हालांकि, उसने किसी का नाम नहीं लिया।

ईडी ने उत्तर प्रदेश से संबंधित अवैध कफ सिरप मामले में विभिन्न राज्यों में छापे मारे

लखनऊ, (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश में अवैध कफ सिरप के व्यापार से जुड़े कथित गिरोह के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले की जांच के तहत शुक्रवार को विभिन्न राज्यों में छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर व सहारनपुर के अलावा झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में 25 स्थान पर छापे मारे गए।

एजेंसी ने कथित अवैध व्यापार की जांच के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। ईडी अधिकारियों के अनुसार, फरार मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल और उसके कथित सहयोगियों आलोक सिंह, अमित सिंह और कुछ अन्य लोगों, कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) विष्णु अग्रवाल से जुड़े ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोडीन-युक्त कफ सिरप (सीबीसीएस) के दुरुपयोग, उनके अवैध उत्पादन, व्यापार और आपूर्ति से संबंधित घटनाओं पर संज्ञान लिया था, जिसके बाद पुलिस ने 30 से अधिक प्राथमिकियां दर्ज कीं। इन प्राथमिकियों के आधार पर ईडी ने कार्रवाई की है।

ईडी अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में अपराध से अर्जित कुल कमाई करीब 1,000 करोड़ रुपये है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के दुबई भाग जाने की आशंका है, जबकि उसके पिता को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

उ प्र में सपा की सरकार आई तो ग़रीब महिलाओं को साल में 40 हज़ार रुपये देंगे: अखिलेश यादव

लखनऊ, (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को घोषणा की है कि अगर 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की सरकार बनेगी तो वह वर्ष भर में गरीब महिलाओं को 40 हजार रुपये की सहायता देंगे।

समाजवादी पार्टी के आधिकारिक 'एक्स' खाते पर यादव के हवाले से कहा गया, '' राज्य में सपा की सरकार आई तो हम ग़रीब महिलाओं को साल में 40 हज़ार रुपये देंगे।''

यादव ने एक समाचार चैनल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली सपा सरकार ने महिलाओं के लिए समाजवादी पेंशन योजना शुरू की और इसके तहत हर माह 500 रुपये दिये गये थे। उन्होंने कहा, ''2027 के विधानसभा चुनाव के बाद अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीब माताओं और बहनों को सालाना 40,000 रुपये दिए जाएंगे।''

इस योजना की व्यावहारिकता पर यादव ने कहा कि ज़रूरी फंड बड़े उद्योगपतियों से बकाया वसूल करके जुटाये जाएंगे।

सपा प्रमुख ने 'एक्स' पर मौलानाओं से मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''भारतीय संस्कृति की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की विराट वैश्विक भावना मिलने-जुलने और मेल-मिलाप से ही फलीभूत होती है।"

नोएडा हवाई अड्डा यात्रियों को उत्तर प्रदेश की विरासत और भारतीय संस्कृति की झलक देगा

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, (भाषा) उद्घाटन के लिए तैयार नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) को भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह यात्रियों को आगमन के क्षण भर में ही राज्य की पहचान का अहसास कराएगा। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य सत्कार के संयोजन से एनआईए अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ एक सहज, आरामदायक और विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव का वादा करता है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त सीईओ शैलेंद्र कुमार भाटिया ने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश और भारत की वैश्विक छवि को निखारेगा।

उन्होंने कहा, ''एनआईए यात्रियों को हर चरण में तेज, सुगम और यादगार यात्रा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री स्वयं प्रगति की निगरानी कर रहे हैं और हाल ही में कार्य की समीक्षा करने और निर्देश देने के लिए साइट का दौरा किया।''

आजमगढ़, वाराणसी, बरेली में एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रति जनता को जागरुक करने और अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते आजमगढ़, वाराणसी व बरेली में जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। एक बयान में यह जानकारी दी गई।

योगी ने इन बैठकों में सहयोग, सुझाव तथा सतत संवाद की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर यह सुनिश्चित करें कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल हो सके।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अपात्र नामों का समय पर परीक्षण और आवश्यक सुधार लोकतंत्र की पारदर्शिता को सुदृढ़ करते हैं।

गाजियाबाद में युवक की गोली मारकर हत्या पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद (उप्र), 12 दिसंबर (भाषा) गाजियाबाद के अंकुर विहार थानाक्षेत्र में कथित तौर पर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि बृहस्पतिवार रात डीएलएफ अंकुर विहार कॉलोनी निवासी शिवम उर्फ लालू (19) को बाइक पर आए तीन युवकों ने गोली मार दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस उसे पास के अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शिवम अपने पिता की मृत्यु के बाद एक कारखाना संचालित कर रहा था। एसीपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस दल तैनात किए गए हैं और हत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

300 रुपये न मिलने पर पत्नी दी जान, पेड़ से लटकता मिला शव; 200 रुपये देने पर पति से थी नाराज

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा।जिले के देहात कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवतपुर गांव में 28 वर्षीय रीता पांडेय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।उसका शव घर से कुछ दूरी पर स्थित एक शीशम के पेड़ से लटकता मिला।घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार रीता ने यह कदम पति अभय पांडेय से 300 रुपये न मिलने पर उठाया।अभय पांडेय रात में बोलेरो चलाकर घर लौटा तो रीता ने उससे पैसे मांगे जिस पर अभय ने अपनी जेब से 300 रुपये में से 200 रुपये दिये, जबकि रीता पूरे 300 रुपये की मांग कर रही थी।इसी बात को लेकर पति पत्नी में विवाद हुआ और इसके बाद रीता घर से बाहर चली गई तथा देर रात तक घर न लौटने पर घर वालों ने उसकी तलाश की परन्तु घने कोहरे के कारण उसका पता नहीं चल सका।अगले दिन सुबह कोहरा छटने पर परिजनों को रीता का शव घर से कुछ ही दूरी पर शीशम के पेड़ से साड़ी के सहारे लटका मिला।परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना देहात कोतवाली पुलिस को दिया।मृतका रीता पांडेय के पिता ने पति अभय पांडेय समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज न मिलने पर हत्या करने का आरोप लगाते हुये तहरीर दिया है।देहात कोतवाली पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले के जांच में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि कटरा बाजार थाना क्षेत्र के समदरिया बिकारवा गांव के रहने वाले राम राखन ने अपनी लड़की रीता पांडेय की शादी छः वर्ष पूर्व चंदवतपुर गांव के रहने वाले अभय पांडेय के साथ किया था।शादी के कुछ दिन के बाद से ही इन दोनों के बीच कभी खाना खाने को लेकर तो कभी खाना बनाने को लेकर आए दिन विवाद होता रहता था।वहीं मृतका के ससुर गोकुल पांडेय ने बताया कि चार महीना पहले भी घर पर फांसी लगा रही थी परन्तु हम लोगों ने बचा लिया था और पुलिस को सूचना भी दिया था।बाद में वह गोंडा जाकर अपने पति के साथ रह रही थी लेकिन तबियत खराब होने के कारण वापस यहीं आ गई थी।वहीं देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि मृतका रीता पांडेय के पिता राम राखन ने पति अभय पांडेय, ससुर गोकुल पांडेय,देवर शुभम पाण्डेय व ननद शुभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को लेकर तहरीर दिया है जहाँ मुकदमा दर्ज करके पूरे मामले की जांच क्षेत्राधिकारी को सौंपी गई है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।फिलहाल मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

टूण्डला पुलिस ने 150 बोरी सोडा ऐश चोरी का किया खुलासा, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस

टूण्डला। चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए थाना टूण्डला पुलिस ने वांछित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 150 बोरी सोडा ऐश तथा घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद कर लिया है। चोरी व लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चल रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी टूण्डला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस सफलता को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में अनूप पुत्र हरिप्रसाद निवासी नगला भिकी थाना जसराना (ट्रक चालक), ब्रजेश पुत्र अमर सिंह निवासी महावीर नगर थाना दक्षिण (ट्रक मालिक) और जुबैर पुत्र सफीक निवासी नकार्सी टोला बाजे वाली गली थाना दक्षिण शामिल हैं।

चोरी के माल सहित आरोपी साथ में पुलिस टीम।

कैसे हुई वारदातः 10 दिसंबर 2025 को पीड़ित ने थाना टूण्डला में तहरीर दी थी कि उसने अशोक केमिकल फिरोजाबाद से सोडा ऐश की 800 बोरी खरीदी थीं, जो सप्लायर द्वारा ट्रक संख्या UP75M3915 से भेजी गई थीं। गाड़ी खाली करते समय गिनती में 150 बोरी कम पाई गईं। इसके बाद ड्राइवर और लेबर ठेकेदार मौके से फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाना टूण्डला में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम ने जांच शुरू की।

गिरफ्तारी व बरामदगीः पुलिस ने अनूप और ब्रजेश को 11 दिसंबर को जरोली कट, थाना टूण्डला से दोपहर 3 बजे गिरफ्तार किया, जबकि जुबैर को इंडियन वर्क्स फैक्ट्री, थाना दक्षिण क्षेत्र से लगभग 3:40 बजे पकड़ा गया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 150 बोरी सोडा ऐश और घटना में प्रयुक्त ट्रक UP75M3915 बरामद किया गया।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अरविंद कुमार, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र शर्मा, हेड कांस्टेबल नेत्रपाल तथा कांस्टेबल रजनेश कुमार, रोहित कुण्डु, भूरी सिंह और आशीष ठेनुआ शामिल रहे। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

फिरोजाबाद में मंदिर के दानपात्र से नकदी चोरी

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। जनपद के कोटला रोड स्थित नगला करन सिंह में काशी विश्वनाथ महादेव मंदिर में अज्ञात चोरों ने दानपात्र का ताला तोड़कर भारी नकदी चोरी कर ली। चोर रात में दानपात्र से 500, 200, 100 और 50 रुपये के नोट निकाल ले गए, जबकि 10-20 रुपये के नोट और सिक्के वहीं छोड़ दिए। मंदिर कमेटी के अनुसार दानपात्र पिछले दो वर्षों से नहीं खोला गया था। मौके से दानपात्र तोड़ने में प्रयुक्त हथौड़ी भी बरामद हुई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। घटना से श्रद्धालुओं में आक्रोश है।

ऑपरेशन कन्विंक्शन में हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

नेशनल एक्सप्रेस/ क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन कन्विंक्शन के तहत मटसेना थाना क्षेत्र के बहुचर्चित हत्या कांड में आरोपी भूरा उर्फ भूरी सिंह को आजीवन कारावास और 1 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

घटना 4 फरवरी 2020 की है, जब ग्राम जमालपुर निवासी अजय कुमार की पुरानी रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पिता रामसहाय की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने मात्र 85 दिनों में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए एसओजी व सर्विलांस की दो टीमों का गठन किया गया था। प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर 12 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई। सजा दिलाने में निरीक्षक राजेश कुमार, अभियोजक अवधेश कुमार शर्मा, पुलिस मॉनिटरिंग सेल व पैरोकार हैडकांस्टेबल मुकेश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगला सदासुख गुदाऊ में कुएं में गिरे कुत्ते के बच्चों को ग्रामीणों व पुलिस ने बचाया

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार क्षेत्र के नगला सदासुख गुदाऊ गांव में मानवता की मिसाल देखने को मिली। गांव में बंद पड़े एक कुएं में चार कुत्ते के बच्चे गिर गए। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया। इसी दौरान गांव की रहने वाली सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष इंद्रवती यादव को सूचना मिली, तो वे तुरंत मौके पर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो पिल्ले कुएं में अंदर फंसे रह गए। कड़ी मशक्कत के बाद भी जब उन्हें बाहर निकालना संभव नहीं हुआ, तो उन्होंने थाना लाइनपार पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और लगातार प्रयास कर कुएं में फंसे दोनों बच्चों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ग्रामीणों ने पुलिस व इंद्रवती यादव के इस मानवीय प्रयास की सराहना की।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 62 जोड़ों ने लिए सात फेरे

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद । जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 62 जोड़े एक दूसरे के जीवनसाथी बने। कार्यक्रम ने सामाजिक सद्भाव और एकता की मिसाल पेश की। समारोह में 47 हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरूआत की, जबकि 15 मुस्लिम जोड़ों ने धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार निकाह किया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर की महापौर कामिनी राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह और सदर विधायक मनीष असीजा ने शिरकत की अतिथियों ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में शासन की ओर से टेंट, भोजन सहित सभी व्यवस्थाएँ बेहतर ढंग से की गईं। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का सामान एवं कुल 1,00,000 की सहायता राशि प्रदान की गई, जिससे उनके नए जीवन की शुरूआत को मजबूती मिली। विवाह संपन्न होने के बाद सभी जोड़ों को शुभकामनाओं के साथ विदा किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने इस आयोजन को जिले में सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाला अनुकरणीय प्रयास बताया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने पत्रकार हित में विधायक प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को प्रदेशभर में तहसील स्तर पर पत्रकारों के हित से जुड़े मांगपत्र क्षेत्रीय विधायकों को सौंपे गए। इसी क्रम में टूंडला तहसील इकाई के अध्यक्ष विमल किशोर के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने विधायक प्रेम पाल धनगर की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि सतेंद्र बघेल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में तहसील स्तर पर संवाददाताओं को मान्यता देने हेतु शासनादेश में संशोधन, पत्रकार हितों की रक्षा के लिए स्थायी समितियों का गठन, ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड व रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा, प्रदेश स्तर की पत्रकार मान्यता समितियों में एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को शामिल करने, लखनऊ में कार्यालय हेतु भवन उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण पत्रकार आयोग के गठन की मांगें प्रमुख रहीं। साथ ही पत्रकारिता के दौरान उत्पन्न विवादों में एफआईआर से पहले सक्षम अधिकारी से जांच कराने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला उपाध्यक्ष फिरोजाबाद सोमेंद्र पोनिया, तहसील अध्यक्ष विमल किशोर, महासचिव योगेंद्र चौधरी, कोषाध्यक्ष राकेश गौतम, कैलाश चंद्र, कपिल देव, धीरज बघेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

फिरोजाबाद को मिला दूसरा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

- 25 करोड़ की लागत से करहरा (सिरसागंज) में बनेगा अत्याधुनिक स्कूल

फिरोजाबाद। राज्य सरकार ने शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सिरसागंज तहसील के करहरा में 25 करोड़ रुपये की लागत से दूसरा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। जसराना तहसील के कुलखड़ीत के बाद यह जनपद का दूसरा ऐसा स्कूल होगा।

करीब 5 एकड़ भूमि पर बनने वाले इस आवासीय विद्यालय की क्षमता 2500 विद्यार्थियों की होगी। स्कूल में प्री-प्राइमरी से इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं चलेंगी। फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी की आधुनिक प्रयोगशालाएं, बड़ा पुस्तकालय, डिजिटल एजुकेशन सिस्टम, स्मार्ट क्लासेस तथा खेल सुविधाएं (बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन कोर्ट) उपलब्ध कराई जाएंगी।

बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पांडे ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय करहरा को अपग्रेड किया जाएगा और डीपीआर व एस्टीमेट तैयार हो चुके हैं। पहली किश्त के रूप में 50% धनराशि जल्द जारी की जाएगी। उम्मीद है कि विद्यालय का निर्माण अगले शैक्षिक सत्र तक पूरा हो जाएगा। स्कूल में मेस, डाइनिंग हॉल और मल्टीपल हैंडवॉश यूनिट सहित सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

शिकोहाबाद पुलिस ने दो बाल अपचारियों को चोरी की दो बाइक सहित पकड़ा

नेशनल एक्सप्रेस/ क्राइम रिपोर्टर ।शिकोहाबाद। अपराधियों पर लगाम कसने के लिए चल रहे अभियान के तहत थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने दो बाल अपचारियों को चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ पकड़ा। मुखबिर की सूचना पर नौशहरा तिराहे से असुआ रोड की ओर जाते हुए उन्हें अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से एक लाल रंग की होंडा मोटरसाइकिल और बिना नंबर प्लेट की काले रंग की स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद की। मामले में थाना शिकोहाबाद पर मुकदमा संख्या 843/2025 धारा 317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई जारी है।

निशुल्क नेत्र शिविर में बुजुर्गों की आंखों की जांच

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो । टूण्डला। जवाहरपुर कातिकी में जीवन कुंवर आईकेयर सेंटर की ओर से निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों का मोतियाबिंद ऑपरेशन निःशुल्क कराने की व्यवस्था की गई, जबकि आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों का फेंको विधि से हाइड्रोफोलिक लेंस लगाकर बिना शुल्क उपचार किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख पदम सिंह व भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार बिन्नू ने फीता काटकर किया। डॉ. गौरव चौहान, डॉ. देवेंद्र सिंह राघव व ब्रजराज सिंह सिसोदिया ने मरीजों की जांच कर दृष्टि सुधार हेतु आवश्यक परामर्श दिया। लल्लू भैया व स्थानीय टीम के सहयोग से आयोजित यह शिविर क्षेत्रीय जनता के लिए लाभकारी साबित हुआ।

युवती ने लगाया छेड़खानी एवं पिटाई करने का आरोप

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । जसराना। थाना के एक गांव निवासी युवती ने गांव के ही पांच लोगों पर छेडखानी करने एवं पिटाई करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। युवती का कहना है कि गांव में बरात आई थी। बरात में शामिल होने के लिए उसके बहनोई भी आए थे। इसी दौरान किसी बात पर विवाद होने पर आरोपियों ने उनकी पिटाई लगा दी। विरोध करने पर आरोपी उसको एक कमरे में खींचकर ले गए और छेडखानी करने लगे और पिटाई लगा दी। बाद में चाची एवं मम्मी के आने पर आरोपी भाग गए। युवती की तहरीर पर पुलिस ने कुलदीप, अंकेश, अभिषेक, राजो, भूरिया निवासी मचन थाना जसराना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

चलती बाइक में आग लगने से मची भदगड़

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर । जसराना। घर से बाजार में खरीददारी करने आए युवक की चलती बाईक से आग की लपटें निकलते देख वहां चीख पुकार मच गई। लोगों ने मिलकर बाइक की आग पर काबू पाया। आग बुझने पर लोगों ने राहत महसूस की। बाइक को रिपेयर कराने के बाद युवक घर चला गया। थाना एका क्षेत्र के गांव गढ़ी सोनई निवासी सत्यपाल सिंह अपने गांव से बाइक लेकर पाढ़म में खरीददारी करने आया था। वह बाइक से कस्बा में जा रहा था। इसी दौरान अचानक बाईक से आग की लपटें निकलने लगी। आग की लपटों को देख लोगों ने चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। चीख पुकार मचने पर युवक ने बाइक रोक दी। आनन-फानन में लोगों ने सड़क पर पडी मिट्टी से आग को बुझा दिया। आग बुझने पर लोगों ने राहत महसूस की। लोगों ने बताया संभवतः पिलग में फाल्ट होने पर आग लगी थी।

पुलिस लाइन में ऑपरेशन जागृति 5.0 का जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सम्पन्न

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। ऑपरेशन जागृति 5.0 के तहत शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देशीय हॉल में जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रेम-प्रसंग या आकर्षण के कारण घर छोड़ने वाले किशोर-किशोरियों की रोकथाम, उनके मनोवैज्ञानिक पहलुओं की समझ तथा जन-जागरूकता बढ़ाना रहा। विशेषज्ञों ने परिवार व समुदाय आधारित रोकथाम उपाय, स्कूल-स्तर पर काउंसलिंग, साइबर बुलिंग के प्रभाव, रिपोर्टिंग-रेस्क्यू प्रोटोकॉल और मिशन शक्ति के साथ समन्वित प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, डीपीओ, डीआईओएस, वन स्टॉप सेंटर टीम, एनजीओ प्रतिनिधि, विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के प्रधानाचार्य तथा यूनिसेफ के विशेषज्ञ मौजूद रहे। समापन में प्रतिभागियों ने जागरूकता गतिविधियों को अधिक से अधिक जनसमूह तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

ई-टेक्नो स्कूल के नन्हे विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

पौधारोपण व पर्यावरण संरक्षण की मिली सीख

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूंडला। नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, फिरोजाबाद के नर्सरी वर्ग के बच्चों को शुक्रवार को जेबी फार्म नर्सरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के पौधों की जानकारी दी गई और प्राकृतिक वातावरण को करीब से समझने का अवसर मिला। स्कूल की प्रिंसिपल रति शर्मा ने बताया कि नर्सरी में बच्चों को पेड़-पौधों का महत्व, पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बनाए रखने का संदेश सरल व रोचक तरीके से समझाया गया। उन्हें बताया गया कि पौधे हवा को स्वच्छ रखते हैं और धरती को हरा-भरा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों ने बच्चों को दो विशेष तरीकों से पौधों की देखभाल करना भी सिखाया– पौधों में सही मात्रा में पानी देना और पत्तियों व मिट्टी की नियमित सफाई करना। साथ ही यह भी बताया गया कि पौधों को हल्की धूप में रखना, पत्तियों को साफ रखना और उन्हें प्यार व सावधानी से संभालना आवश्यक है। बच्चों ने पौधों को छूकर, देखकर और उनकी देखभाल सीखकर प्रकृति के प्रति खास उत्साह दिखाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने खुशी व उत्साह के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया। नर्सरी भ्रमण बच्चों में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने, प्रकृति से प्रेम विकसित करने और हरियाली संरक्षण की भावना को मजबूत करने में सफल साबित हुआ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसआईआर कार्यक्रम की ली जानकारी

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

जसराना ।भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा एका ब्लॉक में चल रहे मतदाताओं के मतदान पुनरीक्षण अभियान कार्यक्रम की जानकारी ली गई। शुक्रवार को एका नगर के मतदान केंद्र पर बीएलओ द्वारा अब तक हुए कार्य की जानकारी दी गई जिसमें भूत नंबर 59 पर 1046 वोटो में 816 वोट , बूथ नंबर 58 पर 1024 में वोटो में 926 वोट बूथ नंबर 60 पर 965 में 763 वोट ऑनलाइन किए गए , वोटो में मृतक, दोहरे, अनुपस्थित और बाहर रह रहे व्यक्तियों के वोट हटाए गए हैं। शीलू सिंह मंडल अध्यक्ष भाजपा, धर्मेंद्र रावत जिला कार्यकारिणी सदस्य , नेपाल सिंह तोमर, विनोद कठेरिया, लकी दीक्षित, रवि कुशवाह, बीएलओ प्रशांत वार्ष्णेय, योगेश कुमार, अरुड़ कुमार गौतम कार्यक्रम की जानकारी मिलने में साथ रहे।

पचोखरा में सड़क हादसा, किसान की मौत

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । टूण्डला। थाना पचोखरा क्षेत्र के सरायनूर महल बंबा रोड पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से 45 वर्षीय किसान दिनेश कुमार (निवासी गढ़ी निर्भय) की मौत हो गई। दिनेश सुबह खेत पर टहलने निकले थे, तभी हादसा हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्कॉर्पियो वाहन को कब्जे में ले लिया। हादसे के बाद चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। मृतक के भाई रामनरेश की तहरीर पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। किसान दिनेश कुमार अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं।

तहसील टूंडला में अमीनों का कार्य बहिष्कार, कथित वसूली व अभद्रता के आरोपों पर प्रदर्शन

- बड़े बाबू अजीत उपाध्याय पर लगाया अभद्रता का आरोप

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

टूंडला। शुक्रवार को सामायिक राजस्व संग्रह अमीन एवं नियमित संघ उत्तर प्रदेश, तहसील टूंडला के बैनर तले अमीनों ने कार्य बहिष्कार कर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया। संगठन के तहसील अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में हुए इस विरोध में अमीनों ने आरोप लगाया कि तहसील में तैनात बड़े बाबू अजीत उपाध्याय द्वारा प्रति अमीन 2500 रुपये प्रतिमाह कथित रूप से वसूली बढ़ाने के नाम पर मांगे जा रहे हैं। साथ ही अमीनों का कहना है कि विरोध करने पर बड़े बाबू ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। धरने में संतोष कुमार, चरण सिंह, राहुल तिवारी, राजेश कुमार, शिव प्रताप सहित अन्य अमीन शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोपों की जांच कर कार्रवाई की मांग की। इस पूरे मामले में उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के फिरोजाबाद जिलाध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि राजस्व लेखाकार अजीत उपाध्याय (अतिरिक्त कार्य रीडर, उप जिलाधिकारी) ने उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की थी, जिसमें कुछ संग्रह अमीनों पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि संबंधित पत्रावलियों पर नायब तहसीलदार और तहसीलदार द्वारा अब तक कोई कार्रवाई न किया जाना यह दशार्ता है कि संग्रह अमीनों को प्रशासनिक संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमीनों द्वारा कथित रूप से झूठे आरोप लगाकर बिना उप जिलाधिकारी को अवगत कराए धरना शुरू कर दिया गया है। प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस प्रकरण पर रणनीति तय करने के लिए 15 दिसंबर 2025 को कलेक्ट्रेट फिरोजाबाद स्थित कर्मचारी सभा कक्ष में सभी साथियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगे की कार्यवाही पर निर्णय लिया जाएगा।

तहसील परिसर में धरना देते अमीन।

कुछ राजनेताओं को व्यापक स्तर पर अस्थिरता फैलाने की कोशिशों से जोड़ा जा रहा

आईएसआई के पूर्व प्रमुख को सजा सुनाया जाना 'बस शुरुआत' है: खबर में किया गया दावा

इस्लामाबाद, (भाषा) पाकिस्तानी मीडिया में आई एक खबर में कहा गया है कि खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सजा सुनाया जाना सिर्फ 'एक शुरुआत' है और दो साल पहले हुए सेना-विरोधी दंगों में कथित रूप से शामिल राजनेताओं व कार्यकर्ताओं के खिलाफ कई नए मामलों की शुरुआत हो सकती है।

हमीद को बृहस्पतिवार को एक सैन्य अदालत ने 14 साल की सजा सुनाई। अदालत ने उन्हें शासकीय गोपनीयता अधिनियम के उल्लंघन और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का दोषी पाया।

हमीद को सजा सुनाए जाने पर सेना का बयान मुख्य रूप से सैन्य कानूनों के तहत हुई उनकी दोषसिद्धि पर केंद्रित था। हालांकि, डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, सबसे ज़्यादा ध्यान खींचने वाला हिस्सा बयान का आखिरी पैराग्राफ था। बयान में कहा गया है, "राजनीतिक तत्वों के साथ मिलीभगत करके अपने फायदे के लिए राजनीतिक उकसावे और अस्थिरता फैलाने में दोषी व्यक्ति की भूमिका, तथा कुछ अन्य मामलों को अलग से देखा जा रहा है।"

खबर में कहा गया है कि बयान की भाषा यह संकेत देती है कि हमीद और कुछ अज्ञात राजनेताओं को व्यापक स्तर पर अस्थिरता फैलाने की कोशिशों से जोड़ा जा रहा है। खबर में कहा गया है कि सेना पिछले साल से कई बार अपने बयान में ऐसे संकेत दे चुकी है। इससे लगातार संदेह पैदा होता है कि सरकार के विरोध में खड़े कुछ राजनीतिक तत्वों के साथ हमीद की कथित मिलीभगत हो सकती है।

पंद्रह अगस्त 2024 को जारी एक बयान में सेना के सूचना विभाग आईएसपीआर ने कहा था कि "इस आरोप की जांच जारी है कि कुछ सेवानिवृत्त अधिकारियों और उनके साथियों ने कुछ राजनीतिक समूहों के साथ मिलकर अशांति फैलाने की कोशिश की।"फैज़ हमीद की गिरफ्तारी के समय जारी एक अलग बयान में कहा गया था कि "सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने पाकिस्तान सेना अधिनियम का कई बार उल्लंघन किया।" हालांकि इसमें और विवरण नहीं दिया गया। कुछ दिन बाद, आईएसपीआर ने बताया कि नौ मई, 2023 को हुए दंगों में हमीद की कथित भूमिका की जांच की जा रही है। दंगों के दौरान सेना की इमारतों और स्मारकों को नुकसान पहुंचाया गया था।

बयान में यह भी कहा गया था, "जांच के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि क्या नौ मई, 2023 के दंगों समेत अस्थिरता और अशांति फैलने वाली घटनाओं में कथित रूप से राजनीतिक हितों के इशारे पर काम करने और उनके साथ मिलीभगत के मामले में लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हमीद (सेवानिवृत्त) की कोई भूमिका रही। इस मामले की अलग से जांच की जा रही है।"सांसद फैसल वावड़ा ने बृहस्पतिवार के फैसले की सराहना की और कहा कि "यह सिर्फ शुरुआत है," और नौ मई के दंगों से जुड़े आरोप अभी बाकी हैं। वावड़ा ने जियो न्यूज से बात करते हुए सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का आभार व्यक्त किया।

चीन जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर कर लगाएगा

बीजिंग, 12 दिसंबर (एपी) चीन तीन दशकों से भी अधिक समय में पहली बार जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूलना शुरू करेगा।इयह कदम दशकों तक अधिकतर परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखने के बाद उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के बीजिंग के प्रयासों के अनुरूप है। देश के नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार, एक जनवरी से ''गर्भनिरोधक दवाएं और उत्पाद'' कर-छूट की श्रेणी में नहीं रहेंगे। 'कंडोम' जैसे उत्पादों पर भी 13 प्रतिशत का सामान्य वैट लगेगा।

बहरहाल, सरकारी मीडिया ने इस बदलाव को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है लेकिन यह विषय चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि कोई बेवकूफ ही होगा जिसे यह समझ न हो कि बच्चा पालना, कर लगे कंडोम खरीदने से कहीं ज्यादा महंगा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्भनिरोधकों की कीमत बढ़ने से अनियोजित गर्भधारण और यौन संक्रमित रोगों में वृद्धि हो सकती है। 1980 से 2015 तक लागू रही चीन की एक-संतान नीति के दौरान भारी जुर्माने, दंड और कभी-कभी जबरन गर्भपात तक कराए जाते थे। तय सीमा से अधिक जन्मे बच्चों को कई बार पहचान संख्या नहीं दी जाती थी, जिससे वे प्रभावी रूप से ''गैर-नागरिक'' बन जाते थे।सरकार ने 2015 में एक बच्चे की सीमा को बढ़ाकर दो कर दिया और फिर जनसंख्या में गिरावट के कारण 2021 में इसे तीन कर दिया। लंबे समय तक गर्भनिरोधक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाता रहा और यह अक्सर मुफ्त में उपलब्ध रहती थीं।जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कियान काई के अनुसार, 13 प्रतिशत कर से जन्मदर बढ़ाने में कोई खास असर नहीं होगा क्योंकि जो लोग बच्चे नहीं चाहते, वे इस कर से अपना निर्णय नहीं बदलेंगे। चीन में ज्यादातर गर्भनिरोध की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है।2022 के एक अध्ययन के अनुसार केवल नौ प्रतिशत दंपति ही कंडोम का उपयोग करते हैं, 44.2 प्रतिशत गर्भनिरोधक उपकरण का इस्तेमाल करते हैं।

अगले साल नए चुनाव कराने के लिए थाईलैंड की संसद भंग

बैंकॉक, (एपी) कंबोडिया के साथ जारी भीषण संघर्ष के बीच थाईलैंड में अगले साल की शुरुआत में नए चुनाव कराने के लिए शुक्रवार को संसद भंग कर दी गई। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न से मंजूरी मिलने के बाद प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया। यह अनुमोदन शुक्रवार को राजकीय राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ प्रभावी हो गया। अनुतिन ने बृहस्पतिवार देर रात फेसबुक पर एक पोस्ट के ज़रिए इस कदम का संकेत देते हुए कहा था, ''मैं सत्ता जनता को लौटाना चाहता हूं।''राज परिवार की मंजूरी मिलने के बाद 45 से 60 दिनों के भीतर चुनाव कराना जरूरी है। इस अवधि में अनुतिन सीमित शक्तियों वाली कार्यवाहक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जो नया बजट मंजूर नहीं कर सकती। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब थाईलैंड, कंबोडिया के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर बड़े पैमाने पर संघर्ष में उलझा है। अनुतिन केवल तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने पैटोंगटार्न शिनवात्रा का स्थान लिया था, जो केवल एक वर्ष तक ही पद पर रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा की बेटी पैटोंगटार्न को जुलाई में हुए सशस्त्र संघर्ष से पहले कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के साथ एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील फोन कॉल को लेकर नैतिक उल्लंघन का दोषी पाया गया था, जिसके चलते उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया। अनुतिन ने सितंबर में संसद में हुए मतदान में मुख्य विपक्षी पीपुल्स पार्टी के समर्थन से जीत हासिल की थी। बदले में उन्होंने चार महीनों के भीतर संसद भंग करने और निर्वाचित संविधान सभा द्वारा नया संविधान तैयार करवाने पर जनमत संग्रह कराने का वादा किया था।

प्रगतिशील नीतियों पर काम करने वाली विपक्षी पार्टी लंबे समय से सैन्य शासन के दौरान बनाए गए संविधान में बदलाव चाहती रही है और इसे अधिक लोकतांत्रिक बनाने की मांग करती है। संवैधानिक बदलाव का मुद्दा संसद भंग करने की वजह प्रतीत होता है क्योंकि पीपुल्स पार्टी ने बृहस्पतिवार को अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी। यह धमकी तब सामने आई जब अनुतिन की भुमजैथाई पार्टी के सांसदों ने संविधान में संशोधन से जुड़े एक विधेयक के पक्ष में मतदान किया।

स्काईडाइवर छलांग लगाने के बाद 15 हजार की ऊंचाई पर विमान के 'टेल' में फंसा

मेलबर्न, (एपी)ऑस्ट्रेलियाई दुर्घटना जांचकर्ताओं ने एक स्काईडाइवर द्वारा छलांग लगाने के बाद उसका पैराशूट विमान के पिछले हिस्से (टेल) में उलझ जाने की भयावह तस्वीरें जारी कीं, जिसके कारण वह 4,500 मीटर (15,000 फुट) की ऊंचाई पर लटका रह गया।

ऑस्ट्रेलिया परिवहन सुरक्षा ब्यूरो ने बृहस्पतिवार को वीडियो जारी करते हुए जानकारी दी कि घटना 20 सितंबर को क्वींसलैंड राज्य के टुली हवाई अड्डे पर हुई और स्काईडाइवर एड्रियन फर्ग्यूसन ने खुद को बचाने के लिए हुक वाले चाकू का इस्तेमाल किया और उन्हें पैर में मामूली चोटें आईं। उस दिन सेसना कारवां विमान में सवार पायलट और 16 अन्य पैराशूट से उतरने वाले लोगों को कोई चोट नहीं आई।

ब्यूरो के मुताबिक विमान वांछित ऊंचाई पर पहुंच चुका था, जहां स्काईडाइवर 16-सदस्यीय 'फॉर्मेशन जंप' करने की योजना बना रहे थे। 17वां पैराशूटर एक खुले दरवाजे पर खड़ा था, ताकि बाकी लोगों के कूदने के दौरान वह वीडियो रिकॉर्ड कर सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्ग्यूसन विमान से बाहर निकल रहे थे तभी उनके रिजर्व पैराशूट की रस्सी विमान के पिछले हिस्से में फंस गई। ब्यूरो के मुताबिक हालांकि पैराशूट खुला और फर्ग्यूसन को पीछे की ओर झटका लगा। इससे उन्होंने कैमरा ऑपरेटर को विमान से बाहर धकेल दिया और वह नीचे गिरने लगे। फर्ग्यूसन के पैर विमान के क्षैतिज 'स्टेबलाइजर' से टकराए, जिसके बाद पैराशूट उसमें उलझ गया और वह हवा में लटक गये।

ताइवान के खिलाफ सैन्य बल का प्रयोग का कदम जापानी सैन्य हस्तक्षेप को जन्म देगा

चीन और जापान के बीच तनाव कम होने की संभावना क्यों नहीं है?

तोक्यो, (द कन्वरसेशन) चीन और जापान राजनयिक संकटों से निपटने में अनुभवी हैं, फिर भी दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध एक नए निम्न स्तर पर पहुंच गए हैं। और इस बार, उनका तनाव आसानी से हल होता नहीं दिख रहा है। इस ताजा संकट के पीछे क्या कारण है और इस तनाव के बढ़ने के पीछे क्या वजह है : तनाव का मौजूदा दौर सात नवंबर को जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची द्वारा जापानी संसद में की गई टिप्पणियों से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि ताइवान के खिलाफ सैन्य बल का प्रयोग करने का बीजिंग का कदम जापानी सैन्य हस्तक्षेप को जन्म देगा।

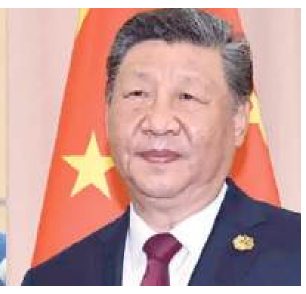

उन्होंने कहा कि चीन द्वारा किया गया ऐसा प्रयास ''सबसे खराब स्थिति'' के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा और यह जापान के लिए ''अस्तित्व के लिए खतरा'' पैदा करेगा, जिससे ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता बहाल करने में अपने सामूहिक आत्मरक्षा के जापान के अधिकार को उचित ठहराया जा सकेगा।

ताइवान 1895 से 1945 तक जापान का उपनिवेश था। बाद में, 1949 में माओ त्से तुंग की कम्युनिस्ट सेनाओं से हार के बाद, ताइवान ने च्यांग काई-शेक के राष्ट्रवादियों को शरण दी।

आज बीजिंग ताइवान को चीन का एक प्रांत मानता है, हालांकि यह कभी भी कम्युनिस्ट शासन के अधीन नहीं रहा। चीन की नीति के विपरीत बयान देना चीन के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप माना जाता है, जो बीजिंग के अभिजात वर्ग के लिए एक लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन है।

ताकाइची की टिप्पणियों को तुरंत वापस लेने और माफी मांगने की मांग करते हुए, बीजिंग के राजनयिकों ने उनके खिलाफ वाकयुद्ध छेड़ दिया। जापानी प्रधानमंत्री के पीछे न हटने पर, बीजिंग ने राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य दबाव के मिश्रण से जवाबी प्रतिक्रिया दी।

चीन के कम्युनिस्ट नेतृत्व ने अपने नागरिकों को जापान की यात्रा न करने की चेतावनी दी और छात्रों को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया।

जापानी समुद्री भोजन का आयात कम कर दिया गया या रोक दिया गया, जबकि जापानी कलाकारों के संगीत कार्यक्रम और फिल्म प्रदर्शन रद्द कर दिए गए।चीन के तटरक्षक बल और नौसेना के जहाज भी सेनकाकू द्वीप समूह के जलक्षेत्र से गुजरे, जो जापान द्वारा प्रशासित क्षेत्र है लेकिन चीन इसे दियाओयू द्वीप समूह के रूप में अपना दावा करता है।

चीन और जापान प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। इस वर्ष अकेले जापान में आने वाले पर्यटकों में से पांचवां हिस्सा चीन से आया। इसलिए, बीजिंग द्वारा जापान पर लगाए जा रहे कड़े प्रतिबंधों का जापानी अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा।वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में, जापानी प्रधानमंत्री की यासुकुनी युद्ध स्मारक की यात्रा और जापानी इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में संशोधनों ने पूरे चीन में बड़े पैमाने पर जापान विरोधी प्रदर्शनों को जन्म दिया। 2010 में, जापानी अधिकारियों द्वारा एक चीनी कप्तान और उसके चालक दल को गिरफ्तार करने के जवाब में बीजिंग ने जापान को दुर्लभ खनिज निर्यात करना बंद कर दिया। हालांकि, इस बार तनाव कम करना और यथास्थिति बहाल करना इतना आसान नहीं होगा। ताकाइची ने खुद को एक कट्टर रूढ़िवादी के रूप में पेश किया है, जिन्होंने अपने आदर्श पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की नीतिगत योजनाओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने टोक्यो की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाकर तथा अमेरिका के साथ गठबंधन को और मजबूत करके एक ''मजबूत जापान'' को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया है।

खेल एक्सप्रेस

छोटे शहरों से बड़े सपने पूरे करने आई है भारतीय हॉकी की 'बेखौफ' युवा ब्रिगेड

चेन्नई,(भाषा) किसी को हॉकी विरासत में मिली तो किसी के लिये गरीबी से निकलने का जरिया बनी तो किसी ने फुटबॉल छोड़कर हॉकी स्टिक थामी । खुद को साबित करने की चाहत ने इन्हें दबाव को झेलने और बड़े सपने देखने की हिम्मत भी दी । जूनियर विश्व कप में कांस्य जीतने के बाद इस निडर युवा ब्रिगेड को देखकर विश्वास हो गया है कि भारतीय हॉकी का भविष्य सुरक्षित हाथों में है । इनमें से हर किसी की अलग पृष्ठभूमि और हॉकी से जुड़ने की अलग कहानी है लेकिन मकसद एक है.. भारत के लिये ओलंपिक पदक जीतना ।

हरियाणा के डाबरा गांव के रहने वाले 21 वर्ष के कप्तान रोहित को पिछले साल सीनियर टीम के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान गेंद लगने से जबड़े का फ्रेक्चर हो गया था ।करीब दो महीने तक खाने पीने में भी इतनी दिक्कत थी कि एकबारगी हॉकी छोड़ने का भी ख्याल मन में आया ।

रोहित ने भाषा से कहा ,'' वो चार पांच महीने इतने कठिन थे कि खाना पीना भी मुश्किल हो रहा था ।एक बार तो लगा कि फिर नहीं खेल सकूंगा लेकिन फिर जब हॉकी थामी तो लगा कि रूकना नहीं है और डरना नहीं है ।''उन्होंने कहा ,''अब सीनियर टीम के लिये खेलना है , विश्व कप और ओलंपिक पदक जीतना है । हम उम्मीद करते हैं कि हमारी जीत से और लड़कों को हॉकी थामने की प्रेरणा मिलेगी ।''भारतीय हॉकी की नर्सरी कहे जाने वाले ओडिशा के सुंदरगढ से निकले 19 वर्ष के अनमोल इक्का ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ असाधारण प्रदर्शन करके सभी का ध्यान खींचा ।

मात्र तीन हजार की आबादी वाले केसरमल गांव से आये अनमोल की मां का बचपन में निधन हो गया था और नाना नानी ने उन्हें पाला । बीरेंद्र लाकड़ा के प्रशंसक फुल बैक अनमोल ने भाषा को बताया ,'' मेरे गांव में सब फुटबॉल खेलते थे लेकिन जब मैं नाना नानी के पास आ गया तो वहां हॉकी लोकप्रिय थी । मैने भी शौकिया हॉकी खेलना शुरू किया और फिर होस्टल में जाने के बाद मुझे लगा कि मेहनत करके देश के लिये खेल सकता हूं ।'' सुंदरगढ से ही आये 21 वर्ष के मिडफील्डर रोशन कुजूर ने घास के मैदान से एस्ट्रो टर्फ का सफर काफी मेहनत से तय किया और अब अपने पसंदीदा खिलाड़ी मनप्रीत सिंह की तरह ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं ।

कुजूर ने कहा ,'' मेरे गांव में जमीनी स्तर पर हॉकी के बहुत टूर्नामेंट होते हैं । एस्ट्रो टर्फ नहीं है , लेकिन हम घास पर खेलते थे । कभी सोचा नहीं था कि भारतीय टीम में खेलूंगा । बचपन से मनप्रीत सिंह को खेलते देखता था और उन्हें देखकर ही मिडफील्डर बना ।''पंजाब के पठानकोट में 2015 से चीमा अकादमी के जरिये शुरूआत करने वाले गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करके अपने कोच पी आर श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को पहनना सार्थक कर दिया ।

शतरंज विश्व टूर के आगाज के बावजूद विश्व चैंपियनशिप का महत्व बना रहेगा

मुंबई, (भाषा) भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कहा कि शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर की शुरुआत के बावजूद पारंपरिक विश्व चैंपियनशिप अपना वर्चस्व बरकरार रहेगा। शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर अगले साल प्रायोगिक चरण में शुरू होने वाला है। शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर 2027 से वार्षिक आयोजन होगा जिसका उद्देश्य 'फास्ट', क्लासिक, रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज की तीनों विधाओं में चैंपियन तय करना है जबकि विश्व चैंपियनशिप क्लासिकल प्रारूप में आयोजित की जाती है।

प्रज्ञानानंदा ने धारवी शतरंज चैंपियनशिप के इतर 'पीटीआई' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''मैंने अभी नियमों को ठीक से नहीं पढ़ा है इसलिए मुझे नहीं पता कि सब कुछ कैसे आयोजित होने वाला है।''उन्होंने कहा, '' मुझे इतना पता है कि उस प्रतियोगिता (विश्व चैंपियनशिप) का विजेता कैंडिडेट्स के रूप में क्वालीफाई करेगा, जिसके मायने यह है कि विश्व चैंपियनशिप अब भी प्राथमिकता है।'' नॉर्वे शतरंज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केजेल मैडलैंड ने इस साल अक्टूबर में 'पीटीआई' को बताया था कि शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर के लिए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के साथ एक दीर्घकालिक समझौता किया गया है। इस नये टूर्नामेंट को फिडे से आधिकारिक तौर पर मंजूरी मिल चुकी है। प्रज्ञानानंदा ने कहा कि नए टूर्नामेंटों से खिलाड़ियों के लिए शतरंज से जीविका कमाने के अवसर बढ़ेंगे। इसमें कुछ खिलाड़ी रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज की ओर भी रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों के लिए खेलने के नए अवसर मिल रहे हैं और चूंकि हमारे पास इतने सारे खिलाड़ी हैं, इसलिए उन्हें खेलने के अधिक अवसर मिलना अद्भुत है। इस लिहाज से नए टूर्नामेंटों का आयोजन होना बहुत अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''प्रारूपों की बात करें तो, उनमें लगातार बदलाव हो रहे हैं।

विनेश फोगाट ने संन्यास से वापसी की, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतना है लक्ष्य

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कहा कि उनका जोश और जज्बा अब भी पहले की तरह कायम है और वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने के लिए संन्यास से वापसी करेंगी। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद खेल से दूरी बना ली थी। पेरिस ओलंपिक में उन्हें महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले निर्धारित वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

उन्होंने खेल पंचाट (सीएएस) में संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की थी, लेकिन फैसला नहीं बदला गया, जिसके चलते उन्होंने संन्यास की घोषणा की और राजनीति में प्रवेश किया। वह हरियाणा के जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुनी गईं। विनेश ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस में ही मेरे सफर का अंत हो गया है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर रहने की जरूरत थी। कई वर्षों में पहली बार मैंने चैन की सांस ली।''उन्होंने कहा, ''मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया। चरम पर पहुंचना, दिल टूटने के पल, मेरे बलिदान और मेरे वो रूप जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। उस आत्मचिंतन में कहीं न कहीं मुझे इस सच्चाई का एहसास हुआ कि मुझे अब भी यह खेल पसंद है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।''

इस बीच विनेश जुलाई में एक बेटे की मां भी बनी। विनेश ने कहा, ''उस सन्नाटे में मुझे एक ऐसी बात का एहसास हुआ जिसे मैं भूल चुकी थी। यह था कि 'वह जोश कभी खत्म नहीं हुआ है।' यह केवल थकान और शोर के कारण नेपथ्य में चला गया था। अनुशासन, दिनचर्या, संघर्ष, यह सब मेरे भीतर मौजूद हैं। मैं चाहे कितनी भी आगे निकल जाऊं, मेरा एक हिस्सा हमेशा मैट पर ही रह जाता है।''विनेश ने कहा कि वह नए जोश और जज्बे तथा अपने बेटे के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपने सफ़र को शुरू करेंगी।

उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं आज यहां पर मौजूद हूं तथा पूरी निडरता और दृढ़ संकल्प के साथ लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तरफ कदम बढ़ा रही हूं। इस बार मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा भी मेरी टीम में शामिल हो रहा है। वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक के इस सफर में मेरा छोटा सा चीयरलीडर है।''विनेश ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर पहले ही इतिहास रच दिया था।

सिर्फ दो टी20 मैच के बाद गिल को आंकने शुरु कर दें तो समस्या है: नेहरा

नयी दिल्ली, (भाषा) गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म पर जल्दबाजी में की जा रही आलोचनाओं से नाखुश हैं और उन्होंने कहा कि इतने उतार-चढ़ाव वाले टी20 प्रारूप में दो मैच के आधार पर किसी खिलाड़ी को खारिज कर देना जल्दी निष्कर्ष निकालने की बढ़ती हुई प्रवृत्ति का संकेत है।

एशिया कप के दौरान उप-कप्तान के रूप में टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में लौटे गिल ने पिछले 10 मैच में कुल 181 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 140 से कम रहा है। पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स के कोच के तौर पर गिल को करीब से देखने वाले नेहरा से पूछा गया कि क्या वह चिंतित हैं जबकि आईपीएल शुरू होने में अभी तीन महीने ही बचे हैं। अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर पूर्व तेज गेंदबाज नेहरा ने कहा, ''तीन महीने तो छोड़ दो, अगर आईपीएल तीन हफ्ते बाद भी होता तब भी मैं चिंतित नहीं होता क्योंकि आप टी20 जैसे प्रारूप की बात कर रहे हैं। और अगर मैं गलत नहीं हूं तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ दो मैच ही खेले गए हैं।''

नेहरा का मानना है कि भारत में आलोचना की मूल समस्या सिर्फ संख्याओं को देखकर निष्कर्ष पर पहुंच जाना है। उन्होंने कहा, ''यही हमारी समस्या है। इस प्रारूप में (भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हो या आईपीएल) अगर शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी को दो-तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने पर आंका जाए तो मुश्किल होगी।''

अपनी खास व्यंग्यात्मक शैली में नेहरा ने कहा कि अगर बदलाव चाहिए तो विकल्पों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, ''आपके पास बहुत विकल्प हैं। अगर आप देखना चाहते हैं तो अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को हटा सकते हैं तथा साई सुदर्शन और रुतुराज गायकवाड़ को पारी का आगाज करा सकते हैं। '' नेहरा ने कहा, ''अगर आप इन्हें (साई और रुतुराज) भी हटाना चाहें तो वाशिंगटन सुंदर और ईशान किशन से पारी का आगाज करा सकते हैं। इसलिए विकल्प बहुत हैं।''

उन्होंने कहा, '' अगर आप एक-दो मैच हारते हैं या किसी बल्लेबाज या गेंदबाज के आंकड़े अच्छे नहीं हैं और आप उन्हें बदलने की बात करते हैं तो फिर मुश्किल होगी। पिछले सत्र में एक तय संयोजन की वजह से सुंदर ने टाइटन्स के लिए केवल छह मैच खेले थे लेकिन नेहरा ने संकेत दिए कि अगर वह फिट रहे तो इस बार उनका उपयोग पहले से कहीं ज्यादा होगा। भारतीय टीम में सुंदर की भूमिका से संदेह बन गया है कि वह मुख्यतः बल्लेबाजी ऑलराउंडर है या एक विशेषज्ञ स्पिनर जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेता है। लेकिन नेहरा के मुताबिक सुंदर एक उच्च स्तरीय बल्लेबाज हैं और अगर पिच से मदद मिले तो वह अपनी ऑफ-स्पिन के साथ एक संपूर्ण पैकेज बन जाते हैं।उन्होंने कहा, ''सुंदर के पास जो कौशल है, मेरे लिए वह पहले एक बल्लेबाज हैं, जो पहले से छठे या सातवें स्थान तक कहीं भी खेल सकते हैं। उनके पास इतनी क्षमता है। और जहां तक आपके सवाल की बात है (बल्लेबाज या गेंदबाज) तो यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती है तो वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के साथ पूरा पैकेज हैं।''अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी- नीलमी कोलकाता नाइट राइडर्स (64.30 करोड़ रुपये) और चेन्नई सुपर किंग्स (43.40 करोड़ रुपये) जैसी टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी जो फिर से अपनी कोर टीम बना रही हैं।

लेकिन टाइटन्स को सिर्फ पांच खिलाड़ियों की जरूरत है और उनके पास 12.90 करोड़ रुपये की राशि है।

नेहरा ने कहा, ''हमारी कोर टीम तैयार है और हमने सिर्फ चार-पांच खिलाड़ियों को रिलीज किया है। अगर आप नई टीम बना रहे होते हैं तब रणनीति अलग होती है।''

"धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी।"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

नई दिल्ली, शनिवार 13 दिसंबर 2025

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

दयाशंकर सिंह लखनऊ स्थित आवास पर आए हुए आगंतुकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुना व उचित कार्रवाई सुनिश्चित किया।

न्यायालय ने पूर्व रॉ अधिकारी की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई से एक पूर्व रॉ अधिकारी की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत उसके खिलाफ जारी मुकदमे में जांच एजेंसी द्वारा इस्तेमाल किए गए दस्तावेज उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी कर मेजर जनरल वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) की याचिका पर जवाब मांगा।

सिंह की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 19 सितंबर को निचली अदालत के आदेश में संशोधन किया और कहा कि सीबीआई द्वारा मामले में जिन दस्तावेजों पर भरोसा किया गया है, उनकी संवेदनशील प्रकृति के कारण याचिकाकर्ता के वकील द्वारा ही उनका निरीक्षण किया जा सकता है और ये याचिकाकर्ता को उपलब्ध नहीं कराए जा सकते।

भूषण ने कहा, ''सीआरपीसी की धारा 207 के तहत यह सामान्य प्रक्रिया है, जिसमें आरोपी को अभियोजन पक्ष द्वारा भरोसा किए गए दस्तावेज उपलब्ध कराए जाते हैं। मजिस्ट्रेट ने दस्तावेजों की आपूर्ति की अनुमति दी थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसमें संशोधन कर दिया।''

उन्होंने बताया कि सिंह ने खुफिया एजेंसी रॉ में सेवा की है और एक किताब लिखी है जिसमें उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार के कुछ आरोप लगाए गए थे, लेकिन सीबीआई ने उनके खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) के तहत मामला दर्ज कर दिया।

पीठ ने कहा कि वह याचिका पर सीबीआई का जवाब चाहती है और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद के लिए स्थगित की जाती है।

सीबीआई ने 20 सितंबर, 2007 को सिंह के खिलाफ एक

शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें उन पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 'इंडियाज एक्सटर्नल इंटेलिजेंस - सीक्रेट्स ऑफ रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' नामक अपनी पुस्तक के प्रकाशन के माध्यम से गुप्त जानकारी का खुलासा किया।

सिंह के खिलाफ 20 सितंबर, 2007 को 'सर्च वारंट' जारी किए गए थे और 24 सितंबर, 2007 को अदालत में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की गई थी।

केंद्र ने 7 अप्रैल, 2008 को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 13(3) के तहत शिकायत दर्ज करने को अधिकृत किया और मामले में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3 एवं 5 तथा भादसं की धारा 409 और 120बी के तहत 11 अप्रैल, 2008 को आरोपपत्र दाखिल किया गया, जिसमें गोपनीय दस्तावेजों को सीलबंद लिफाफे में रखने का अनुरोध किया गया था।

निचली अदालत ने 31 जनवरी, 2009 को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3 और 5 तथा भादसं की धारा 409 और 120बी के तहत अपराधों के लिए आरोपपत्र का संज्ञान लिया।

बारह दिसंबर 2009 को, मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीएमएम) ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 207 के तहत प्रतिवादियों द्वारा दायर आवेदन को स्वीकार कर लिया और सीबीआई को निर्देश दिया कि वह उचित आवेदन के बाद सिंह द्वारा मांगे गए दस्तावेज उन्हें उपलब्ध कराए। हालांकि, दस्तावेजों की संवेदनशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, सीएमएम ने स्पष्ट किया कि प्रतिवादियों को उपलब्ध कराए गए दस्तावेज सिंह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील के व्यक्तिगत संरक्षण में रहेंगे, जिन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि दस्तावेजों को किसी भी तरह से प्रसारित न किया जाए।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 सितंबर को कहा कि सीबीआई दस्तावेजों के निरीक्षण का विरोध नहीं कर रही है, लेकिन उनकी संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए उसका अनुरोध है कि उनकी हार्ड कॉपी याचिकाकर्ता को उपलब्ध न कराई जाए।

इसने अपने आदेश में कहा था, ''उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान याचिका को इस हद तक स्वीकार किया जाता है कि संबंधित आदेश में संशोधन किया जाता है और प्रतिवादियों को उनके विधिवत अधिकृत वकीलों के साथ निचली अदालत के पास मौजूद दस्तावेजों का निरीक्षण करने की अनुमति दी जाती है, जब भी आवश्यक हो, ताकि प्रतिवादी मुकदमे के दौरान प्रभावी ढंग से अपना बचाव कर सकें।'' इस आदेश से असंतुष्ट सिंह ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

सिंह जून 2002 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और उनकी पुस्तक जून 2007 में प्रकाशित हुई। उनके खिलाफ प्राथमिकी 2008 में दर्ज की गई थी।--

पूर्वी दिल्ली में पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति को गोली मारी

नयी दिल्ली, (भाषा) पूर्वी दिल्ली के शाहदरा में मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने पुरानी रंजिश में 50 वर्षीय एक व्यक्ति को गोली मार दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फुटेज में शाहदरा के बलबीर नगर निवासी पीड़ित जोगेंदर राठौर उर्फ बिल्ला मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा नजर आ रहा है और मौके से भागने की कोशिश कर रहा है जबकि आरोपी उस पर गोलियां चला रहा है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 10 बज कर 31 मिनट पर एक महिला ने पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) को फोन कर सूचना दी। महिला ने बताया कि उसके पति को गोली मार दी गई है और उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित को पीठ में तीन गोलियां लगी हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''परिवार के सदस्य उसे

अस्पताल ले गए और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है।''

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने राठौर पर नजदीक से गोलियां चलाईं और फिर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि हमले का कारण पुरानी रंजिश हो सकती है।

अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में हत्या के प्रयास और आग्नेयास्त्र के इस्तेमाल का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि वारदात में शामिल हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

फोन टैपिंग मामला: तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद, (भाषा) भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्व सरकार के दौरान फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख टी. प्रभाकर राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख राव ने पूर्वाह्न 11 बजे जुबली हिल्स थाने में जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष आत्मसमर्पण किया। प्रभाकर राव ने 2023 के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। फोन टैपिंग मामले की जांच में उनसे हिरासत में पूछताछ करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उस समय वे खुफिया इकाई के प्रमुख थे।

हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 से अब तक निलंबित एसआईपी के पुलिस उपाधीक्षक समेत चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से खुफिया जानकारी मिटाई और फोन टैप किए।

बाद में चारों पुलिस अधिकारियों

को जमानत दे दी गई।

पुलिस ने कहा था कि आरोपी उस कथित साजिश का हिस्सा हैं जिसमें उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों पर नजर रखकर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एसआईबी के संसाधनों का ''दुरुपयोग'' किया।

पुलिस ने पहले कहा था कि इस मामले में जिन लोगों को आरोपी बनाया गया है उन पर अन्य लोगों के साथ मिलकर कई व्यक्तियों की अनधिकृत रूप से प्रोफाइल तैयार करने और एसआईबी में गुप्त रूप से और अवैध रूप से उनकी निगरानी करने का आरोप है। उन पर कुछ व्यक्तियों के इशारे पर एक राजनीतिक दल के पक्ष में पक्षपातपूर्ण तरीके से उनका इस्तेमाल करने का भी आरोप है। उन पर अपने अपराधों के सबूतों को मिटाने के लिए रिकॉर्ड नष्ट करने की साजिश रचने का भी आरोप है।

न्यायमूर्ति स्वामीनाथन को पद से हटाने के प्रयासों की 56 पूर्व न्यायाधीशों ने निंदा की

नयी दिल्ली, (भाषा) द्रमुक द्वारा मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जी आर स्वामीनाथन को पद से हटाने के प्रयास की निंदा करते हुए शुक्रवार को 56 पूर्व न्यायाधीशों ने एक बयान जारी किया और इसे ''न्यायाधीशों को डराने-धमकाने का एक निर्लज्ज प्रयास' बताया। एक दिसंबर को न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने फैसला सुनाया कि अरुलमिघु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर, उची पिल्लैयार मंडपम के पास प्रथागत दीपक जलाने के अतिरिक्त, दीपाथून में भी दीपक जलाने के लिए कर्तव्यबद्ध है। एकल न्यायाधीश की पीठ ने कहा कि ऐसा करने से निकटवर्ती दरगाह या मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। इस आदेश से विवाद खड़ा हो गया और नौ दिसंबर को द्रमुक के नेतृत्व में कई विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को न्यायाधीश को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाने का नोटिस सौंपा। बयान में कहा गया, 'यह समाज के एक विशेष वर्ग की वैचारिक और राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप न चलने वाले न्यायाधीशों को धमकाने का एक निर्लज्ज प्रयास है। यदि ऐसे प्रयास को जारी रहने दिया गया, तो यह हमारे लोकतंत्र व न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों को ही नष्ट कर देगा।''

'वंदे मातरम' और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष की धज्जियां उड़ा दीं: राहुल गांधी

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि विपक्ष ने संसद में 'वंदे मातरम्' और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष की धज्जियां उड़ा दीं और गृह मंत्री अमित शाह मानसिक रूप से परेशान थे।

उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पूरा तंत्र 'वोट चोरी' में शामिल रहा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''हमने संसद में हुई 'वंदे मातरम्' और मतादाता सूची के गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा में उनकी (सत्तापक्ष) धज्जियां उड़ा दी। अमित शाह सदन में मानसिक रूप से परेशान थे, बहुत दबाव में थे। उन्होंने सदन में गाली तक दे दी। इसके पीछे कारण है कि वह और उनका पूरा सिस्टम 'वोट चोरी' में शामिल था।'' इससे पहले राहुल गांधी ने, निचले सदन के कांग्रेस सदस्यों के साथ शुक्रवार को बैठक की, जिसमें उन्होंने वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान 'वंदे मातरम्' और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान पार्टी सांसदों के प्रदर्शन की

तारीफ करते हुए कहा कि सरकार अब इन दोनों विषयों पर दबाव में है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों के साथ संसद भवन परिसर में यह बैठक की, जिसमें पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि भी दी गई। पाटिल का 90 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। बैठक के बाद कांग्रेस सूत्रों ने बताया, ''नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार वंदे मातरम् और चुनाव सुधारों के मुद्दों पर दबाव में है तथा हमारे सांसदों ने चर्चा के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया।'' सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''यह नियमित तौर पर होने वाली बैठक थी। नेता प्रतिपक्ष हर सत्र में सांसदों के साथ बैठक करते हैं। कामकाज का मूल्यांकन करते हैं।

मंत्रिमंडल ने 2027 की जनगणना के लिए मंजूरी दी; 11,718 करोड़ रुपये स्वीकृत

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 करवाने के लिए 11,718 करोड़ रुपये की मंजूरी दी, जिसमें पहली बार जाति गणना को भी शामिल किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो अपनी तरह की पहली डिजिटल जनगणना होगी।

लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के इस वृहद कार्य को पूरा करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद से जनगणना का 16वां संस्करण नागरिकों को स्वयं गणना करने का विकल्प भी प्रदान करेगा। देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण 2021 में होने वाली यह दशकीय कवायद स्थगित कर दी गई थी।

मंत्री ने कहा कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। इसके तहत अप्रैल से सितंबर 2026 तक मकानों की सूची बनाने और आवास जनगणना का काम होगा; और फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना की जाएगी।

उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों

के बर्फ से ढके दूर दराज के क्षेत्रों के लिए जनगणना कवायद सितंबर 2026 में होगी। वैष्णव ने पत्रकारों से कहा, ''यह पहली डिजिटल जनगणना होगी।''

मंत्री ने बताया कि लगभग 30 लाख जनगणनाकर्मी प्रत्येक घर का दौरा करेंगे और घर-परिवार सूचीकरण, आवास गणना और जनसंख्या गणना के लिए अलग-अलग प्रश्नावली के माध्यम से सर्वेक्षण करेंगे। इससे 1.02 करोड़ मानव दिवस का रोजगार सृजित होगा।

वैष्णव ने कहा कि संपूर्ण डिजिटल जनगणना प्रणाली को एक अत्यंत सुदृढ़ प्रणाली के रूप में तैयार किया गया है और इस पर व्यक्तिगत डेटा संरक्षण से संबंधित सभी कानून लागू होंगे। उन्होंने कहा कि जनगणना प्रत्येक व्यक्ति और परिवार का सूक्ष्म स्तर का और व्यापक स्तर का डेटा प्रस्तुत करेगी।

मंत्री ने कहा, ''प्रत्येक परिवार से सूक्ष्म स्तर के आंकड़े एकत्र किए जाएंगे और एक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी। व्यक्तिगत आंकड़े गोपनीय रखे जाएंगे जबकि जनगणना के व्यापक स्तर के आंकड़े प्रकाशित किए जाएंगे।'' सरकार के एक बयान में कहा गया है, ''जनगणना के सभी कर्मचारियों को जनगणना के काम के लिए उचित मानदेय दिया जाएगा क्योंकि वे यह काम अपने नियमित कर्तव्यों के अतिरिक्त करेंगे।''

वैष्णव ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एकत्र किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि डेटा संग्रह के लिए मोबाइल ऐप और निगरानी उद्देश्यों के लिए केंद्रीय पोर्टल का उपयोग बेहतर गुणवत्ता वाले डेटा सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि डेटा का प्रसार कहीं बेहतर और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से होगा ताकि नीति-निर्माण के लिए आवश्यक मापदंडों से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर एक बटन क्लिक करने पर उपलब्ध हो सकें।

सरकार के एक बयान में कहा गया है, ''जनगणना प्रक्रिया के संपूर्ण प्रबंधन और निगरानी के लिए एक विशेष पोर्टल विकसित किया गया है, जिसका नाम जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) है।''

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन एवं केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में भारत ऊर्जा क्षेत्र की ऐतिहासिक प्रगति की राह पर अग्रसर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

श्री के. शैलेन्द्र जी (कार्यकारी निदेशक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड), श्री वनीत बंसल जी (मुख्य महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश), श्री स्वर्ण सिंह जी (उत्तराखंड प्रमुख, आईओसीएल), श्री राहुल दीक्षित (महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश आईओसीएल) तथा श्री मयंक कुमार (जिला नोडल अधिकारी, हरिद्वार एवं पौड़ी गढ़वाल) आदि अन्य अधिकारी परमार्थ निकेतन दर्शनार्थ आये12 दिसम्बर, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश।

परमार्थ निकेतन आश्रम आध्यात्मिक धरोहर के साथ वैश्विक संवाद का पवित्र केंद्र भी है। यहां आज इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के वरिष्ठ पदाधिकारीगण दर्शनार्थ आये। इस अवसर पर श्री के. शैलेन्द्र (कार्यकारी निदेशक, इंडियन

ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड), श्री वनीत बंसल (मुख्य महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश), श्री स्वर्ण सिंह (उत्तराखंड प्रमुख, आईओसीएल), श्री राहुल दीक्षित (महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश आईओसीएल) तथा श्री मयंक कुमार (जिला नोडल अधिकारी, हरिद्वार एवं पौड़ी गढ़वाल) आदि सभी अधिकारियों ने पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, सामाजिक उत्तरदायित्व, हरित भारत एवं वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति, वैश्विक नेतृत्व और आने वाले वर्षों की आकांक्षाओं पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए।

पूज्य स्वामी जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी जी के कुशल मार्गदर्शन में भारत का

ऊर्जा क्षेत्र अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ रहा है। आज भारत सिर्फ उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि ऊर्जा परिवर्तन, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के वैश्विक मार्ग का नेतृत्व कर रहा है।उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता होते हुए भी ऊर्जा संक्रमण में सबसे तेज और सबसे संतुलित प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। बायोफ्यूल, एथेनॉल ब्लेंडिंग, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की पहलें आज वैश्विक मंच पर चर्चित हैं। भारत ने एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य निर्धारित समय से पहले प्राप्त कर इतिहास रच दिया है।स्वामी जी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय, सामाजिक और राष्ट्रीय दृढ़ता का प्रतीक है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत की उन्नति का मार्ग केवल आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, सांस्कृतिक समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना से होकर गुजरता है। ऊर्जा क्षेत्र इस समन्वय का सुंदर और शक्तिशाली माध्यम है।आईओसीएल टीम ने भी अपन सीएसआर कार्यों, ग्रीन मिशनों और राष्ट्रीय योगदान पर विस्तृत जानकारी साझा करते हुये कहा कि भारत, विश्व में उभरती ऊर्जा महाशक्ति है।

आज भारत हर क्षेत्र में जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह अद्भुत और प्रेरणादायक है।स्वामी जी ने कहा कि आज भारत केवल उठ नहीं रहा बल्कि भारत विश्व को उठाने, मार्ग दिखाने और नई दिशा देने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को और ऊँचाइयों तक ले जाने में निश्चित रूप आप सब का योगदान महत्वपूर्ण है।

मंत्रिमंडल ने उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक स्थापित करने वाले विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूजीसी और एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित करने वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रस्तावित विधेयक जिसे पहले भारत का उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) विधेयक नाम दिया गया था, अब विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक के नाम से जाना जाएगा। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित एकल उच्च शिक्षा नियामक का उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) को प्रतिस्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया, ''विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण की स्थापना से संबंधित विधेयक को

मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है।''

यूजीसी गैर-तकनीकी उच्च शिक्षा क्षेत्र की, जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा की देखरेख करती है और एनसीटीई शिक्षकों की शिक्षा के लिए नियामक निकाय है। प्रस्तावित आयोग को उच्च शिक्षा के एकल नियामक के रूप में स्थापित किया जाएगा, लेकिन मेडिकल और लॉ कॉलेज इसके दायरे में नहीं आएंगे। इसके तीन प्रमुख कार्य प्रस्तावित हैं-विनियमन, मान्यता और व्यावसायिक मानक निर्धारण। वित्त पोषण, जिसे चौथा क्षेत्र माना जाता है, अभी तक नियामक के अधीन प्रस्तावित नहीं है।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048, ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.- 011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।